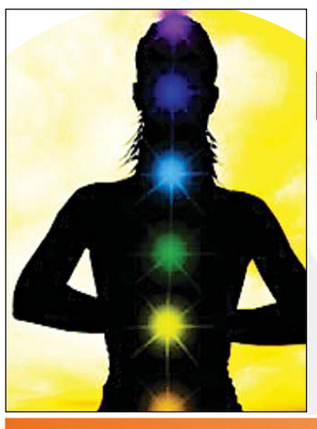

सब का सपना

निष्पक्ष व निडर - हिंदी दैनिक समाचार पत्र

शरीर के 7 चक्र या हैं और सेहत पर उनका या असर पड़ता है? पेज: 7

फिल्मों में स्क्रीन टाइम नहीं, दमदार किरदार चाहिए पेज: 8

वर्ष : 03 | अंक : 91 | शनिवार 04 जुलाई 2026 | अमरोहा (उत्तर प्रदेश) | www.sabkasapna.com | पृष्ठ : 08 | मूल्य: 2 रुपए

राम मंदिर चंदा विवाद पर डिप्टी सीएम मौर्य का बयान: इसे तूल देने की जरूरत नहीं

राम मंदिर चंदे के मामले को लेकर चल रहे विवाद के बीच उत्तर प्रदेश के उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य चंपत राय के समर्थन में आए। उन्होंने कहा कि इस मामले को बेवजह तूल देने की जरूरत नहीं है। इस मुद्दे पर बात करते हुए मौर्य ने कहा कि श्री राम जन्मभूमि के लिए महान तपस्वियों की तरह दिन-रात काम करने वाले लोग - जिनमें चंपत राय और अन्य शामिल हैं - इस घटना से बहुत आहत हैं। उन्होंने इस विवाद को कम करने की कोशिश करते हुए कहा कि राम मंदिर में दान के मुद्दे को इतना बड़ा मुद्दा बनाने की जरूरत नहीं है। मौर्य का यह बयान श्री राम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट के एक पूर्व कर्मचारी द्वारा राम मंदिर के मैनेजमेंट से जुड़े लोगों पर कई आरोप लगाने के एक दिन बाद आया है। मंदिर में लगभग 18 महीने तक काम करने का दावा करने वाले इस पूर्व कर्मचारी ने आरोप लगाया कि ट्रस्ट के पूर्व महासचिव चंपत राय के करीबी

अमरनाथ यात्रा पर पीएम मोदी का खास संदेश, श्रद्धालुओं को दिए ये 5 जरूरी संकल्प

नई दिल्ली एजेंसी: प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शुक्रवार को अमरनाथ यात्रा पर जाने वाले श्रद्धालुओं के लिए एक खास मैसेज शेयर किया। उन्होंने इस यात्रा को भारत की संस्कृति और एकता का एक ऐसा हिस्सा बताया जो कभी खत्म नहीं हो सकता। पीएममोदी ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखा कि बाबा बफानीं की यह यात्रा हमारी परंपराओं को जोड़ती है। उन्होंने दुआ की कि सभी शिव भक्तों की यह यात्रा सुरक्षित और बहुत अच्छी रहे। सोशल मीडिया पर शेयर किया पत्र पीएम मोदी ने पोस्ट के साथ एक लेटर की तस्वीरें भी शेयर कीं। इस लेटर में उन्होंने यात्रियों के लिए 5 जरूरी बातें बताई हैं। उन्होंने कहा कि अमरनाथ यात्रा सिर्फ एक धार्मिक यात्रा नहीं है, बल्कि यह 'एक भारत,

श्रेष्ठ भारत' की मिसाल है, जहां पूरे देश से अलग-अलग भाषाओं और राज्यों के लोग भगवान शिव की भक्ति में एक साथ आते हैं। इसके साथ ही उन्होंने कश्मीर के लोगों की भी तारीफ की जो हर साल दिल खोलकर यात्रियों का स्वागत करते हैं। यात्रा को सफल बनाने वालों का शुक्रिया प्रधानमंत्री ने सेना, पुलिस, डॉक्टरों, सफाई कर्मचारियों और लोकल प्रशासन का दिल से धन्यवाद किया, जो दिन-रात काम करके इस यात्रा को सुरक्षित और आसान बनाते हैं। उन्होंने यात्रियों से अपील की कि वे यात्रा के दौरान इन 5 संकल्पों को जरूर याद रखें:- रास्ते में गंदगी न फैलाएं और प्रकृति की खूबसूरती को बचाकर रखें। सुरक्षा नियमों और ट्रैफिक गाइडलाइंस का पूरा पालन करें। जम्मू-कश्मीर के लोकल दुकानदारों से सामान खरीदें ताकि

पीएम ने इस यात्रा को 'एक भारत, श्रेष्ठ भारत' का प्रतीक बताया

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने अमरनाथ यात्रा शुरू होने पर श्रद्धालुओं को शुभकामनाएं देते हुए 5 जरूरी संकल्प दिए हैं, जिनमें स्वच्छता, सुरक्षा, और स्थानीय अर्थव्यवस्था को समर्थन देना शामिल है। पीएम ने इस यात्रा को 'एक भारत, श्रेष्ठ भारत' का प्रतीक बताया, जो आज कड़ी सुरक्षा के बीच जम्मू-कश्मीर में शुरू हो गई है।

वहां के लोगों की कमाई हो सके। यात्रा से वापस घर लौटने पर अपने परिवार या किसी करीबी के नाम पर एक पौधा जरूर लगाएं। पूरी यात्रा में आपस में प्यार, एकता और भाईचारे की भावना बनाए रखें। 'हर हर महादेव' के साथ बाबा बफानीं का स्वागत पीएम मोदी ने जो तस्वीरें शेयर की हैं, उनमें से एक पर 'अमरनाथ यात्रा: भक्तों के लिए प्रधानमंत्री का संदेश' लिखा है और साथ में अमरनाथ गुफा के पवित्र बफानीं शिवलिंग की तस्वीर भी है। इस मैसेज की शुरूआत हर हर महादेव और जय बाबा बफानीं के जयकारों के साथ की गई है, जिसमें सभी की यात्रा के सफल होने की कामना की गई है। भारी सुरक्षा के बीच यात्रा की शुरूआत जम्मू-कश्मीर में अमरनाथ यात्रा आज से पूरी सुरक्षा के बीच शुरू हो गई है। यात्रियों का पहला ग्रुप जम्मू से रवाना हो चुका है। सरकार और प्रशासन ने सुरक्षा के बहुत कड़े इंतजाम किए हैं ताकि किसी को कोई परेशानी न हो। 57 दिनों तक चलने वाली यह यात्रा इस साल 28 अगस्त तक चलेगी। दो रास्तों से पूरी होगी यात्रा यह पवित्र गुफा हिमालय में 12,000 फीट से भी ज्यादा की ऊंचाई पर है, जहां बर्फ से प्राकृतिक शिवलिंग बनता है। लोग इसे भगवान शिव का रूप मानकर पूजते हैं। यात्री यहां पहुंचने के लिए दो रास्तों का इस्तेमाल कर सकते हैं, पहला पारंपरिक पहलगाम रास्ता है और दूसरा थोड़ा छोटा लेकिन सीधी चढ़ाई वाला बालटाल रास्ता है। हर साल इस यात्रा में देश के कोने-कोने से लाखों भक्त आते हैं।

स्टालिन का आरोप, टीवीके सरकार विपक्ष को कर रही टारगेट, पुलिस का दुरुपयोग जारी

नई दिल्ली एजेंसी: डीएमके अध्यक्ष एमके स्टालिन ने तमिलनाडु में टीवीके के नेतृत्व वाली सरकार की आलोचना की है। उन्होंने पूर्व मंत्री अनीता आर. राधाकृष्णन की गिरफ्तारी को लेकर सरकार पर आरोप लगाया कि वह ज्यादा गंभीर मुद्दों को नजरअंदाज करके विपक्ष के नेताओं को निशाना बनाने के लिए पुलिस का इस्तेमाल कर रही है। स्टालिन ने यह बात 31 जनवरी, 2026 को कही। राधाकृष्णन को डीएमके की एक जनसभा के दौरान मुख्यमंत्री सी. जोसेफ विजय के बारे में की गई टिप्पणियों से जुड़े मानहानि के आरोपों में गिरफ्तार किया गया था। एक्स पर एक पोस्ट में, स्टालिन ने गिरफ्तारी की जल्दबाजी पर सवाल उठाया और कहा कि

राधाकृष्णन को तब हिरासत में लिया गया जब वे अपने निर्वाचन क्षेत्र में विकास कार्यों का निरीक्षण कर रहे थे। उन्होंने कहा कि 'टेक डायवर्जन' सरकार ने पूर्व मंत्री अनीता राधाकृष्णन को इस आरोप में गिरफ्तार किया है कि उन्होंने निरीक्षण कार्य के दौरान मुख्यमंत्री की बदनामी की। जो व्यक्ति जनसेवा में लगा हो और अपने निर्वाचन क्षेत्र में कार्यों का निरीक्षण कर रहा हो, उसे गिरफ्तार करने की क्या जल्दबाजी थी? स्टालिन ने मुख्यमंत्री पर फि ल्मी एक्शन स्टाइल में पुलिस राज चलाने का आरोप लगाया और सरकार के चुनिंदा रवैये की आलोचना की। उन्होंने राधाकृष्णन के खिलाफ की गई तेज कार्रवाई की तुलना श्रीवैकुंटम के टीवीके विधायक पर गैंगरेप का आरोप लगाने वाली महिला की शिकायत पर कोई कार्रवाई न होने से की। स्टालिन ने पूछा, " 'प्योर पावर' प्रशासन–जिसने श्रीवैकुंटम के टीवीके विधायक के खिलाफ गैंगरेप पीड़िता की शिकायत पर अब तक कोई कार्रवाई नहीं की है–उस मामले में वैसी तेजी दिखाने में क्यों नाकाम रहा? क्या यह उस सरकार का बदलाव है जो पूरे तमिलनाडु में हत्याओं, डकैतियों और महिलाओं के खिलाफ यौन अपराधों को रोकने में नाकाम रही है, लेकिन दूसरी पार्टियों के विधायकों को अपनी पार्टी में शामिल करने में व्यस्त है? इससे पहले, 31 जनवरी 2026 को मद्रास हाई कोर्ट ने मानहानि के मामले में राधाकृष्णन की अग्रिम जमानत याचिका खारिज कर दी, जिससे उनकी गिरफ्तारी का रास्ता साफ हो गया।

पहचान के संकट से निकलकर यूपी बना देश की टॉप-3 इकॉनमी: सीएम योगी का दावा

लखनऊ: उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने शुक्रवार को कहा कि पिछले नौ सालों में राज्य ने 'बीमारू' राज्यों की श्रेणी से निकलकर भारत की शीर्ष तीन अर्थव्यवस्थाओं में से एक बनने का सफर तय किया है। उन्होंने इस बदलाव का श्रेय अच्छे शासन, टीम वर्क और टेक्नोलॉजी के प्रभावी इस्तेमाल को दिया। डॉ. राम मनोहर लोहिया उत्तर प्रदेश प्रशासन एवं प्रबंधन अकादमी (रूपाम) के नए अत्याधुनिक परिसर के उद्घाटन समारोह को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि पिछले नौ वर्षों में राज्य की विकास यात्रा शासन और लोगों की सोच में आए बदलाव को दर्शाती है। उन्होंने कहा कि पिछले नौ सालों में, उत्तर प्रदेश उस पहचान के संकट से बाहर निकल आया है

जिसका सामना उसे कभी करना पड़ा था। आज राज्य ने खुद को उन राज्यों की श्रेणी में स्थापित कर लिया है, जहाँ न तो सरकार, न ही प्रशासनिक तंत्र और न ही जनता को पहचान के संकट का सामना करना पड़ता है। राज्य की आर्थिक प्रगति का ज़िक्र करते हुए सीएम योगी ने कहा कि उत्तर प्रदेश देश की सबसे पिछड़ी पाँच अर्थव्यवस्थाओं की श्रेणी से निकलकर शीर्ष तीन अर्थव्यवस्थाओं में शामिल हो गया है। इसने 'बीमारू' राज्य के ठप्पे से मुक्ति पाई है, सुरक्षा और सुशासन के नए मानक स्थापित किए हैं, भीड़-भाड़ के प्रभावी प्रबंधन का उदाहरण पेश किया है और यह दिखाया है कि तकनीक किस तरह आम नागरिकों के जीवन को बदल सकती है। मुख्यमंत्री ने कहा कि शासन का स्वरूप न केवल राजनीतिक नेतृत्व से, बल्कि प्रशासनिक तंत्र के कामकाज से भी तय होता है। उन्होंने कहा कि किसी भी सरकार के बारे में जनता की राय प्रशासनिक तंत्र के कामकाज से बनती है। नौकरशाही सरकार और जनता के बीच एक पुल का काम करती है। जब यह पुल प्रभावी ढंग से काम करता है, तो सरकारी योजनाएं लाभार्थियों तक पहुंचती हैं और लोगों की सोच बदलती है। पब्लिक डिस्ट्रीब्यूशन सिस्टम (पीडीएस) में सुधारों का ज़िक्र करते हुए, सीएम योगी ने कहा कि 2017 से पहले राशन वितरण को लेकर शिकायतें आम थीं, लेकिन ई स्थिति मशीनें आने के बाद इनमें काफी कमी आई। उन्होंने कहा कि हमने ई स्थिति मशीनें लगाईं और शिकायतें बंद हो गईं। टेक्नोलॉजी ने आम आदमी की समस्या का समाधान किया। आज गरीबों को उनका राशन मिल रहा है

प्रशांत किशोर लड़ेंगे बांकीपुर उपचुनाव? 4 जुलाई को जन सुराज का बड़ा फैसला

पटना एजेंसी: पटना की बांकीपुर विधानसभा सीट के लिए होने वाला उपचुनाव तेजी से बिहार में सबसे ज्यादा चर्चा का विषय बनता जा रहा है। 'जन सुराज' के सूत्रों के अनुसार, पार्टी के संस्थापक प्रशांत किशोर इस सीट से चुनाव लड़ सकते हैं। 4 जुलाई को 'जन सुराज' की एक अहम बैठक होगी, जिसमें उनकी उम्मीदवारी को लेकर अंतिम फैसला होने की उम्मीद है। अगले दिन इसकी आधिकारिक घोषणा की जा सकती है। पिछले साल, प्रशांत किशोर ने राज्य में विधानसभा चुनाव न लड़ने का फैसला किया था और इसके बजाय अपनी पार्टी का आधार मजबूत करने पर ध्यान केंद्रित करने का विकल्प चुना था। बाद में उन्होंने कहा कि यह एक गलती हो सकती थी। न केवल उनकी पार्टी राज्य में अपना खाता खोलने में नाकाम रही, बल्कि उसे उम्मीद के मुताबिक 12 से 15 प्रतिशत के बजाय केवल 4 प्रतिशत के आसपास वोट मिले।

बांकीपुर सीट लंबे समय से बीजेपी का गढ़ रही है। बीजेपी नेता नितिन नवीन इस सीट से विधायक रह चुके हैं। उनके राज्यसभा जाने के बाद यह सीट खाली हो गई, जिससे उपचुनाव जरूरी हो गया। अगर प्रशांत किशोर यहाँ से चुनाव लड़ते हैं, तो इस मुकाबले को बीजेपी और जन सुराज के बीच सीधी टक्कर के तौर पर देखा जाएगा। यह चुनाव दोनों पार्टियों के लिए प्रतिष्ठा का सवाल बन सकता है। बीजेपी के लिए दांव पर बहुत कुछ लगा है क्योंकि यह सीट पार्टी के एक प्रमुख नेता के पास थी। अगर हार होती है, तो विपक्ष इसे एक बड़े राजनीतिक झटके के तौर पर पेश करेगा; वहीं जीत मिलने पर बीजेपी इसे जनता के भरोसे और इलाके पर अपनी मजबूत पकड़ के सबूत के तौर पर दिखा सकेगी। यह चुनाव प्रशांत किशोर के लिए भी उतना ही अहम है। पिछले कुछ सालों से वे बिहार की राजनीति में बदलाव की वकालत कर रहे हैं। उन्होंने पूरे राज्य में पदयात्रा की, 'जन सुराज' अभियान शुरू किया और आखिरकार अपनी पार्टी बनाई। अब उन्हें सीधे चुनाव लड़कर और जनता का सामना करके अपनी राजनीतिक काबिलियत साबित करनी होगी।

सुप्रीम कोर्ट भी बीजेपी के अधीन काम कर रहा है, राम मंदिर मुद्दे पर संजय राउत का बड़ा बयान

नई दिल्ली एजेंसी: अयोध्या के राम मंदिर निर्माण के चंदे में हुई कथित धोखाधड़ी का मामला इन दिनों काफी गरमाया हुआ है। इस पूरे प्रकरण की तफ्तीश में जुटी एसआईटी (एसआईटी) अब तक आठ आरोपियों को गिरफ्तार कर चुकी है। इस बीच, पूरे विवाद पर शिवसेना (यूटीबी) के दिग्गज नेता संजय राउत की प्रतिक्रिया आई है, जिसमें उन्होंने सीधे तौर पर भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) को आड़े हाथों लिया है। संजय राउत ने कहा कि देखिए कांग्रेस पार्टी की नहीं पूरी देश की भावना है। अब सुप्रीम कोर्ट के निगरानी में जांच होगी तो सुप्रीम कोर्ट निष्पक्ष है क्या? सुप्रीम कोर्ट भी उनके नीचे काम कर रहा है ना। मैं तो कहूंगा मुंबई हाई कोर्ट के जो जज है माधव जामदार उनके निगरानी में जांच होनी चाहिए। अब बहुत कम लोग बच्चे इस देश के न्याय व्यवस्था में। राउत ने कहा कि हां जो चाहते हैं कि ये सब साफ हो जाए। जिस तरह से अयोध्या अयोध्या जो है एक तीर्थ क्षेत्र रहा राम की अयोध्या रही उसका अब अंडरवर बन गया है जो मुंबई में अंडरवर है ना गुंडुम का और अंडरवर चलाने वाले बीजेपी के लोग सबसे पहले डाका डाला है राम मंदिर पे अब कोई एक मुसलमान पैदा करेंगे पाकिस्तान से और बोलेंगे उनका हाथ था उसमें वह बम डालने को आएगा उसके पास आरडीएक्स है टेरर अटैक करेगा। लूटा किसने है? यह बीजेपी के महमूद गजनवी ने अंडरव चला रहे लोग। मुझे तो आश्चर्य होता है कि बृजभूषण शरण सिंह जैसे जो नेता है जो कभी किसी को डरते नहीं वो नेताजी ने भी कहा कि मुझे डर लगता है नाम लेने। वो जो अपने आप को भगवान मानने वाले भागेश्वर बाबा बोलते हैं मुझे भी डर लगता है। शिवसेना यूबीटी नेता ने कहा कि मेरी हत्या हो जाएगी अगर मैंने नाम लिया तो ये किसका डर है?

52,000 करोड़ का रक्षा को बढ़ावा: डीएसी ने सैन्य उपकरणों को दी मंजूरी, बढ़ेगी भारत की ताकत

नई दिल्ली एजेंसी: रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह की अध्यक्षता में रक्षा अधिग्रहण परिषद (डीएसी) ने रक्षा बलों के लिए लगभग 52,000 करोड़ रुपये की अनुमानित लागत वाले विभिन्न अधिग्रहण प्रस्तावों को 'आवश्यकता की स्वीकृति' (एओन) यानी सैद्धांतिक प्रशासनिक मंजूरी दी। रक्षा मंत्रालय ने इस बात की जानकारी दी है। मंत्रालय ने कहा कि भारतीय सेना के लिए, एंटी-अनमैन्ड एरियल व्हीकल (यूएवी) इलेक्ट्रॉनिक वॉरफेयर सिस्टम 'आकाश तरंग', मैन पोर्टेबल एंटी-टैंक गाइडेड मिसाइल सिस्टम, मीडियम रेंज सरफेस-टू-एयर मिसाइल वेपन सिस्टम, वेरी शॉर्ट रेंज एयर डिफेंस सिस्टम (वी-शोराड्स), टैंकों के लिए एक्टिव प्रोटेक्शन सिस्टम और जेट-बेस्ड कामिकेज ड्रोन सिस्टम की खरीद को मंजूरी दी गई। आकाश तरंग सेना की टुकड़ियों को एंटी-यूएवी सुरक्षा देगा। एमआरएसएएम दुश्मन के मैकेनाइज्ड खतरों का मुकाबला

करने की इन्फैंट्री की क्षमता को बढ़ाएगा। एमआरएसएएम सिस्टम कई तरह के दूर से होने वाले हवाई खतरों के खिलाफ मध्यम दूरी की हवाई सुरक्षा देता है। मल्टी-स्पेक्ट्रल सेंसिंग वाला वी-शोराड्स भारतीय सेना की जवाबी कार्रवाई की क्षमता और असर को बढ़ाएगा। एक्टिव प्रोटेक्शन सिस्टम टैंकों की सुरक्षा व्यवस्था को बेहतर बनाने और उनके बचे रहने की क्षमता को बढ़ाने में सक्षम होगा। जेट-बेस्ड कामिकेज ड्रोन बेहतर इलेक्ट्रॉनिक वॉरफेयर क्षमता के साथ-साथ ज्यादा घातक और सुरक्षित होने के साथ-साथ किफायती भी हैं। भारतीय नौसेना के लिए, मल्टी इन्फ्लुएंस ग्राउंड माइन, नेवल शिपबोर्न अनमैन्ड एरियल सिस्टम की खरीद और इलेक्ट्रिक प्रोपल्शन सिस्टम के लिए लैंड बेस्ड टेस्टिंग फैसिलिटी बनाने की मंजूरी दी गई। दुश्मन की चाल चलने की आजादी को रोकेगा। एडवांस्ड सेंसर से लैस भारतीय नौसेना की स्थिति की जानकारी (सिचुएशनल अवेयरनेस) को बेहतर बनाएगा। भारतीय नौसेना के एसेट्स के मोटर्स और उनसे जुड़े प्रोपल्शन सिस्टम की टेस्टिंग की जरूरतों को पूरा करेगा। भारतीय वायु सेना के लिए

अरविंद केजरीवाल का आरोप: ई20 पेट्रोल जनता पर थोपा, गाड़ियां हो रही हैं खराब, माइलेज भी घटा

नई दिल्ली एजेंसी: आम आदमी पार्टी के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल ने शुक्रवार को आरोप लगाया कि केंद्र सरकार जनता पर जबरदस्ती ई20 पेट्रोल थोप रही है। उन्होंने दावा किया कि इससे गाड़ियों को नुकसान हो रहा है और ईंधन की क्षमता (माइलेज) भी कम हो रही है। पर एक वीडियो पोस्ट शेयर करते हुए केजरीवाल ने कहा कि 20 प्रतिशत इथेनॉल-मिश्रित पेट्रोल को लेकर जनता में काफी गुस्सा है। 30 जून को केंद्र सरकार ने अटॉर्नी जनरल के जरिए सुप्रीम कोर्ट को बताया कि यह सिर्फ. एक प्रयोग है और आगे की कार्रवाई इसके नतीजों पर निर्भर करेगी। जब यह बात मीडिया और अखबारों में आई, तो केंद्र सरकार पूरी तरह से पीछे हट गई। उन्होंने एक बयान जारी कर कहा कि उन्होंने ऐसा कुछ कभी नहीं कहा और यह झूठ है। उन्होंने सरकार के तरीके पर सवाल उठाते हुए कहा, "और यह किस तरह का प्रयोग है? आपने सभी लोगों और सभी गाड़ियों के लिए इथेनॉल-मिला हुआ पेट्रोल अनिवार्य कर दिया है, और अब आप कह रहे हैं कि आप 'प्रयोग' कर रहे हैं? क्या आप उन लोगों को मुआवजा देंगे जिनकी गाड़ियाँ खराब हो रही हैं?" केजरीवाल ने दावा किया कि इथेनॉल

मिलाने की वजह से गाड़ियाँ खराब हो रही हैं और उनके पार्ट्स को नुकसान पहुँच रहा है। उन्होंने कहा कि पूरा देश मोदी सरकार के लिए एक एक्सपेरिमेंटल लैब बन गया है। लोगों पर जबरदस्ती ई20 पेट्रोल थोपा जा रहा है। इथेनॉल की वजह से लोगों की गाड़ियाँ खराब हो रही हैं, पार्ट्स को नुकसान पहुँच रहा है और माइलेज भी कम हो रहा है। लोग बहुत नाराज हैं। उन्होंने आगे कहा कि अगर लोग इसका विरोध कर रहे हैं, तो आप इसे उन पर क्यों थोप रहे हैं? आप इसे वापस क्यों नहीं ले रहे हैं? जनता ने ही आपको वोट दिया है। उनके वोट का सम्मान करना और उनकी बात सुनना आपका कर्तव्य है। केजरीवाल ने इस मुद्दे पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को पत्र लिखने की योजना की घोषणा की और जनता से सुझाव आमंत्रित किए। उन्होंने कहा कि मैं इस मामले पर प्रधानमंत्री को पत्र लिखने जा रहा हूं। आप सभी कृपया मुझे डीएम करें और टिप्पणी करके बताएं कि मुझे पत्र में क्या लिखना चाहिए। एएपी नेता की ये टिप्पणियाँ ई20 पेट्रोल का गाड़ियों पर पड़ने वाले असर को लेकर जताई गई चिंताओं के बाद आईं। कर्नाटक के गृह मंत्री प्रियांक खड़गे ने भी इस हफ़्ते की शुरूआत में केंद्र सरकार की आलोचना की थी। उन्होंने आरोप लगाया कि केंद्र सरकार ने बिना पर्याप्त सबूत, सार्वजनिक सलाह-मशविरे या आम सहमति के इथेनॉल-मिश्रित ईंधन पेश करके 3.6 करोड़ भारतीयों को एक प्रयोग का हिस्सा बना दिया है।

आम आदमी पार्टी के नेता अरविंद केजरीवाल ने ई20 पेट्रोल को लेकर केंद्र सरकार के प्रयोग वाले दावे पर तीखा हमला बोला है, यह आरोप लगाते हुए कि इससे गाड़ियों को नुकसान हो रहा है और माइलेज घट रहा है।

खड़गे ने सुप्रीम कोर्ट में केंद्र सरकार की दलीलों का ज़िक्र करते हुए कहा कि सरकार ने माना है कि वह अभी भी इथेनॉल मिलाने के असर का आकलन कर रही है, जबकि उसने बिना पर्याप्त सार्वजनिक सलाह-मशविरे या आम सहमति के ही यह नीति लागू कर दी है।

संपादकीय

इथेनॉल का मोल

खाड़ी युद्ध के चलते उपजे ईंधन संकट ने भारत समेत पूरी दुनिया को सबक दिए हैं कि देश की ऊर्जा जरूरतों को पूरा करने के लिये नये विकल्प तलाशे जाएं। भारत जैसे देश के लिये तो यह बड़ी चुनौती है क्योंकि हम पूरी तरह कच्चे तेल व गैस के लिये विदेशी संसाधनों पर ही निर्भर हैं। जिससे संकटपूर्ण स्थितियों में न केवल महंगाई बढ़ती है बल्कि हमारी दुर्लभ विदेशी मुद्रा भी दांव पर लगती है। ऐसे ही संकट से जूझने के लिये देश ने इथेनॉल के विकल्प पर गंभीरता से विचार किया। देश में पहले ही सामान्य पेट्रोल में बीस फीसदी इथेनॉल मिलाया जा रहा है। देश में विदेशी मुद्रा की बचत व आत्मनिर्भरता की दिशा में यह एक महत्वपूर्ण पहल है। हाल ही में फ्लेक्स-फ्यूल गाड़ियों के लिये ज्यादा इथेनॉल वाले ई-85 फ्यूल उपलब्ध कराया गया। लेकिन अभी भी उपभोक्ताओं और ऑटोमोटिव इंडस्ट्री के बीच कई मुद्दों को लेकर चिंताएं बनी हुई हैं। दरअसल,ये वाहन ई-85 यानी 85 फीसदी इथेनॉल और 15 फीसदी पेट्रोल तथा ई-100 यानी शुद्ध इथेनॉल वाले मिश्रण पर चलने के लिये डिजाइन किये गए हैं। जबकि पेट्रोल से चलने वाली सामान्य गाड़ियां ई-20 यानी बीस फीसदी इथेनॉल और 80 फीसदी पेट्रोल के अनुकूल होती हैं। दरअसल, चुनिंदा आउटलेट्स पर ई-85 उपलब्ध कराने का निर्णय आयातित कच्चे तेल पर निर्भरता कम करने के मकसद से लिया गया है। यह एक हकीकत है कि आज भी देश का नब्बे फीसदी कच्चा तेल आयातित किया जा रहा है। दुनियाभर में गाहे-बगाहे पैदा होने वाले भू-राजनीतिक संकटों ने बार-बार देश के ऊर्जा इकोसिस्टम की खामियों को ही उजागर किया है। इसमें दो राय नहीं है कि फ्लेक्स-फ्यूल गाड़ियों के लिये इथेनॉल को मुख्य ईंधन के रूप से बढ़ावा देने का मकसद ऊर्जा जरूरतों में आत्मनिर्भरता हासिल करने की दिशा में बढ़ना है। वहीं दूसरी ओर इसके उपयोग से हम ग्रीन हाउस गैसों के उत्सर्जन में भी कमी ला सकते हैं।

अकेले क्यों थकना, जब साथ मिलकर बदल सकते हैं जमाना!

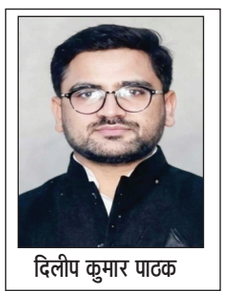

दिलीप कुमार पाठक

सोचिए, अगर हाथ की सिर्फ एक उंगली से किसी भारी चीज को उठाने की कोशिश करें, तो क्या होगा? शायद उंगली में मोच आ जाएगी। लेकिन जब पांचों उंगलियां मिलकर मुट्ठी बन जाती हैं, तो ताकत कई गुना बढ़ जाती है। बस यही सीधा सा फंडा है सहकारिता का। आज की इस भागदौड़ भरी जिंदगी में हम अक्सर मैं, मेरा और मुझे में खोए रहते हैं। लेकिन साल में एक दिन ऐसा आता है जो हमें याद दिलाता है कि जिंदगी की असली गाड़ी अकेले नहीं, बल्कि सबको साथ लेकर चलने से ही सुचारू रूप से चलती है। जुलाई का पहला शनिवार इसी एकता और भाईचारे के नाम होता है, जिसे लोग तकनीकी भाषा में अंतर्राष्ट्रीय सहकारिता दिवस कह देते हैं।

बहुत से लोग इस भारी-भरकम शब्द को सुनकर कन्फ्यूज हो जाते हैं, लेकिन इसका मतलब बहुत ही सीधा है - एक-दूसरे का हाथ थामकर आगे बढ़ना। हमारे समाज में हर किसी के पास बहुत सारा पैसा या बड़ी-बड़ी सिफारिशें नहीं होतीं। किसी के पास कोई छोटा सा हुनर होता है, तो किसी के पास थोड़ी सी जमीन। अब अकेले दम पर तो बड़ा बिजनेस खड़ा करना मुमकिन नहीं है। ऐसे में कुछ लोग आपस में मिलते हैं, अपनी थोड़ी-थोड़ी जमापूंजी एक जगह जमा करते हैं और मिलकर काम शुरू कर देते हैं। यहां कोई बड़ा बॉस या नौकर नहीं होता। जितने लोग, उतने मालिक। सब मिलकर फैसला लेते हैं और जो भी फायदा होता है, उसे आपस में खुशी-खुशी बांट लेते हैं। यह एक ऐसी व्यवस्था है जहां कोई किसी का हक नहीं मार सकता। इस जादुई फॉर्मूले की सबसे बड़ी मिसाल हमारे घरों में सुबह-सुबह आने वाला अमूल दूध है। बरसों पहले गुजरात के कुछ सीधे-साधे किसानों ने मिलकर बिचौलियों की मनमानी के खिलाफ एक छोटी सी मंडली बनाई थी। आज वही छोटी सी शुरूआत दुनिया का इतना बड़ा ब्रांड बन चुकी है कि हर घर की सुबह उसके बिना अधूरी है। इसी तरह सिर्फ सात महिलाओं ने अस्सी रुपये उधार लेकर पापड़ बनाने का काम शुरू किया था, जिसे आज हम लिज्जत पापड़ के नाम से जानते हैं। आज इस काम से देश की हजारों महिलाएं अपने पैरों पर खड़ी हैं और गर्व से अपना घर चला रही हैं। ये कहानियां गवाह हैं कि जब आम लोग एक साथ आ जाते हैं, तो बड़े-बड़े कॉरपोरेट घराने भी उनके आगे फीके पड़ जाते हैं।आज के समय में जब हर तरफ सिर्फ अपना फायदा देखने की होड़ मची है, वहां यह सोच किसी ठंडी हवा के झोंके जैसी है। बड़ी-बड़ी कंपनियां सिर्फ अपना बैंक बैलेंस बढ़ाने में लगी रहती हैं, चाहे उसके लिए उन्हें किसी का भी नुकसान करना पड़े। लेकिन जब लोग मिलकर कोई समिति या ग्रुप बनाते हैं, तो वे सिर्फ पैसे के पीछे नहीं भागते। वे अपने साथ-साथ अपने गांव, अपने पड़ोसियों और पर्यावरण का भी ख्याल रखते हैं। यहां अमीर-गरीब का कोई भेद नहीं होता। सबके वोट की कीमत बराबर होती है। यही वजह है कि यह मॉडल समाज से मंदी और बेरोजगारी जैसी बीमारियों को जड़ से खत्म करने की ताकत रखता है। खासकर हमारे गांवों और छोटे कस्बों में यह सोच किसी वरदान से कम नहीं है। छोटे किसानों को सस्ते दाम पर खाद-बीज दिलाना हो, महिलाओं को सिलाई-कढ़ाई के जरिए आत्मनिर्भर बनाना हो या कम ब्याज पर लोन देना हो, यह आपसी सहयोग हर जगह ढाल बनकर खड़ा हो जाता है। यह हमें सिखाता है कि अगर हम अपनी छोटी-छोटी ताकतों को मिला लें, तो एक बहुत बड़ी दीवार खड़ी की जा सकती है जो हर मुसीबत को रोक देगी। तो चलिए, आज के दिन से एक नई शुरूआत करते हैं। अपने आस-पास की ऐसी छोटी समितियों, स्थानीय कारीगरों और मिलकर काम करने वाले ग्रुप्स को सपोर्ट करें। बाजार से सामान खरीदते वक्त बड़े ब्रांड्स के चमकीले विज्ञापनों में फंसने के बजाय अपने ही लोगों की मेहनत को तवज्जो दें। जब हम एक-दूसरे का सहारा बनेंगे, तभी देश का हर कोना तरक्की करेगा। आखिर असली मजा तो सबके साथ आगे बढ़ने में ही है! (लेखक पत्रकार हैं)

स्वामी विवेकानंद : युवा शक्ति के प्रेरणा पुंज

हर्षवर्धन पान्डे

विवेकानन्द जिन्हें उस दौर में नरेन्द्रनाथ नाम से पुकारा जाता था एक ऐसा नाम है जिन्होंने करिश्माई व्यक्तित्व के किरदार को एक दौर में जिया। आज भी लोग गर्व से उनका नाम लेते हैं और युवा दिलों में वह एक आयकन की भांति बसते हैं। इतिहास के पन्नों में विवेकानंद का दर्शन उन्हें एक ऐसे महाज्ञानी व्यक्तित्व के रूप में जगह देता है जिसने अपने ओजस्वी विचारों के द्वारा दुनिया के पटल पर भारत का नाम बुलंदियों के शिखर पर पहुँचाया। उनके द्वारा दिया गया वेदान्त दर्शन भारतीय दर्शन की एक अनमोल धरोहर है। अपने गुरु के नाम पर विवेकानंद ने रामकृष्ण मिशन तथा रामकृष्ण मठ की स्थापना की। विश्व में भारतीय दर्शन विशेषकर वेदांत और योग को प्रसारित करने में विवेकानंद की महत्त्वपूर्ण भूमिका है, साथ ही राष्ट्रवाद को अध्यात्म से जोड़ने में इनकी भूमिका महत्त्वपूर्ण मानी जाती है।

विवेकानंद का जन्म 12 जनवरी 1863 को कलकत्ता में विश्वनाथ और भुवनेश्वरी देवी के घर हुआ था। बचपन में नरेन्द्रनाथ नाम से जाने जाने वले विवेकानंद काफी चंचल प्रवृति के थे। उनकी माता भगवान की अनन्य उपासक थी लिहाजा माँ के सानिध्य में वह भी ईश्वर प्रेमी हो गए। बचपन में विवेकानंद की माँ इन्हें रामायण की कहानी सुनाती थी तो इसको यह बड़ी तन्मयता से सुनते थे। रामायण में हनुमान के चरित्र ने उस दौर में इनके जीवन को खासा प्रभावित किया साथ ही अपनी माँ की तरह वह भी शिवशंकर के अनन्य भक्त हो गए। कई बार वह शिव से सीधा साक्षात्कार करते मालूम पड़ते थे और अपनी माँ से कहा करते कि उनमे शंकर का वास है। यह सब सुनकर इनकी माँ चिंतित हो उठती कि उनका यह बेटा कहीं बाबा सन्यासी ना बन जाए। बचपन से ही नरेन्द्रनाथ पढ़ाई लिखाई में रूचि लेने लगे। पढ़ाई में यह अव्वल दर्जे के छात्र थे इसका अंदाजा इसी से लगाया जा सकता है जो चीज एक बार यह पढ़ लेते उसे कभी भूलते नहीं थे। युवावस्था में उन्हें पाश्चात्य दार्शनिकों के निरीश्वर भौतिकवाद तथा ईश्वर के अस्तित्व में दृढ़ भारतीय विश्वास के कारण गहरे द्वद से गुजरना पड़ा। परमहंस जी जैसे जौहरी ने रत्न को परखा। उन दिव्य महापुरुष के स्पर्श ने नरेन्द्र को बदल दिया। इसी समय उनकी भेंट अपने गुरु रामकृष्ण से हुई, जिन्होंने पहले उन्हें विश्वास दिलाया कि ईश्वर वास्तव में है और मनुष्य ईश्वर को पा सकता है। रामकृष्ण ने सर्वव्यापी परमसत्य के रूप में ईश्वर की सर्वोच्च अनुभूति पाने में नरेंद्र का मार्गदर्शन किया और उन्हें शिक्षा दी कि सेवा कभी दान नहीं, बल्कि सारी मानवता में निहित ईश्वर की सचेतन आराधना होनी चाहिए। यह उपदेश विवेकानंद के जीवन का प्रमुख दर्शन बन गया। उस शक्तिपात के कारण कुछ दिनों तक नरेन्द्र उन्मत्त-से रहे। उन्हें गुरु ने आत्मदर्शन करा दिया था। 25 वर्ष की अवस्था में नरेन्द्रदत्त ने भगवा वस्त्र को धारण किया। अपने गुरु से प्रेरित होकर नरेंद्रनाथ ने सन्यासी जीवन बिताने की दीक्षा ली और स्वामी विवेकानंद के रूप में दुनिया में जाने गए। जीवन के आलोक को जगत के अन्धकार में भटकते प्राणियों के समक्ष उन्हें उपस्थित करना था। स्वामी विवेकानंद ने पैदल ही पूरे भारत की यात्रा की।गुरुजनों के प्रति इनका सम्मान उस दौर में भी देखते ही बनता था। बड़े होने पर भी गुरु से इनका लगाव बना रहा। विवेकानंद का मानना था कि जीवन में सफल होने के लिए अच्छा गुरु मिलना जरुरी है क्युकि गुरु ही अन्धकार से ज्ञान के प्रकाश की तरफ ले जाता है। बचपन से ही गुरु के अलावे आध्यात्मिक चीजों की तरफ इनका झुकाव हो गया और इसी दौरान मुलाकात रामकृष्ण परमहंस से हुई जिन्होंने इन्हें अपना मानस पुत्र घोषित कर दिया। परमहंस की दी हुई हर शिक्षा को विवेकानंद ने अपने जीवन में ना केवल उतारा बल्कि लोगो को भी इसके जरिये कई सन्देश दिए जिसने आगे बदने की राह खोली।

11 सितंबर सन 1893 के उस दिन उनके अलौकिक तत्वज्ञान ने पाश्चात्य जगत को चौंका दिया। अमेरिका ने स्वीकार कर लिया कि वस्तुतः भारत ही जगद्गुरु था और रहेगा। स्वामी विवेकानन्द ने वहाँ भारत और हिन्दू धर्म की भव्यता स्थापित करके जबरदस्त प्रभाव छोड़ा।11 सितम्बर 1893 का दिन इतिहास में अमर है। इस दिन अमेरिका में विश्व धर्म सम्मलेन का आयोजन किया जिसमे दुनिया के कोने कोने से लोगो ने शिरकत की। उस दौर में भारत के प्रतिनिधित्व की जिम्मेदारी इन्ही के कंधो पर थी। गेरुए कपडे पहने विवेकानन्द ने अपनी वाणी से वहां पर मौजूद जनसमुदाय को मंत्र मुग्ध कर दिया। जहाँ सभी अपना भाषण लिखकर लाये थे वहीँ विवेकानंद ने अपना मौखिक भाषण दिया। दिल से जो निकला वही बोला और जनसमुदाय के अंतर्मन को मानो झंकृत ही कर डाला। उनके शालीन अंदाज ने लोगों को उन्हें सुनने को मजबूर कर दिया। धर्म की व्याख्या करते हुए वह बोले जैसे सभी नदियां अंत में समुद्र में जाकर मिलती है वैसे ही दुनिया में अलग अलग धर्म अपनाने वाले मनुष्य को एक न एक दिन ईश्वर की शरण में जाकर ही लौटना पड़ता है। सिस्टर्स ऐंड ब्रदर्स ऑफ अमेरिका के संबोधन के साथ अपने भाषण की शुरूआत करते ही 7000 प्रतिनिधियों ने तालियों के साथ उनका स्वागत किया। 17 सितम्बर 1893 को शिकागो में धर्म सभा में उन्होंने भारत को हिन्दू राष्ट्र के नाम से सम्बोधित किया और स्वयं के हिन्दू होने पर गर्व महसूस किया। उन्होंने सभा को बताया हिन्दू धर्म पर प्रबंध ही हिन्दुत्व की राष्ट्रीय परिभाषा है। उन्होंने सभी हिन्दुओं को सब भेदों से ऊपर उठकर अपनी राष्ट्रीय पहचान पर गर्व करने का ककहरा ना केवल सुनाया बल्कि दुनिया में भारत के नाम के झंडे गाड़ दिए। उन्होंने न्यूयॉर्क में लगभग दो वर्ष व्यतीत किये जहाँ वर्ष 1894 में पहली ह्यवेदांत सोसाइटीह्ल की स्थापना की। विवेकानंद का विचार है कि सभी धर्म एक ही लक्ष्य की ओर ले जाते हैं, जो उनके आध्यात्मिक गुरु श्री रामकृष्ण परमहंस के आध्यात्मिक प्रयोगों पर आधारित है। परमहंस रहस्यवाद के इतिहास में अद्वितीय स्थान रखते हैं, जिनके आध्यात्मिक अभ्यासों में यह विश्वास निहित है कि सगुण और निर्गुण की अवधारणा के साथ ही ईसाईयत और इस्लाम के आध्यात्मिक अभ्यास आदि सभी एक ही बोध या जागृति की ओर ले जाते हैं।शिकागो के अपने प्रवास के दौरान स्वामी विवेकानंद ने तीन चीजों पर जोर दिया। पहला, उन्होंने कहा कि भारतीय परंपरा न केवल सहिष्णुता बल्कि सभी धर्मों को सत्य के रूप में स्वीकार करने में विश्वास रखती है। दूसरा, उन्होंने स्पष्ट और मुखर शब्दों में इस बात पर बल दिया कि बौद्ध धर्म के बिना हिंदू धर्म और हिंदू धर्म के बिना बौद्ध धर्म अपूर्ण है। तीसरा, यदि कोई व्यक्ति केवल अपने धर्म के अनन्य अस्तित्व और दूसरों के धर्म के विनाश का स्वप्न रखता है तो मैं हृदय की गहराइयों से उसे दया भाव से देखता हूँ और उसे इंगित करता हूँ कि विरोध के बावजूद प्रत्येक धर्म के झंडे पर जल्द ही संघर्ष के बदले सहयोग, विनाश के बदले सम्मिलन और मतभेद के बजाय सद्भाव व शांति का संदेश लिखा होगा। जिस समय शिकागो में 1893 में धर्म सम्मेलन हुआ ,उस समय पाश्चात्य जगत भारत को हीन दृष्टि से देखता था। वहां के लोगों ने बहुत प्रयास किया कि विवेकानंद को सर्वधर्म परिषद् में बोलने का समय ही ना मिले, मगर एक अमेरिकी प्रोफेसर के प्रयास से उन्हें थोडा समय मिला। भारतीय दर्शन के बिना विश्व अनाथ हो जायेगा कहकर स्वामी जी ने पुनः भारत को विश्व गुरु पद पर प्रतिष्ठित कर दिया। गुरुदेव रविंदर नाथ टैगोर ने विवेकानन्द के बारे में कहा है यदि आप भारत को जानना चाहते हैं तो विवेकानंद को पढ़िए।

मोदी का 'मिशन 360': सत्ता के सुपर बहुमत की राजनीति या लोकतंत्र का नया अध्याय?

भारतीय राजनीति में इन दिनों 'मिशन 360' शब्द तेजी से चर्चा का विषय बना हुआ है। यद्यपि भारतीय जनता पार्टी ने इस नाम से किसी आधिकारिक अभियान की घोषणा नहीं की है, फिर भी राजनीतिक विश्लेषकों के बीच यह धारणा मजबूत हो रही है कि भाजपा आने वाले वर्षों में संसद के दोनों सदनों में इतना व्यापक संख्याबल प्राप्त करना चाहती है, जिससे केवल सरकार चलाना ही नहीं, बल्कि बड़े संवैधानिक और नीतिगत निर्णयों को भी अपेक्षाकृत सहजता से आगे बढ़ाया जा सके। दूसरी ओर विपक्ष इसे लोकतांत्रिक संतुलन के लिए चुनौती मानते हुए आरोप लगाता है कि सत्ता पक्ष विपक्षी दलों में राजनीतिक सेंध लगाकर अपना विस्तार करना चाहता है। ऐसे में 'मिशन 360' केवल एक राजनीतिक चर्चा नहीं, बल्कि भारतीय लोकतंत्र की दिशा और भविष्य से जुड़ा विमर्श बन चुका है।

भारतीय संविधान किसी भी राजनीतिक दल को व्यापक जनादेश प्राप्त करने से नहीं रोकता। लोकतंत्र का मूल आधार जनता की स्वीकृति है। यदि कोई दल चुनाव जीतकर या वैधानिक गठबंधन के माध्यम से बहुमत प्राप्त करता है तो उसमें कोई असंवैधानिकता नहीं है। किंतु जब बहुमत का विस्तार विपक्षी दलों में टूट, निर्वाचित प्रतिनिधियों के दल परिवर्तन अथवा राजनीतिक पुनर्संरचना के माध्यम से होता दिखाई देता है, तब लोकतांत्रिक नैतिकता पर प्रश्न उठना स्वाभाविक है। यही कारण है कि आज बहुमत और मयार्दा, दोनों समान रूप से चर्चा के विषय हैं।

लोकसभा में सरकार बनाने के लिए साधारण बहुमत पर्याप्त होता है, लेकिन संविधान संशोधन के लिए अनुच्छेद 368 के अंतर्गत अनेक मामलों में विशेष बहुमत तथा कुछ विषयों पर आधे राज्यों की स्वीकृति भी आवश्यक होती है। महिला आरक्षण कानून के पूर्ण क्रियान्वयन, परिसीमन, 'एक देशह्लएक चुनाव', न्यायिक एवं प्रशासनिक सुधार जैसे विषयों को देखते हुए यह समझा जा सकता है कि कोई भी सरकार संसद में अधिक मजबूत स्थिति क्यों चाहेगी। इस दृष्टि से संसदीय संख्याबल केवल राजनीतिक प्रतिष्ठा का प्रश्न नहीं, बल्कि नीति निर्माण की क्षमता से भी जुड़ा है।

भारतीय राजनीति में दल-बदल कोई नई घटना नहीं है। वर्ष 1967 में हरियाणा के विधायक गयालाल के बार-बार दल बदलने के बाद 'आया राम, गया राम' भारतीय राजनीति का स्थायी मुहावरा बन गया। इसी पृष्ठभूमि में 1985 में संविधान की दसवीं अनुसूची के माध्यम से दल-बदल विरोधी कानून लागू किया गया और 2003 के 91वें संविधान संशोधन द्वारा इसे और कठोर बनाया गया। इसके बावजूद राजनीतिक पुनर्संरचना पूरी तरह नहीं रुकी।

पिछले कुछ वर्षों में महाराष्ट्र इसका सबसे बड़ा उदाहरण बनकर सामने आया, जहाँ पहले शिवसेना और बाद में राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी में विभाजन हुआ। इन घटनाओं ने केवल सरकारें नहीं बदलीं, बल्कि विधानसभा अध्यक्ष की भूमिका, निर्वाचन आयोग की शक्तियों और सर्वोच्च न्यायालय की संवैधानिक व्याख्याओं पर भी व्यापक बहस छेड़ दी। मध्य प्रदेश, कर्नाटक और अन्य राज्यों में भी सत्ता परिवर्तन ने यह स्पष्ट किया कि आज राजनीतिक संघर्ष केवल चुनाव जीतने तक सीमित नहीं रह गया है; चुनाव के बाद की रणनीति भी सत्ता के समीकरण तय कर रही है।

पश्चिम बंगाल में भी विधानसभा चुनावों के पहले और बाद कई नेताओं के दल बदलने की घटनाएँ सामने आईं। कुछ नेता तृणमूल कांग्रेस छोड़कर भाजपा में गए, जबकि कुछ बाद में वापस लौट आए। इससे यह प्रश्न और गहरा हुआ कि क्या भारतीय राजनीति में वैचारिक प्रतिबद्धता कमजोर पड़ रही है और चुनावी गणित अधिक प्रभावी होता जा रहा है। दिल्ली और पंजाब में भी समय-समय पर विभिन्न राजनीतिक अटकलें सामने आती रही हैं, हालांकि अधिकांश मामलों में उनकी आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई। फिर भी इससे यह संकेत अवश्य मिलता है कि राष्ट्रीय राजनीति में प्रत्येक सांसद और प्रत्येक क्षेत्रीय दल भविष्य के सत्ता समीकरण का संभावित हिस्सा माना जा रहा है।

भाजपा का पक्ष यह रहा है कि यदि विपक्ष के नेता स्वेच्छा से उसके साथ जुड़ते हैं तो यह लोकतांत्रिक प्रक्रिया का हिस्सा है और अंतिम निर्णय जनता चुनाव में देती है। दूसरी ओर विपक्ष आरोप लगाता है कि केंद्रीय एजेंसियों, राजनीतिक दबाव और सत्ता के प्रभाव का उपयोग विपक्ष को कमजोर करने के लिए किया जा रहा है। इन आरोपों और प्रत्यारोपों के बीच सबसे महत्वपूर्ण प्रश्न यही है कि क्या दल परिवर्तन जनादेश का सम्मान है या उसका पुनर्लेखन?

संविधान विशेषज्ञों का एक वर्ग मानता है कि भारतीय संविधान किसी सांसद या विधायक को जीवनभर किसी दल से बंधे रहने के लिए बाध्य नहीं करता। वहीं दूसरी ओर दसवीं अनुसूची का उद्देश्य व्यक्तिगत राजनीतिक लाभ के लिए निर्वाचित जनादेश को बदलने से रोकना है। यदि कानून की भावना और राजनीतिक व्यवहार के बीच लगातार दूरी बढ़ती है, तो भविष्य में दल-बदल विरोधी कानून की समीक्षा की आवश्यकता से इनकार नहीं किया जा सकता। कुछ विशेषज्ञ यह सुझाव देते हैं कि यदि कोई जनप्रतिनिधि दल बदलता है तो उसे पुनः जनता के बीच जाकर नया जनादेश प्राप्त करना चाहिए, जबकि अन्य विशेषज्ञ अत्यधिक कठोर कानून को प्रतिनिधियों की वैचारिक स्वतंत्रता के विरुद्ध मानते हैं।

यदि 'मिशन 360' जैसी कोई रणनीति वास्तव में अस्तित्व में है, तो उसका आधार केवल विपक्ष को कमजोर करना नहीं, बल्कि पूरे देश में संगठनात्मक विस्तार भी हो सकता है। पिछले एक दशक में भाजपा ने पूर्वोत्तर राज्यों, दक्षिण भारत और नए सामाजिक वर्गों में अपनी उपस्थिति बढ़ाने का निरंतर प्रयास किया है। अनेक क्षेत्रीय दलों के साथ व्यावहारिक गठबंधन और संगठन विस्तार भी इसी दीर्घकालिक रणनीति का हिस्सा माना जाता है।

दूसरी ओर विपक्ष की सबसे बड़ी चुनौती भाजपा नहीं, बल्कि उसकी अपनी एकजुटता है। राष्ट्रीय स्तर पर सहयोगी दल कई राज्यों में एक-दूसरे के प्रतिद्वंद्वी हैं। नेतृत्व, विचारधारा, क्षेत्रीय महत्वाकांक्षाओं और चुनावी हितों के कारण साझा रणनीति बनाना कठिन होता रहा है। ऐसे में यदि कोई जनप्रतिनिधि दल बदलता है तो उसके पीछे केवल सत्ता पक्ष की रणनीति ही नहीं, बल्कि उसके मूल दल की संगठनात्मक कमजोरियाँ, नेतृत्व संकट और भविष्य को लेकर असंतोष भी कारण हो सकते हैं। इसलिए हर राजनीतिक परिवर्तन को केवल किसी 'ऑपरेशन' का परिणाम मान लेना भी वस्तुनिष्ठ विश्लेषण नहीं होगा।

यदि भविष्य में भाजपा संसद में और अधिक मजबूत स्थिति प्राप्त करती है, तो उसके सामने अवसरों के साथ संवैधानिक जिम्मेदारियाँ भी बढ़ेंगी। 'एक देशह्लएक चुनाव', परिसीमन, महिला आरक्षण कानून का प्रभावी क्रियान्वयन, न्यायिक एवं प्रशासनिक सुधार जैसे विषय केवल संख्याबल से नहीं, बल्कि व्यापक राजनीतिक सहमति और लोकतांत्रिक संवाद से ही सफल हो सकते हैं। लोकतंत्र में बहुमत महत्वपूर्ण है, लेकिन संवाद और सहमति उसकी स्थायी शक्ति हैं।

उधर विपक्ष के लिए भी यह समय आत्ममंथन का है। यदि वह हर राजनीतिक परिवर्तन का दोष केवल सत्ता पक्ष पर मढ़ने के बजाय अपनी संगठनात्मक कमजोरियों को दूर करने का प्रयास करता है, तो भारतीय लोकतंत्र और अधिक स्वस्थ प्रतिस्पर्धी बन सकता है। लोकतंत्र की वास्तविक शक्ति सत्ता परिवर्तन की संभावना और मजबूत विपक्ष की उपस्थिति में निहित होती है।

यह भी ध्यान रखना होगा कि आज का भारतीय मतदाता पहले की तुलना में कहीं अधिक जागरूक और निर्णायक है। वह केवल राजनीतिक नारों से प्रभावित नहीं होता, बल्कि विकास, सुशासन, नेतृत्व, सामाजिक न्याय, राष्ट्रीय सुरक्षा, स्थानीय मुद्दों और प्रशासनिक प्रदर्शन को भी समान महत्व देता है। इसलिए संसद में स्थायी बहुमत का वास्तविक आधार अंततः जनता का सतत विश्वास ही होता है, न कि केवल राजनीतिक जोड़-तोड़।

आने वाले वर्षों में भारतीय राजनीति की दिशा इस बात पर निर्भर करेगी कि क्या भाजपा अपने संगठनात्मक विस्तार को व्यापक जनसमर्थन में बदल पाती है, क्या विपक्ष स्वयं को विश्वसनीय विकल्प के रूप में पुनर्गठित कर पाता है और क्या लोकतांत्रिक संस्थाएँ राजनीतिक प्रतिस्पर्धा के बीच अपनी निष्पक्षता एवं विश्वसनीयता बनाए रखती हैं।

'मिशन 360' आज भले ही राजनीतिक चचाओं का विषय हो, लेकिन उसकी वास्तविक परीक्षा संसद के भीतर नहीं, बल्कि जनता की अदालत में होगी। यदि किसी दल को व्यापक जनादेश चुनावों के माध्यम से प्राप्त होता है तो वह लोकतंत्र की स्वाभाविक सफलता होगी। किंतु यदि बहुमत का विस्तार मुख्यतः विपक्षी दलों में लगातार टूट के माध्यम से होता है, तो लोकतांत्रिक नैतिकता पर प्रश्न उठते रहेंगे। उसी प्रकार यदि विपक्ष अपनी कमजोरियों का आत्मविश्लेषण किए बिना प्रत्येक राजनीतिक परिवर्तन को केवल सत्ता पक्ष की रणनीति बताता रहेगा, तो वह भी अपनी लोकतांत्रिक जिम्मेदारी से बच नहीं सकेगा।

भारतीय लोकतंत्र की सबसे बड़ी शक्ति उसका संविधान, उसकी संस्थाएँ और जागरूक मतदाता हैं। संसद में दो-तिहाई बहुमत किसी भी सरकार को अधिक क्षमता अवश्य प्रदान कर सकता है, किंतु वह संविधान की मूल भावना से ऊपर नहीं हो सकता। संविधान की आत्मा केवल संख्याबल में नहीं, बल्कि उत्तरदायित्व, पारदर्शिता, संस्थागत संतुलन, असहमति के सम्मान और जनादेश की पवित्रता में निहित है।

इसलिए आज सबसे बड़ा प्रश्न यह नहीं है कि 'मिशन 360' सफल होगा या नहीं, बल्कि यह है कि भारत की राजनीति आगे किस दिशा में विकसित होगी—क्या वह केवल संख्याओं का लोकतंत्र बनेगी या संवैधानिक मूल्यों, स्वस्थ राजनीतिक प्रतिस्पर्धा और जनविश्वास पर आधारित एक अधिक परिपक्व लोकतंत्र के रूप में आगे बढ़ेगी। आने वाले वर्षों का राजनीतिक इतिहास इसी प्रश्न का उत्तर तय करेगा।

चिंतन-मनन

सफलता चाहिए तो पहले ये सीखें

किसी भी काम में लगन का अपना महत्व होता है, सफलता आपकी एकाग्रता पर ही निर्भर करती है। आप संसार को पाने की दौड़ में हो या परमात्मा को, जब तक हम ध्यान लगाकर काम नहीं करेंगे कभी ठीक परिणाम नहीं मिलेगा। इसके लिए जरूरी है कि आप पहले अपने मन को एकाग्र करें, फिर सफलता खुद आपको मिल जाएगी।

एक बार की बात है। राजा एक बार युद्ध पर गया। शाम के समय युद्ध के बाद राजा अपने युद्ध के बाद शिविर से थोड़ी दूर जाकर एक वीरान स्थान पर ध्यान लगाकर बैठ गया ताकि उसे थोड़ी शांति मिल सके। अभी राजा नदी के किनारे पर बस ध्यान की मुद्रा में बैठा ही था। वहां से एक युवती दौड़ती हुई निकली, जिसका ध्यान उस ओर तक ना गया कि राजा बैठा है। ना जाने कहां जाने की जल्दी थी। वह राजा से टकराती हुई निकल गई। राजा का ध्यान भंग हो गया उसे बहुत गुस्सा आया। उसने तुरंत शिविर मैं लौटकर आदेश दिया। उस औरत को ढूंढ कर लाया जाए जिसने ये गुस्ताखी की है। उस युवती को इतना भी नहीं दिखा कि देश का राजा ध्यान में बैठा है और वह उसे कुचलती हुई चली जा रही है।

सिपाही गए और थोड़ी ही देर में उस युवती को पकड़कर ले आए। राजा ने उस युवती से कहा- बदतमीज लड़की इतना भी नहीं जानती कि ध्यान में बैठे हुए व्यक्ति को इस तरह धक्का लगाकर उसका ध्यान भंग करना कितना बड़ा पाप है। उस युवती ने राजा को पहले ऊपर से नीचे तक देखा और कहा - आपको धक्का लगा जरूर होगा लेकिन मुझे याद नहीं। मैं अपने प्रेमी से मिलने जा रही थी। मुझे कुछ नहीं पता कि आप कहां ध्यान लगा रहे थे लेकिन मुझे आश्चर्य होता है कि मैं तो अपने प्रेमी से मिलने जा रही थी।

मेरा ध्यान सिर्फ अपने प्रेमी से मिलने पर केंद्रित था। मुझे पता ही नहीं चला कि आप परमात्मा के ध्यान में बैठे हैं। आपको मेरा पता चल गया? राजा को उसकी बात समझ आ गई और उसने उसे छोड़ दिया। क्योंकि यह साबित हो गया थी कि राजा के मन में वह समर्पण का भाव नहीं था जो उस प्रेमिका में था। उसके प्रेम में वह तीव्रता और वलंतता थी जिसने राजा को सोचने पर मजबूर कर दिया।

आवश्यकता है

आवश्यकता है दैनिक सब का सपना समाचार पत्र को उत्तर प्रदेश के समस्त जिलों में ब्लॉक स्तर, तहसील स्तर व जिला स्तर पर संवाददाताओं की इच्छुक अभ्यर्थी संपर्क करें या व्हाट्सएप करें।

9456884327/8218179552

राजकीय हाईस्कूल में वन महोत्सव के अंतर्गत पौधरोपण कार्यक्रम का आयोजन

अमरोहा (सब का सपना):- जनपद के हसनपुर रेंज के ग्राम खुंगावली स्थित राजकीय हाईस्कूल में वन महोत्सव के अंतर्गत पौधरोपण कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में ग्राम प्रधान, स्कूल के शिक्षकों तथा छात्र-छात्राओं ने बढ़-चढ़कर भाग लिया। राजकीय हाईस्कूल के प्रांगण में पौधरोपण कर पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया गया। इस अवसर पर ग्राम प्रधान ने कहा कि वन महोत्सव केवल पौधे लगाने तक सीमित नहीं है, बल्कि लगाए गए पौधों की निरंतर देखभाल करना भी हमारा दायित्व है। उन्होंने छात्र-छात्राओं को प्रकृति संरक्षण के प्रति जागरूक रहने और पौधों को अपनाने की अपील की। शिक्षकों ने छात्रों को वृक्षों के महत्व, पर्यावरण संतुलन, जलवायु परिवर्तन और ऑक्सीजन के महत्व पर विस्तार से जानकारी दी। छात्र-छात्राओं ने भी उत्साहपूर्वक पौधे लगाए और उन्हें पानी देने की जिम्मेदारी अपने ऊपर ली। टीम हसनपुर रेंज के मार्गदर्शन में आयोजित इस कार्यक्रम में आम, नीम, शीशम, गुलमोहर समेत विभिन्न प्रजातियों के पौधे लगाए गए। स्कूल परिसर को हरा-भरा बनाने का लक्ष्य रखा गया है।

इस मुहिम से न केवल स्कूल परिसर बल्कि पूरे गांव में पर्यावरण जागरूकता फैलाने में मदद मिलेगी। ग्रामीणों और बच्चों में पर्यावरण संरक्षण की भावना को बढ़ावा मिला है। वन महोत्सव के इस कार्यक्रम को स्थानीय स्तर पर सराहा जा रहा है।

नगर पालिका अध्यक्ष शशि जैन ने तहसील परिसर में किया वृक्षारोपण

अमरोहा (सब का सपना):- जनपद में नवनिर्मित तहसील अमरोहा (गुलरिया रोड) परिसर में नगर पालिका अध्यक्ष शशि जैन ने वन महोत्सव के अंतर्गत वृक्षारोपण कार्यक्रम का आयोजन किया। नगर पालिका अध्यक्ष शशि जैन ने वन विभाग के अधिकारियों एवं कर्मचारियों के साथ मिलकर तहसील परिसर में विभिन्न प्रजातियों के पौधे लगाए। इस दौरान उन्होंने परिसर को हरा-भरा बनाने का संकल्प लिया। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए शशि जैन ने कहा कि वृक्ष हमारी जीवन रेखा हैं। वे न केवल पर्यावरण को संतुलित रखते हैं बल्कि आने वाली पीढ़ियों के लिए स्वच्छ वातावरण भी प्रदान करते हैं। नवनिर्मित तहसील परिसर को हरित क्षेत्र बनाने की दिशा में यह पहल बेहद सराहनीय है। उन्होंने वन विभाग के अधिकारियों को पौधों की देखभाल सुनिश्चित करने के निर्देश भी दिए।वन विभाग के अधिकारियों ने बताया कि आम, नीम, शीशम, पाकड़, बरगद आदि उपयोगी प्रजातियों के पौधे लगाए गए हैं, जो तेजी से बढ़ने वाले और पर्यावरण के अनुकूल हैं।

इस अवसर पर नगर पालिका के अधिकारी, कर्मचारी, वन विभाग के स्टाफ तथा स्थानीय लोग भी उपस्थित रहे। कार्यक्रम के माध्यम से अमरोहा में वन महोत्सव को नई गति मिली है। नगर पालिका अध्यक्ष शशि जैन की इस पहल से जनपदवासियों में पर्यावरण संरक्षण की जागरूकता बढ़ने की उम्मीद है।

लघु सिंचाई विभाग की महत्वाकांक्षी योजनाएं, किसानों को मिलेगा सिंचाई का बेहतर साधन

अमरोहा (सब का सपना):- जनपद में लघु सिंचाई विभाग द्वारा शासन की महत्वपूर्ण मध्य गहरे बोरिंग योजना एवं गहरे बोरिंग योजना के अंतर्गत कार्य तेजी से चल रहा है। इन योजनाओं का क्रियान्वयन अमरोहा, हसनपुर और गंगेश्वरी तीनों ब्लॉकों में किया जा रहा है। सहायक अभियंता विपिन कुमार त्यागी ने बताया कि मध्य गहरे बोरिंग के लिए किसानों को 80 हजार रुपये तथा गहरे बोरिंग के लिए 1 लाख रुपये की किसान के अंश की राशि बैंक ड्राफ्ट के माध्यम से जमा करानी होती है। बोरिंग पूर्ण होने के बाद किसान को शासन द्वारा अनुदान राशि प्रदान की जाती है। इसके अतिरिक्त विद्युत कनेक्शन पर 68,000 रुपये की सब्सिडी भी दी जा रही है। इन दोनों योजनाओं के तहत जनपद में निर्धारित लक्ष्य पूर्ण कर लिया गया है। इससे किसानों को कृषि योग्य भूमि की सिंचाई सुविधा उपलब्ध हो सकेगी और फसल उत्पादन में वृद्धि होगी। सहायक अभियंता ने किसानों से अपील की है कि जो किसान इन योजनाओं का लाभ लेना चाहते हैं, वे अपने विकास खण्ड जाकर लघु सिंचाई विभाग के अवर अभियंता से संपर्क कर जानकारी ले सकते है। योजनाओं का लाभ उठाकर वे आधुनिक सिंचाई सुविधाओं का उपयोग कर अपनी आय बढ़ा सकते हैं। लघु सिंचाई विभाग द्वारा किसानों की सिंचाई समस्याओं को दूर करने के लिए लगातार प्रयास किए जा रहे हैं। इन योजनाओं से विशेष रूप से छोटे और सीमांत किसानों को लाभ पहुंचने की उम्मीद है।

इसके अतिरिक्त लघु सिंचाई विभाग द्वारा एक हेक्टेयर से अधिक क्षेत्रफल के तालाबों का जीर्णोद्धार कार्य एवं नदी नालों पर चेक डेम का का निर्माण भी कराया जाता है।

हसनपुर में स्कूल चलो अभियान' रैली, बच्चों ने दिया शिक्षा का संदेश

आधी रोटी खाएंगे, स्कूल जरूर जाएंगे' के नारों से गूंजा नगर

हसनपुर/अमरोहा (सब का सपना):- बेसिक शिक्षा विभाग की ओर से बुधवार को 'स्कूल चलो अभियान' के तहत भव्य जागरूकता रैली निकाली गई। मुख्य अतिथि क्षेत्र पंचायत सदस्य एवं विधायक पुत्र देवेंद्र सिंह खड़गवंशी ने हरी झंडी दिखाकर रैली को रवाना किया। रैली हसनपुर ब्लॉक से शुरू होकर नगर भ्रमण करते हुए नगरपालिका पहुंची। विभिन्न स्कूलों के बच्चों और शिक्षकों ने पूरे उत्साह से हिस्सा लिया।

बच्चों ने हाथों में तख्तियां लेकर "आधी रोटी खाएंगे, स्कूल जरूर जाएंगे" के नारे लगाए और नगरवासियों को शिक्षा के प्रति जागरूक किया। अधिकारियों ने अभिभावकों से अपील की कि 6 से 14 साल के हर बच्चे का स्कूल में दाखिला कराएं। शिक्षा ही उज्ज्वल भविष्य की कुंजी है। रैली का उद्देश्य ड्रॉपआउट रोकना और शत-प्रतिशत नामांकन सुनिश्चित करना है।

ग्रामीण क्षेत्र में गरीबों के लिए वरदान बनी जी राम जी योजना

अमरोहा (सब का सपना) रोहित कुमार:- जनपद अमरोहा की ग्राम पंचायतों में निवास करने वाले गरीब एवं जरूरतमंद लोगों के लिए शासन द्वारा चलाई गई जी राम जी योजना एक वरदान साबित होने वाली है। इस योजना के माध्यम से ग्रामीणों को स्थानीय स्तर पर ही रोजगार मिलेगा, जिससे उनकी आर्थिक स्थिति मजबूत होगी। मुख्य विकास अधिकारी अश्वनी कुमार मिश्रा ने बताया कि जी राम जी योजना के अंतर्गत प्रत्येक परिवार को प्रतिवर्ष 125 दिन का रोजगार उपलब्ध कराया जाएगा। और मजदूरी के रूप में 300 रुपये प्रतिदिन दिए जाएंगे। योजना की सबसे बड़ी खासियत यह है कि काम पूरा होने के बाद सप्ताह में भुगतान सुनिश्चित किया जाएगा, जिससे लाभार्थियों को आर्थिक परेशानी का सामना नहीं करना पड़ेगा। सीडीओ ने बताया कि यह योजना विशेष रूप से ग्रामीण क्षेत्र के उन गरीब परिवारों को ध्यान में रखकर शुरू की गई है, जो पारंपरिक रोजगार के अभाव में संघर्ष कर रहे हैं। योजना के तहत विभिन्न विकास कार्यों जैसे सड़क निर्माण, नाली निर्माण, जल संरक्षण, वृक्षारोपण आदि में लोगों को काम दिया जाएगा। इस योजना से न केवल बेरोजगारी की समस्या कम होगी बल्कि ग्रामीण अर्थव्यवस्था को भी बल मिलेगा। जनपद प्रशासन योजना को प्रभावी ढंग से लागू करने के लिए प्रयासरत है। इच्छुक ग्रामीण परिवार अपने निकटतम ग्राम पंचायत या ब्लॉक कार्यालय से संपर्क कर योजना का लाभ ले सकते हैं।

पुलिस अधीक्षक लखन सिंह यादव के कुशल निर्देशन एवं सतत मॉनिटरिंग के परिणाम से डायल-112 पीआरवी को प्रदेश में मिली सातवीं रैंक

अमरोहा (सब का सपना):- जनपद पुलिस द्वारा पुलिस अधीक्षक लखन सिंह यादव के कुशल नेतृत्व, प्रभावी पर्यवेक्षण एवं डायल-112 पीआरवी की कार्यप्रणाली की निरंतर मॉनिटरिंग के फलस्वरूप एक और उल्लेखनीय उपलब्धि हासिल की गई है। आमजन को त्वरित, प्रभावी एवं गुणवत्तापूर्ण पुलिस सहायता उपलब्ध कराने की दिशा में किए जा रहे सतत प्रयासों के परिणामस्वरूप जनपद अमरोहा की पीआरवी (ढङ्क्ष्ी फीश्स्त्रङ्कल्लरी श्ङ्क्ष्ी) ने माह जून-2026 की प्रदेश स्तरीय रैंकिंग में सातवाँ स्थान प्राप्त किया है। शासन की मंशा के अनुरूप जनपद अमरोहा में संचालित डायल-112 पीआरवी वाहनों द्वारा प्रत्येक सूचना पर तत्काल एवं संवेदनशीलता के साथ कार्रवाई सुनिश्चित की जा रही है। माह जून के दौरान जनपद में कुल 7,164 इवेंट्‌ प्राप्त हुए, जिन पर पीआरवी कर्मचारियों द्वारा त्वरित रिस्पांस देते हुए प्रभावी पुलिस सहायता उपलब्ध कराई गई। इन इवेंट्स पर सहायता प्राप्त करने वाले कॉलर्स द्वारा 96.48 प्रतिशत संतुष्टि (त्र्रीह्यि रं३२ह्यूं३ङ्कल्ल) दर्ज की गई, जो अमरोहा पुलिस के प्रति जनता के बढ़ते विश्वास, पारदर्शी कार्यप्रणाली एवं पुलिस कर्मियों की समर्पित कार्यशैली का परिचायक है।पुलिस अधीक्षक अमरोहा लखन सिंह यादव द्वारा डायल-112 की कार्यप्रणाली, रिस्पांस टाइम एवं प्रत्येक इवेंट की नियमित समीक्षा एवं प्रभावी मॉनिटरिंग की जा रही है। उनके निर्देशन में यह सुनिश्चित किया गया कि प्रत्येक पीआरवी निर्धारित समय सीमा के भीतर घटनास्थल पर पहुंचे तथा पीड़ितों को तत्काल पुलिस सहायता उपलब्ध कराई जाए। इसी का परिणाम रहा कि माह जून में प्राप्त समस्त इवेंट्स में 98.86 प्रतिशत मामलों में पीआरवी निर्धारित 10 मिनट से कम समय में घटनास्थल पर पहुंचकर सहायता प्रदान करने में सफल रही। यह उपलब्धि जनपद के समस्त पीआरवी अधिकारियों एवं कर्मचारियों की कर्तव्यनिष्ठा, अनुशासन, त्वरित निर्णय क्षमता, टीमवर्क एवं जनसेवा के प्रति समर्पण का प्रतिफल है। प्रदेश स्तर पर सातवीं रैंक प्राप्त करना इस बात का प्रमाण है कि अमरोहा पुलिस आमजन को बेहतर, संवेदनशील एवं समयबद्ध पुलिस सेवा उपलब्ध कराने के लिए पूरी प्रतिबद्धता के साथ कार्य कर रही है।जनपद अमरोहा पुलिस भविष्य में भी पुलिस अधीक्षक लखन सिंह यादव के नेतृत्व में आधुनिक तकनीक, प्रभावी मॉनिटरिंग एवं जनसहभागिता के माध्यम से आमजन को और अधिक त्वरित, पारदर्शी एवं भरोसेमंद पुलिस सेवा उपलब्ध कराने के लिए निरंतर प्रयासरत रहेगी।

जनपद के सभी परीक्षा केन्द्रों पर कड़ी सुरक्षा व्यवस्था एवं सीसीटीवी निगरानी में आयोजित हुई परीक्षा

अमरोहा (सब का सपना):- जिला मजिस्ट्रेट डॉ. नितिन गौड़ एवं पुलिस अधीक्षक लखन सिंह यादव ने उत्तर प्रदेश शिक्षा सेवा चयन आयोग, प्रयागराज द्वारा आयोजित उत्तर प्रदेश शिक्षक पात्रता परीक्षा (यूपीटीईटी) को पूर्णतः शुचितापूर्ण, निष्पक्ष, पारदर्शी एवं नकलविहीन ढंग से सम्पन्न कराने के उद्देश्य से जनपद के विभिन्न परीक्षा केन्द्रों का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान दोनों अधिकारियों ने विभिन्न परीक्षा केन्द्रों का भ्रमण कर सुरक्षा व्यवस्था, अभ्यर्थियों की प्रवेश प्रक्रिया, सीसीटीवी निगरानी, प्रश्नपत्रों की सुरक्षा, कक्ष निरीक्षकों की तैनाती तथा परीक्षा संबंधी अन्य व्यवस्थाओं का गहन निरीक्षण किया। उन्होंने परीक्षा केन्द्रों पर उपलब्ध पेयजल, विद्युत आपूर्ति, प्रकाश व्यवस्था, स्वच्छ शौचालय, क्लॉक रूम तथा अन्य मूलभूत सुविधाओं का भी जायजा लिया और संबंधित अधिकारियों को सभी व्यवस्थाएं सुचारु बनाए रखने के निर्देश दिए। जिला मजिस्ट्रेट डॉ. नितिन गौड़ ने परीक्षा केन्द्रों के सीसीटीवी कंट्रोल रूम का निरीक्षण कर वहां तैनात कर्मचारियों को आयोग द्वारा जारी दिशा-निर्देशों का शत-प्रतिशत पालन सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि परीक्षा की शुचिता एवं पारदर्शिता बनाए रखना प्रशासन की सर्वोच्च प्राथमिकता है। किसी भी प्रकार की लापरवाही, नकल अथवा अनियमितता पाए जाने पर संबंधित के विरुद्ध तत्काल कठोर कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने बताया कि परीक्षा के सफल संचालन के लिए प्रत्येक परीक्षा केन्द्र पर पर्याप्त पुलिस बल, सेक्टर मजिस्ट्रेट, स्टैटिक मजिस्ट्रेट एवं अन्य प्रशासनिक अधिकारियों की तैनाती की गई है। सभी परीक्षा केन्द्र सीसीटीवी कैमरों की निगरानी में संचालित किए जा रहे हैं तथा प्रत्येक गतिविधि पर लगातार नजर रखी जा रही है। अभ्यर्थियों की सुरक्षा एवं सुविधा को ध्यान में रखते हुए सभी आवश्यक व्यवस्थाएं सुनिश्चित की गई हैं। पुलिस अधीक्षक लखन सिंह यादव ने बताया कि परीक्षा केन्द्रों पर सुरक्षा के व्यापक इंतजाम किए गए हैं। प्रवेश द्वार पर अभ्यर्थियों की गहन जांच कराई जा रही है तथा किसी भी प्रतिबंधित इलेक्ट्रॉनिक उपकरण को परीक्षा केन्द्र के भीतर ले जाने की अनुमति नहीं दी जा रही है। उन्होंने कहा कि परीक्षा के दौरान कानून-व्यवस्था बनाए रखने के लिए पर्याप्त पुलिस बल तैनात है तथा सभी अधिकारी लगातार भ्रमण कर व्यवस्थाओं की निगरानी कर रहे हैं।इस प्रकार जनपद में द्वितीय दिवस की दोनों पालियों की परीक्षा पूर्णतः शांतिपूर्ण, निष्पक्ष एवं सकुशल सम्पन्न हुई। उन्होंने सभी अधिकारियों एवं कर्मचारियों को शेष एक पाली की परीक्षा भी इसी सतर्कता, पारदर्शिता एवं जिम्मेदारी के साथ सम्पन्न कराने के निर्देश दिए।निरीक्षण के दौरान सेक्टर मजिस्ट्रेट, स्टैटिक मजिस्ट्रेट, केन्द्र व्यवस्थापक, कक्ष निरीक्षक तथा संबंधित विभागों के अधिकारी उपस्थित रहे।

अंतरराष्ट्रीय प्लास्टिक बैग मुक्ति दिवस पर गजरौला नगर पालिका की बड़ी पहल, सिंगल यूज प्लास्टिक के खिलाफ निकाली गई विशाल जन- जागरूकता रैली

गजरौला/अमरोहा (सब का सपना):- जनपद के गजरौला नगर में अंतर्राष्ट्रीय प्लास्टिक बैग मुक्ति दिवस के अवसर पर शुक्रवार को नगर पालिका परिषद गजरौला द्वारा पर्यावरण संरक्षण और आम जनमानस के स्वास्थ्य की रक्षा हेतु एक विशाल जन जागरूकता रैली का आयोजन किया गया। इस रैली का मुख्य उद्देश्य नगर को सिंगल यूज प्लास्टिक (एसयूवी) से मुक्त बनाना और इसके हानिकारक दुष्प्रभावों के प्रति नागरिकों को सचेत करना रहा। बता दें कि पूर्व विधायक एवं नगर स्वच्छता प्रेरक हरपाल सिंह द्वारा हरी झंडी दिखाकर रैली का शुभारंभ किया गया। इस अवसर पर नगर वासियों को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि सिंगल यूज प्लास्टिक का उपयोग हमारे स्वास्थ्य और पर्यावरण दोनों के लिए एक धीमा जहर है। यदि हमें आने वाली पीढ़ियों को एक स्वच्छ और सुरक्षित भविष्य देना है तो आज से प्लास्टिक का पूर्ण बहिष्कार करना होगा ,उन्होंने गजरौला वीडियो से झूले और पर्यावरण अनुकूल विकल्पों को अपनाने की पुरजोर अपील की है। वहीं इस दौरान एसएफआई नेपाल सिंह चौधरी ने जनता से जागरूक अपील करते हुए कहा कि सिंगल यूज प्लास्टिक का उपयोग प्रकृति के चक्र को पूरी तरह से नष्ट कर रहा है इसके घातक प्रभाव न केवल जमीन को बंजर बना रहे हैं बल्कि जीव जंतुओं के जीवन पर भी भारी संकट खड़े कर रहे हैं। उन्होंने हर नागरिक से इस अभियान में बढ़-चढ़कर जिम्मेदारी निभाने का आग्रह किया। इस वृहद अभियान को सफल बनाने के लिए पूर्व विधायक एवं नगर स्वच्छता प्रेरक हरपाल सिंह, एसएफआई नेपाल सिंह, चौधरी अक्षय शुक्ला, रविंद्र सिंह, विभोर जिंदल, दीपू कुमार, नीतू ,राखी ,यशपाल सिंह, (आईटीसी डिस्ट्रिक्ट कोऑर्डिनेटर) साथ ही नगर पालिका के सफाई नायक जयचंद, महेश, मुनेश सहित भारी संख्या में पालिका के कर्मचारियों ने "प्लास्टिक हटाओ पर्यावरण बचाओ" के गगन भेदी नारों के साथ लोगों को जागरूक किया।

धनौरा में निकाली गई स्कूल चलो अभियान रैली, पालिका अध्यक्ष ने दिखाई हरी झंडी

धनौरा/अमरोहा (सब का सपना):- जनपद के मंडी धनौरा में स्कूल चलो अभियान के तहत नगर में एक रैली का आयोजन कराया गया। इस रैली का मुख्य उद्देश्य बाल विकास, शत प्रतिशत नामांकन एवं शिक्षा के प्रति बच्चों को जागरूक करना रहा।रैली को डॉ भीमराव अंबेडकर पार्क से शुरू किया गया। जिसको नगर के विभिन्न मोहल्लों और मुख्य मार्ग से होकर निकाला गया। बता दें कि शुक्रवार को आयोजित स्कूल चलो अभियान रैली को धनौरा नगर पालिका अध्यक्ष प्रवीण कुमार अग्रवाल व खंड शिक्षा अधिकारी प्रकाश चंद ने हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। यह रैली नगर के विभिन्न मोहल्लों और मुख्य मार्गों से गुजरी। इसमें बच्चों और शिक्षकों ने स्थानीय निवासियों को शिक्षा के प्रति जागरूक किया। रैली में शामिल बच्चों और नागरिकों ने "आधी रोटी खाएंगे, स्कूल जरूर जाएंगे" और "घर-घर विद्या दीप जलाओ, अपने बच्चे जरूर पढ़ाओ" जैसे नारे लगाए।रैली का मुख्य उद्देश्य हर बच्चे को विद्यालय से जोड़ना और बीच में पढ़ाई छोड़ चुके बच्चों को दोबारा स्कूल लाना था।रैली का समापन प्राथमिक विद्यालय सुभाष नगर पर हुआ, जहाँ एक संक्षिप्त गोष्ठी आयोजित की गई। इस दौरान वक्ताओं ने सरकारी स्कूलों में मिलने वाली मुफ्त शिक्षा, यूनिफॉर्म, किताबें और मिड-डे मील जैसी सुविधाओं की जानकारी दी।इस अवसर पर नगर पालिका अध्यक्ष प्रवीण अग्रवाल, खंड शिक्षा अधिकारी प्रकाश चंद, एआरपी सत्य प्रकाश गौतम और सुनील कुमार, महिला शिक्षक संघ की जिला अध्यक्ष नीतू, सभासद गुरचरण सिंह, राजेन्द्र सिंह, जितेश जाटव सहित कई शिक्षक और गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे।समापन के अवसर पर खंड शिक्षा अधिकारी प्रकाश चंद ने कहा कि शिक्षा ही समाज की उन्नति का एकमात्र रास्ता है। पालिका अध्यक्ष प्रवीण अग्रवाल ने नगर वासियों से अपील की कि वे अपने 6 से 14 वर्ष तक के सभी बच्चों का नामांकन नजदीकी परिषदीय विद्यालयों में अवश्य कराएं, ताकि कोई भी बच्चा शिक्षा के अधिकार से वंचित न रहे।

पुलिस अधीक्षक अमरोहा के निर्देशन में ओवरलोड वाहन के विरुद्ध बड़ी कार्रवाई

81 टन बालू से लदा हाइड्रा वाहन सीज, कुल 1,37,500 का जुमार्ना आरोपित

अमरोहा (सब का सपना):- जनपद में सड़क सुरक्षा एवं यातायात व्यवस्था को सुदृढ़ बनाए रखने हेतु पुलिस अधीक्षक अमरोहा के निर्देशन में ओवरलोड एवं यातायात नियमों का उल्लंघन करने वाले वाहनों के विरुद्ध प्रभावी अभियान निरंतर चलाया जा रहा है।इसी क्रम में शुक्रवार को यातायात प्रभारी अमरोहा द्वारा रात्रि सेक्टर चेकिंग के दौरान थाना नौगांव सादात क्षेत्र के नौगांव-अमरोहा मार्ग पर एक हाइड्रा वाहन संख्या वढ-20 अळ-7724 को रोककर जांच की गई। जांच के दौरान वाहन में लगभग 81 टन बालू लदी पाई गई, जबकि वाहन की निर्धारित वहन क्षमता मात्र 35 टन है। वाहन के विरुद्ध मोटर वाहन अधिनियम के अंतर्गत कार्रवाई करते हुए ड्ड23,500 का चालान किया गया तथा वाहन को थाना नौगांव सादात पर सीज कर दिया गया। अत्यधिक ओवरलोडिंग पाए जाने पर तत्काल संभागीय परिवहन अधिकारी, अमरोहा को रिपोर्ट प्रेषित की गई, जिनके द्वारा ओवरलोडिंग के संबंध में ड्ड1,14,000 का अतिरिक्त जुमार्ना आरोपित किया गया। साथ ही संबंधित जिला खनन अधिकारी को भी रिपोर्ट प्रेषित की गई, जिनके स्तर से खनन नियमों के अंतर्गत पृथक कार्रवाई की जा रही है। इस प्रकार उक्त वाहन के विरुद्ध कुल ड्ड1,37,500 (एक लाख सैंतीस हजार पांच सौ रुपये) का जुमार्ना आरोपित किया गया। जनपद पुलिस द्वारा ओवरलोड वाहनों के विरुद्ध की जा रही ऐसी कठोर एवं प्रभावी कार्रवाई से सड़क दुर्घटनाओं में कमी आएगी, सड़कें सुरक्षित रहेंगी तथा यातायात नियमों का पालन सुनिश्चित होगा। अमरोहा पुलिस भविष्य में भी इस प्रकार की प्रभावी कार्रवाई निरंतर जारी रखेगी।

पुलिस ने चोरी करने वाले गिरोह का किया पदार्फाश, दो गिरफ्तार, लाखों का सामान बरामद

असमोली/संभल(सब का सपना):- थाना पुलिस ने लगातार हो रही चोरी की घटनाओं का सफल खुलासा करते हुए दो शातिर चोरों को गिरफ्तार किया है। आरोपियों के कब्जे से चोरी के इन्वर्टर, बैटरे, सोने-चांदी के आभूषण, नकदी, मोटरसाइकिलें, प्रिंटर, फ्रिज, बीपी मशीन, स्टेबलाइजर सहित अन्य सामान बरामद किया गया है। पुलिस ने बरामदगी के आधार पर एक और मुकदमा दर्ज कर दोनों आरोपियों को न्यायालय भेज दिया। पुलिस के अनुसार 4 मार्च, 30 मई, 5 जून, 28 जून और 30 जून को थाना असमोली क्षेत्र के सैन्धरी, डोडी और रचैटा गांवों में घरों तथा पंचायत भवनों में चोरी की घटनाएं हुई थीं। इन मामलों में अलग-अलग मुकदमे दर्ज कर पुलिस लगातार जांच में जुटी थी। पुलिस अधीक्षक कृष्ण कुमार विश्नोई, अपर पुलिस अधीक्षक कुलदीप सिंह तथा क्षेत्राधिकारी असमोली अमन सिंह के निर्देशन में कार्यवाहक थाना प्रभारी संजीव गिरि के नेतृत्व में पुलिस टीम ने मुखबिर की सूचना पर शुक्रवार को ग्राम नरैटा मोहम्मदपुर चौराहे के पास चेकिंग के दौरान कुलदीप पुत्र सोमपाल (23) एवं मुस्कुरान पुत्र सजहर अली (21) को गिरफ्तार कर लिया। पूछताछ में दोनों आरोपियों ने असमोली क्षेत्र के डोडी, रचैटा और सैन्धरी गांवों में घरों व पंचायत भवनों में चोरी करने की बात स्वीकार की। इसके अलावा उन्होंने एचौड़ा क्षेत्र के एक आंगनबाड़ी केंद्र, डिडौली के आरोग्य मंदिर तथा मुरादाबाद और दिल्ली से कई मोटरसाइकिलें चोरी करने की भी जानकारी दी। आरोपियों ने बताया कि जो मोटरसाइकिलें नहीं बिकती थीं, उनके पार्ट्स अलग-अलग कर बेच देते थे। चोरी से मिले रुपयों से वे अपने शौक और खर्च पूरे करते थे। पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से चोरी का सामान बरामद कर थाना असमोली में बीएनएस के तहत एक और मुकदमा दर्ज किया है। पुलिस का कहना है कि आरोपियों के आपराधिक इतिहास की भी जांच की जा रही है तथा अन्य चोरी की घटनाओं के संबंध में भी पूछताछ जारी है।

दामाद को जहर देकर हत्या करने के मामले में एक वांछित युवती गिरफ्तारी

हयातनगर/संभल(सब का सपना):- थाना पुलिस ने करीब एक वर्ष पुराने चर्चित हत्या के मामले में कार्रवाई करते हुए वांछित अभियुक्ता को गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस ने गिरफ्तार अभियुक्ता को न्यायालय में पेश कर जेल भेज दिया। मामले में पुलिस पहले से दर्ज मुकदमे की विवेचना कर रही थी, जिसमें साक्ष्यों के आधार पर अभियुक्तों के विरुद्ध आरोप पुष्ट पाए गए थे। पुलिस के अनुसार 27 मार्च 2025 को थाना हयातनगर क्षेत्र के मोहल्ला नवाबखेल निवासी मुनीशा पत्नी नन्हे ने थाने में तहरीर देकर बताया था कि उसके 19 वर्षीय पुत्र मोहम्मद जैद की शादी के बाद ससुराल पक्ष ने उसे अपने घर पर ही रख लिया था और परिवार के लोगों से मिलने नहीं देते थे। वादिनी ने अपनी तहरीर में आरोप लगाया कि उसके पुत्र को योजनाबद्ध तरीके से उड़द की दाल, चावल और दूध में जहरीला पदार्थ मिलाकर खिलाया गया, जिससे उसकी मौत हो गई। वादिनी ने इस घटना के पीछे ससुराल पक्ष की साजिश होने का संदेह व्यक्त किया था। तहरीर के आधार पर थाना हयातनगर में चन्दा पत्नी रफी, ईरम पुत्री मोहम्मद रफी तथा सलमान पुत्र अब्दुल सलाम के विरुद्ध मुकदमा दर्ज किया गया। विवेचना के दौरान पुलिस ने घटनास्थल, उपलब्ध साक्ष्यों और अन्य तथ्यों का परीक्षण किया। जांच में अभियुक्तों के विरुद्ध भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) के तहत अपराध होना पाया गया, जिसके बाद उनकी गिरफ्तारी के प्रयास लगातार जारी थे। इसी क्रम में शुक्रवार को थाना हयातनगर पुलिस टीम ने कार्रवाई करते हुए मामले में वांछित चल रही अभियुक्ता ईरम पुत्री मोहम्मद रफी को उसके घर से गिरफ्तार कर लिया। गिरफ्तारी के बाद पुलिस ने आवश्यक कानूनी कार्रवाई पूरी करते हुए अभियुक्ता को न्यायालय में पेश किया, जहां से उसे न्यायिक अभिरक्षा में भेज दिया गया।

पुलिस अधिकारियों ने बताया कि मामले में अन्य आरोपियों के संबंध में भी नियमानुसार कार्रवाई की जा रही है। साथ ही पूरे प्रकरण की विवेचना निष्पक्ष एवं साक्ष्यों के आधार पर आगे बढ़ाई जा रही है।

वन महोत्सव सप्ताह के तीसरे दिन वन प्रभाग में वृक्षारोपण व ग्रीन चौपाल का आयोजन

संभल(सब का सपना):- वन महोत्सव सप्ताह के तीसरे दिन शुक्रवार को संभल वन प्रभाग की चंदौसी, संभल और गुन्नौर रेंज में वृक्षारोपण, ग्रीन चौपाल एवं जनजागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए गए। इस दौरान ग्रामीणों, विद्यार्थियों और किसानों को पर्यावरण संरक्षण, कृषि वानिकी तथा कार्बन क्रेडिट फाइनेंस स्कीम की जानकारी दी गई और अधिक से अधिक पौधे लगाने का आह्वान किया गया। चंदौसी रेंज के ग्राम पंचायत जहांगीरपुर के दियोरा खास गांव में ग्रीन चौपाल एवं आम भंडारे का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में ग्रामीणों को कार्बन क्रेडिट स्कीम, वन महोत्सव के महत्व और कृषि वानिकी से होने वाले लाभों की जानकारी दी गई। इस अवसर पर ग्राम प्रधान जमुना प्रसाद, एफपीओ समन्वयक विशेष कुमार सहित बड़ी संख्या में ग्रामीण मौजूद रहे। संभल रेंज में प्राथमिक विद्यालय मनौटा में वृक्षारोपण कार्यक्रम आयोजित कर पीपल, जामुन और अनार सहित विभिन्न प्रजातियों के पौधे लगाए गए। इसके बाद ग्राम पंचायत सचिवालय मनौटा में ग्रीन चौपाल आयोजित की गई, जिसमें ग्रामीणों को पर्यावरण संरक्षण के महत्व और हरियाली बढ़ाने की आवश्यकता के प्रति जागरूक किया गया। कार्यक्रम में प्रधानाध्यापक जितेंद्र कुमार शर्मा, सहायक अध्यापक सचिन कुमार, क्षेत्रीय वन अधिकारी मनोज कुमार तथा संभल रेंज का समस्त स्टाफ उपस्थित रहा। वहीं गुन्नौर रेंज के ग्राम भिरावटी स्थित शांति यादव गर्ल्स इंटर कॉलेज परिसर में बरगद, जामुन और नीम के पौधों का रोपण किया गया। कार्यक्रम में ग्राम प्रधान रेखा रानी, प्रतिनिधि सुधीर यादव, प्रधानाचार्य लाल सिंह यादव, वन विभाग के अधिकारियों, शिक्षकों और छात्र-छात्राओं ने भाग लिया। वृक्षारोपण के बाद आयोजित ग्रीन चौपाल में किसानों को कार्बन क्रेडिट फाइनेंस स्कीम की जानकारी दी गई तथा पर्यावरण संरक्षण को ध्यान में रखते हुए अधिक से अधिक पेड़ लगाने की अपील की गई। वन विभाग के अधिकारियों ने कहा कि वन महोत्सव सप्ताह के दौरान जिलेभर में वृक्षारोपण और जागरूकता कार्यक्रम लगातार आयोजित किए जा रहे हैं, ताकि आमजन की सहभागिता से पर्यावरण संरक्षण और हरित क्षेत्र का विस्तार किया जा सके।

बाबा रत्नगिरी आदर्श इंटर कॉलेज में निकला इंडियन रैट स्नैक, सुरक्षित किया रेस्क्यू

कैला देवी/संभल(सब का सपना):- जनपद के थाना कैला देवी क्षेत्र स्थित बाबा रत्नगिरी आदर्श इंटर कॉलेज परिसर में एक इंडियन रैट स्नैक (धामन) निकलने से छात्र-छात्राओं और स्टाफ में कुछ देर के लिए अफरा-तफरी मच गई। सूचना मिलते ही स्थानीय स्नेक सेवर मौके पर पहुंचे और सावधानीपूर्वक सांप का सुरक्षित रेस्क्यू किया। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार कॉलेज परिसर में सांप दिखाई देने के बाद इसकी जानकारी तत्काल स्नेक सेवर जाबुल को दी गई। सूचना मिलते ही वह मौके पर पहुंचे और बिना किसी नुकसान के इंडियन रैट स्नैक का सफलतापूर्वक रेस्क्यू कर उसे सुरक्षित पकड़ लिया। स्नेक सेवर ने बताया कि इंडियन रैट स्नैक (धामन) विषहीन प्रजाति का सांप होता है। यह मुख्य रूप से चूहे और अन्य छोटे जीवों का शिकार करता है तथा खेतों और मानव बस्तियों में चूहों की संख्या नियंत्रित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। ऐसे सांपों से घबराने या उन्हें नुकसान पहुंचाने के बजाय वन विभाग अथवा प्रशिक्षित स्नेक सेवर को सूचना देनी चाहिए। रेस्क्यू के बाद सांप को सुरक्षित प्राकृतिक आवास में छोड़ दिया गया। कॉलेज प्रशासन और स्थानीय लोगों ने स्नेक सेवर की तत्परता की सराहना करते हुए राहत की सांस ली। साथ ही लोगों से अपील की गई कि सांप दिखाई देने पर अफवाह फैलाने या उसे मारने के बजाय संबंधित विभाग या प्रशिक्षित रेस्क्यू टीम को सूचना दें।

पुलिस ने 8 वर्षीय गुमशुदा बच्चे को शकुशल तलाश कर परिजनों को सौंपा

ऐंचौड़ा कम्बोह/संभल(सब का सपना):- ऑपरेशन मुस्कान अभियान के तहत थाना ऐंचौड़ा कम्बोह पुलिस ने तत्परता दिखाते हुए एक 8 वर्षीय गुमशुदा बच्चे को सकुशल उसके परिजनों से मिलाकर मानवता का परिचय दिया। बच्चे को पाकर परिजनों के चेहरे खिल उठे और उन्होंने पुलिस टीम का आभार जताया। पुलिस के अनुसार गुरुवार को ग्राम भटपुरा में एक करीब 8 वर्षीय बच्चा भटकता हुआ मिला, जो अपना नाम और अपने माता-पिता की सही जानकारी नहीं बता पा रहा था। राहगीरों ने बच्चे को थाना ऐंचौड़ा कम्बोह पुलिस के सुपुर्द कर दिया। इसके बाद प्रभारी निरीक्षक के निर्देशन में गठित पुलिस टीम ने आसपास के गांवों में जानकारी जुटाई और मीडिया सहित अन्य माध्यमों का सहारा लेकर बच्चे के परिजनों की तलाश शुरू की। काफी प्रयासों के बाद बच्चे की पहचान सिफान के रूप में हुई, जो थाना सैदनगली क्षेत्र के मोहल्ला रहमत नगर निवासी नाजमा खातून पत्नी नदीम का पुत्र निकला।

पुलिस ने आवश्यक औपचारिकताएं पूरी करने के बाद बच्चे को सकुशल उसकी मां के सुपुर्द कर दिया। अपने लापता बेटे को सुरक्षित पाकर परिजनों ने राहत की सांस ली और असमोली पुलिस की त्वरित कार्रवाई की सराहना की।

हर घर जल योजना में लापरवाही बर्दाश्त नहीं, गुणवत्ता और समयबद्ध कार्य सुनिश्चित करें:- डीएम

बहजोई/संभल(सब का सपना):- जिलाधिकारी अंकित खण्डेलवाल की अध्यक्षता में शुक्रवार को कलेक्ट्रेट सभागार में जल निगम (ग्रामीण) के अंतर्गत संचालित ग्रामीण पेयजल पाइपलाइन (हर घर जल) योजना की समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक में जनपद में योजना का कार्य कर रही कार्यदायी संस्थाओं तथा जल निगम के अधिकारियों के साथ योजनाओं की प्रगति, पेयजल आपूर्ति और गुणवत्ता सहित विभिन्न बिंदुओं पर विस्तृत समीक्षा की गई। बैठक के दौरान जिलाधिकारी ने एल.सी. इन्फ्रा, एन.के.जी. इन्फ्रास्ट्रक्चर लिमिटेड, एसपीएमएल एवं जल निगम (ग्रामीण) के अधिकारियों से योजना की प्रगति की जानकारी ली। उन्होंने एल.सी. इन्फ्रा द्वारा संचालित कार्यों की समीक्षा करते हुए आच्छादित ग्रामों की संख्या, एफएचटीसी (फंक्शनल हाउसहोल्ड टैप कनेक्शन), पेयजल आपूर्ति, क्षेत्रीय समस्याएं, उपलब्ध मैनपावर, ओवरहेड टैंक, क्लोरीनेशन, विद्युत कनेक्शन, पंप हाउस, पुनर्स्थापना कार्य तथा लंबित शिकायतों की स्थिति पर विस्तार से चर्चा की।

जिलाधिकारी ने स्पष्ट निर्देश दिए कि किसी भी परिस्थिति में योजना का कार्य बाधित नहीं होना चाहिए। सभी निर्माण एवं पुनर्स्थापना कार्य निर्धारित समय-सीमा के भीतर गुणवत्तापूर्ण ढंग से पूरे किए जाएं तथा आमजन को निर्बाध पेयजल उपलब्ध कराया जाए। एसपीएमएल की समीक्षा के दौरान उन्होंने संचालित योजनाओं की प्रगति, निर्धारित लक्ष्य, ट्रायल रन, पेयजल की गुणवत्ता एवं पुनर्स्थापना कार्यों की समीक्षा करते हुए आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। वहीं एन.के.जी. इन्फ्रास्ट्रक्चर लिमिटेड के कार्यों की समीक्षा करते हुए जिलाधिकारी ने कहा कि कर्मचारियों के वेतन भुगतान से संबंधित किसी प्रकार की शिकायत नहीं मिलनी चाहिए। सभी भुगतान समय से और नियमानुसार किए जाएं तथा कार्य की गुणवत्ता से किसी भी प्रकार का समझौता न किया जाए। बैठक में जिलाधिकारी अंकित खण्डेलवाल ने सभी संबंधित अधिकारियों एवं कार्यदायी संस्थाओं को निर्देशित किया कि हर घर जल योजना के अंतर्गत पेयजल की गुणवत्ता, पाइपलाइन से जुड़े पुनर्स्थापना कार्य तथा प्राप्त शिकायतों का समयबद्ध और प्रभावी निस्तारण सुनिश्चित किया जाए। उन्होंने कहा कि वह स्वयं योजनाओं का स्थलीय निरीक्षण करेंगे और यदि किसी स्तर पर लापरवाही पाई गई तो संबंधित अधिकारी या संस्था के विरुद्ध कड़ी कार्रवाई की जाएगी। बैठक में अपर जिलाधिकारी (न्यायिक) सौरभ कुमार पाण्डेय, डिप्टी कलेक्टर अवधेश कुमार, जल निगम (ग्रामीण) के अधिकारी एवं संबंधित कार्यदायी संस्थाओं के प्रतिनिधि उपस्थित रहे।

गुलदार के लगातार हमलों से दहशत, वन विभाग के खिलाफ ग्रामीणों में आक्रोश

हीमपुर दीपा/बिजनौर (सब का सपना)थाना क्षेत्र हीमपुर दीपा में गुलदार का आतंक थमने का नाम नहीं ले रहा है। लगातार हो रहे हमलों से ग्रामीणों में भय का माहौल है। वहीं, कई घटनाओं के बावजूद वन विभाग द्वारा गुलदार को पकड़ने के लिए पिंजरा नहीं लगाए जाने से लोगों में भारी आक्रोश व्याप्त है। ग्रामीणों के अनुसार कुछ दिन पहले ग्राम अजुपुरा जट में खेत पर काम कर रहे दो किसान भाइयों पर गुलदार ने हमला कर उन्हें गंभीर रूप से घायल कर दिया था। दोनों का उपचार सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र स्याऊ में कराया गया। घटना के बाद ग्रामीणों ने वन विभाग को सूचना देकर क्षेत्र में पिंजरा लगाने और गश्त बढ़ाने की मांग की थी, लेकिन आरोप है कि विभाग ने कोई ठोस कार्रवाई नहीं की। ग्रामीणों का कहना है कि इसी लापरवाही का परिणाम है कि बुधवार-बृहस्पतिवार की रात गुलदार ने ग्राम औंधा में एक गौवंशीय पशु को अपना शिकार बना लिया। इसके कुछ ही समय बाद पीएनबी बैंक के पास स्थित चौधरी सोपाल सिंह के घेर में घुसकर एक बछिया को भी मार डाला। घटनास्थल पर मिट्टी में गुलदार के पंजों के निशान भी स्पष्ट दिखाई दिए, जिससे ग्रामीणों में दहशत और बढ़ गई। बताया जा रहा है कि हीमपुर दीपा थाना क्षेत्र के आसपास बसे करीब 67 गांव इन घटनाओं से प्रभावित हैं। लोग शाम ढलते ही घरों में कैद होने को मजबूर हैं और बच्चों तथा पशुओं की सुरक्षा को लेकर चिंतित हैं। ग्रामीणों ने वन विभाग से तत्काल पिंजरा लगाने, लगातार गश्त कराने और गुलदार को पकड़ने की मांग की है। उनका कहना है कि यदि समय रहते प्रभावी कदम नहीं उठाए गए तो कभी भी कोई बड़ी जनहानि हो सकती है। फिलहाल क्षेत्र में भय और असुरक्षा का माहौल बना हुआ है।

सपा की पीडीए चौपाल आयोजित, कार्यकर्ताओं ने किया वृक्षारोपण

बहजोई/संभल(सब का सपना):- समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव का जन्मदिन सद्भावना सप्ताह के रूप में मनाते हुए शुक्रवार को 31 विधानसभा चंदौसी क्षेत्र के ग्राम जेरोई, थाना बहजोई में पीडीए चौपाल का आयोजन किया गया। चौपाल के समापन के बाद कार्यकर्ताओं ने पर्यावरण संरक्षण का संदेश देते हुए वृक्षारोपण भी किया। कार्यक्रम के दौरान सपा कार्यकर्ताओं ने बूथ संख्या 84, 85 और 86 पर संपर्क अभियान चलाकर कमजोर वर्ग के लोगों से संवाद किया और उनकी समस्याएं सुनीं। साथ ही समाजवादी पार्टी की नीतियों एवं राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव द्वारा किए गए वादों की जानकारी दी। कार्यकर्ताओं ने कहा कि सपा सरकार बनने पर 300 यूनिट मुफ्त बिजली, निशुल्क पानी सहित जनकल्याणकारी योजनाएं लागू की जाएंगी। चौपाल में उमेश चंद्र दिवाकर, दुर्गेश दिवाकर, सर्वेश कुमार, सुमित यादव, राजेश कुमारी, भगवान दास राणा, अखिलेश मौर्य, कंचन राजोरिया, बबलू मौर्य, जानकी मौर्य सहित बड़ी संख्या में ग्रामीण एवं पार्टी कार्यकर्ता मौजूद रहे।

शादी समारोह में दो पक्षों के बीच मारपीट व फायरिंग की चर्चा, पुलिस जांच में जुटी

नजीबाबाद/बिजनौर (सब का सपना):- जनपद के ग्राम भागूवाला स्थित वालिया होटल में एक जुलाई की रात आयोजित एक शादी समारोह के दौरान दो पक्षों के बीच विवाद और मारपीट की घटना सामने आई है। प्रत्यक्षदर्शियों और स्थानीय लोगों के अनुसार विवाद के दौरान ग्राम काशीरामपुर निवासी एक व्यक्ति के साथ मारपीट की गई तथा उस पर तमंचे की बट से हमला किए जाने की बात कही जा रही है। बताया जाता है कि घटना की सूचना मिलने पर डायल-112 पुलिस मौके पर पहुंची और स्थिति को शांत कराया। हालांकि स्थानीय लोगों के अनुसार रात करीब 11 बजे के बाद एक बार फिर विवाद बढ़ गया। क्षेत्र में फायरिंग और हवाई फायर होने की चर्चा भी रही। कुछ लोगों ने एक व्यक्ति के पैर में गोली लगने का दावा किया है, हालांकि इसकी अभी तक पुलिस की ओर से आधिकारिक पुष्टि नहीं की गई है। घटना के बाद क्षेत्र में तरह-तरह की चर्चाएं हैं, जिससे लोगों में दहशत और असुरक्षा का माहौल बना हुआ है। स्थानीय लोगों ने पूरे मामले की निष्पक्ष जांच कर वास्तविक तथ्यों को सार्वजनिक करने तथा यदि कोई अवैध कृत्य हुआ है तो दोषियों के विरुद्ध सख्त कानूनी कार्रवाई की मांग की है। फिलहाल पुलिस पूरे प्रकरण की जांच में जुटी है। घटना से संबंधित सभी तथ्यों की पुष्टि पुलिस जांच और आधिकारिक बयान के बाद ही स्पष्ट हो सकेगी। इसलिए मामले को लेकर किसी भी निष्कर्ष पर पहुंचने से पहले जांच रिपोर्ट का इंतजार किया जाना आवश्यक है।

70 वर्ष से अधिक उम्र के बुजुर्गों का बना आयुष्मान वय वंदना कार्ड

बहजोई/संभल(सब का सपना):- आयुष्मान भारत-प्रधानमंत्री जन आरोग्य योजना के तहत संभल जिले ने बड़ी उपलब्धि हासिल की है। 70 वर्ष या उससे अधिक आयु के वरिष्ठ नागरिकों के लिए बनाए जा रहे आयुष्मान वय वंदना कार्ड में जिले ने 96.18 प्रतिशत लक्ष्य पूरा कर लिया है। उप मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. हरेंद्र सिंह बंसल ने बताया कि जिले में 20,105 बुजुर्गों को योजना से जोड़ने का लक्ष्य था, जिसके सापेक्ष अब तक 19,337 वरिष्ठ नागरिकों के कार्ड बनाए जा चुके हैं। इस कार्ड के माध्यम से पात्र बुजुर्गों को प्रतिवर्ष 5 लाख तक का कैशलेस स्वास्थ्य बीमा उपलब्ध कराया जाएगा। उन्होंने बताया कि पात्र लाभार्थी जन सेवा केंद्र या सूचीबद्ध अस्पतालों में आधार कार्ड, राशन कार्ड अथवा अन्य पारिवारिक पहचान पत्र के साथ अपना कार्ड बनवा सकते हैं। वहीं, 10 हजार से अधिक मासिक आय, सरकारी नौकरी, 5 एकड़ या अधिक सिंचित भूमि तथा अन्य निर्धारित मानकों वाले परिवार योजना के पात्र नहीं होंगे। डॉ. बंसल ने कहा कि स्वास्थ्य विभाग का लक्ष्य शत-प्रतिशत पात्र बुजुर्गों को योजना से जोड़ना है। इसके लिए ग्राम और वार्ड स्तर पर विशेष अभियान चलाकर छूटे हुए लाभार्थियों के आयुष्मान वय वंदना कार्ड बनाए जा रहे हैं।

खबर एक्सप्रेस

पंजाब के मोहाली में पिकअप और बस के बीच टक्कर, हादसे में 11 लोग घायल

मोहाली। पंजाब के मोहाली के अंतर्गत सरसिणी में एक पिक्प और कंपनी की बस के बीच टक्कर हो गई। इस हादसे में 11 लोग घायल हो गए, जबकि एक व्यक्ति की मौत हो गई। हादसे के बाद वाहनों की परखच्चे उड़ गए। स्थानीय लोगों और पुलिस ने घायलों की मदद की। सभी घायलों को अंबाला जिला नागरिक अस्पताल में भर्ती करवाया गया है। हादसे में 24 साल का आशीष, 28 वर्षीय मनोज, 16 साल का समीर, 27 साल का ओमप्रकाश, 55 वर्षीय राजेंद्र, 25 वर्षीय विकास, 36 वर्षीय धर्मेंद्र, 16 वर्षीय बलवंत, 20 वर्षीय मनिंद्र और 28 साल का विनोद घायल हुए हैं। वारदात को अंजाम देकर पिकअप चालक मौके से फरार हो गया। जिस बस में सवारी थी वह बस पीसी टेक्सटाइल पंजाब की थी। हादसा रात करीब दो बजे का बताया जा रहा है। मृतक के शव की शिनाख्त के लिए उसे मोर्चरी में रखवा दिया गया है। सभी घायल लालडू पंजाब के रहने वाले हैं। राजपुरा थाना पुलिस मामले की जांच में जुटी है

पाकिस्तान में ऐतिहासिक गुरुद्वारे को तोड़ने का मामला गहराया, एसजीपीसी ने केंद्र से किया हस्तक्षेप का आग्रह

अमृतसर। पाकिस्तान के फरुखाबाद स्थित करीब 125 वर्ष पुराने ऐतिहासिक गुरुद्वारा श्री गुरु सिंह सभा के एक हिस्से को बुलडोजर से गिराए जाने के मामले में नया खुलासा हुआ है। जानकारी के अनुसार, जिस स्थानीय कारोबारी ने गुरुद्वारे के ढांचे को ध्वस्त कराया, उसने संबंधित सरकारी विभागों से आवश्यक अनापत्ति प्रमाण पत्र (एनओसी) अथवा अन्य वैधानिक अनुमति प्राप्त नहीं की थी। इस जानकारी के सामने आने के बाद सिख संगठनों में घटना को लेकर नाराजगी और बढ़ गई है। घटना के बाद शिरोमणि गुरुद्वारा प्रबंधक कमेटी (एसजीपीसी) ने भारत सरकार से इस मामले में हस्तक्षेप करने का आग्रह किया है। कमेटी ने केंद्र सरकार को पत्र लिखकर पाकिस्तान सरकार के समक्ष इस मुद्दे को प्रभावी ढंग से उठाने तथा पूरे मामले की निष्पक्ष और पारदर्शी जांच सुनिश्चित कराने की मांग की है। साथ ही दोषियों के खिलाफ उचित कार्रवाई किए जाने की भी अपील की गई है। एसजीपीसी अध्यक्ष एडवोकेट हरजिंदर सिंह धामी ने कहा कि ऐतिहासिक और धार्मिक महत्व रखने वाले गुरुद्वारों की सुरक्षा सुनिश्चित करना संबंधित प्रशासन की जिम्मेदारी है। उन्होंने कहा कि इस प्रकार की घटनाएं विश्वभर के सिख समुदाय की धार्मिक भावनाओं को गहरी ठेस पहुंचाती हैं। उनका कहना है कि यदि किसी भी ऐतिहासिक धार्मिक स्थल से जुड़ा कोई निर्माण कार्य या बदलाव किया जाना हो, तो उसे निर्धारित कानूनी प्रक्रिया के तहत ही किया जाना चाहिए।प्राप्त जानकारी के अनुसार, स्थानीय कारोबारी ने बिना आवश्यक सरकारी स्वीकृति के बुलडोजर चलवाकर गुरुद्वारे के ऐतिहासिक ढांचे के एक हिस्से को गिरा दिया। घटना की सूचना मिलते ही स्थानीय सिख समुदाय और विभिन्न धार्मिक संगठनों ने इसका विरोध जताते हुए मामले की निष्पक्ष जांच और जिम्मेदार लोगों के खिलाफ कार्रवाई की मांग उठाई।पाकिस्तान सरकार से निष्पक्ष जांच की मांग इस मामले पर भारत के विदेश मंत्रालय ने भी गंभीर चिंता व्यक्त की है। मंत्रालय ने पाकिस्तान सरकार से पूरे मामले की निष्पक्ष जांच कराने, दोषियों के विरुद्ध सख्त कार्रवाई करने और क्षतिग्रस्त ऐतिहासिक गुरुद्वारा श्री गुरु सिंह सभा को उसके मूल स्वरूप में पुनर्स्थापित करने की मांग की है। इसके साथ ही पाकिस्तान में स्थित सभी धार्मिक स्थलों, विशेष रूप से अल्पसंख्यक समुदायों के पूजा स्थलों की सुरक्षा सुनिश्चित करने पर भी जोर दिया गया है। गौरतलब है कि पाकिस्तान में स्थित ऐतिहासिक गुरुद्वारों और अन्य धार्मिक स्थलों के संरक्षण का मुद्दा समय-समय पर उठता रहा है। ऐसे में इस घटना ने एक बार फिर धार्मिक विरासत की सुरक्षा और संरक्षण को लेकर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं। फिलहाल सभी की नजर इस बात पर है कि पाकिस्तान सरकार इस मामले में क्या कार्रवाई करती है और जांच के बाद कौन से तथ्य सामने आते हैं।

सुरक्षा दस्तावेज लीक केस में बठिंडा के हिंदू नेता संदीप पाठक को राहत, हाईकोर्ट से मिली जमानत; जेल से हुए रिहा

बठिंडा। सुरक्षा व्यवस्था से जुड़े गोपनीय पत्र के कथित लीक मामले में गिरफ्तार हिंदू नेता एवं अधिवक्ता संदीप पाठक को बड़ी कानूनी राहत मिली है। पंजाब एवं हरियाणा हाईकोर्ट से जमानत मिलने के बाद शुक्रवार दोपहर उन्हें केंद्रीय जेल बठिंडा से रिहा कर दिया गया। हाईकोर्ट के आदेश के बाद उनकी रिहाई होते ही इस मामले को लेकर एक बार फिर चर्चा तेज हो गई है। जानकारी के अनुसार बठिंडा पुलिस ने कुछ समय पहले संदीप पाठक तथा पुलिस विभाग के एक अज्ञात कर्मचारी के खिलाफ सुरक्षा व्यवस्था से जुड़े गोपनीय दस्तावेज के कथित रूप से लीक होने के आरोप में मामला दर्ज किया था। प्राथमिकी दर्ज होने के बाद पुलिस ने संदीप पाठक को गिरफ्तार कर न्यायिक हिरासत में भेज दिया था।मामले की जांच के दौरान अब तक पुलिस उस कर्मचारी की पहचान नहीं कर सकी है, जिस पर गोपनीय दस्तावेज लीक करने में सहयोग का आरोप लगाया गया था। ऐसे में जांच की प्रगति और उसके विभिन्न पहलुओं को लेकर भी सवाल उठ रहे हैं। हालांकि पुलिस अधिकारियों की ओर से इस संबंध में कोई आधिकारिक बयान जारी नहीं किया गया है। बताया जा रहा है कि जिस दस्तावेज के लीक होने का मामला दर्ज किया गया, वह संदीप पाठक की सुरक्षा व्यवस्था से संबंधित था। केंद्र सरकार के गृह मंत्रालय ने 11 मई को पंजाब पुलिस को पत्र भेजकर संदीप पाठक को वाई प्लस श्रेणी की केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल सुरक्षा उपलब्ध कराने के निर्देश दिए थे। सुरक्षा योजना के तहत उनके आवास के आसपास निगरानी के लिए सीसीटीवी कैमरे लगाने, नियमित पुलिस गश्त बढ़ाने और अन्य आवश्यक सुरक्षा उपाय लागू करने को भी कहा गया था। आरोप है कि सुरक्षा संबंधी इन निर्देशों को पूरी तरह लागू किए जाने से पहले ही यह गोपनीय पत्र सार्वजनिक हो गया। इसके बाद पुलिस ने गोपनीय दस्तावेज लीक होने के आरोप में मामला दर्ज कर जांच शुरू की थी। अब पंजाब एवं हरियाणा हाईकोर्ट से जमानत मिलने के बाद संदीप पाठक को इस मामले में महत्वपूर्ण राहत मिली है। हालांकि जमानत मिलने का अर्थ आरोपों से बरी होना नहीं है।

बटाला में सब्सिडी वाली यूरिया से बन रही थी कैटल फीड, प्लांट अधिकारियों समेत दो फर्मों पर धोखाधड़ी का मामला दर्ज

बटाला। पंजाब के गुरदासपुर में बटाला के किसानों को सब्सिडी पर उपलब्ध कराई जाने वाली नीम-लेपित यूरिया खाद के कथित दुरुपयोग का बड़ा मामला सामने आया है। कृषि विभाग की जांच के बाद पुलिस ने सहकारी कैटल फीड प्लांट घनिए के बांगर के अधिकारियों तथा यूरिया खाद की आपूर्ति करने वाली दो फर्मों और उनके मालिकों के खिलाफ मामला दर्ज किया है। आरोप है कि किसानों के लिए निर्धारित सब्सिडी वाली यूरिया को औद्योगिक उपयोग वाली यूरिया की जगह कैटल फीड तैयार करने में इस्तेमाल किया जा रहा था, जिससे सरकार को आर्थिक नुकसान पहुंचाने और निजी लाभ कमाने की साजिश रची गई। कृषि विकास अधिकारी एवं उर्वरक निरीक्षक अमृतपाल सिंह ने पुलिस को दी शिकायत में बताया कि 22 मई को किसान संगठनों की ओर से शिकायत मिली थी कि घनिए के बांगर स्थित सहकारी कैटल फीड प्लांट में तकनीकी उपयोग वाली महंगी यूरिया के बजाय किसानों को दी जाने वाली सब्सिडी वाली नीम-लेपित यूरिया का इस्तेमाल किया जा रहा है।शिकायत के बाद हरकत में आाया विभाग
शिकायत मिलने के बाद कृषि विभाग की टीम ने प्लांट में छापा मारा। जांच के दौरान टीम को वहां किसानों के लिए निर्धारित सब्सिडी वाली यूरिया के खाली कट्टे मिले। मौके से कुल 1740 कट्टे जब्त किए गए। अधिकारियों ने यूरिया के नमूने लेकर उन्हें जांच के लिए उर्वरक परीक्षण प्रयोगशाला भेजा। प्रयोगशाला की रिपोर्ट में यूरिया में नीम तेल की कोटिंग की पुष्टि हुई। कृषि विभाग के अनुसार नीम-लेपित यूरिया केवल कृषि उपयोग के लिए सब्सिडी पर उपलब्ध कराई जाती है। इस पर नीम की कोटिंग इसलिए की जाती है ताकि खेतों में नाइट्रोजन का बेहतर उपयोग हो और खाद का दुरुपयोग रोका जा सके। दूसरी ओर औद्योगिक उपयोग वाली यूरिया बिना इस प्रकार की कोटिंग के होती है और उसकी कीमत भी काफी अधिक होती है। जांच में आरोप लगाया गया कि प्लांट के अधिकारियों और यूरिया की आपूर्ति करने वाली दो फर्मों की कथित मिलीभगत से सब्सिडी वाली यूरिया को औद्योगिक यूरिया के कट्टों में भरकर इस्तेमाल किया गया। शिकायत के अनुसार इस तरीके से सरकारी सब्सिडी का दुरुपयोग करते हुए आर्थिक लाभ कमाने का प्रयास किया गया।
थाना घनिए के बांगर के प्रभारी इंस्पेक्टर लखविंदर सिंह ने बताया कि पुलिस ने सहकारी कैटल फीड प्लांट, उसके संबंधित अधिकारियों तथा यूरिया सप्लाई करने वाली दोनों फर्मों और उनके मालिकों के खिलाफ विभिन्न धाराओं में मामला दर्ज कर लिया है। पुलिस अब दस्तावेजों की जांच, संबंधित अधिकारियों से पूछताछ और अन्य साक्ष्य जुटाने की कार्रवाई कर रही है।

चन्नी के घर बगावती मीटिंग के बाद फैसला, राजा वड़िंग के खिलाफ हाईकमान से बात करने के लिए बनी स्पेशल कमेटी

मोरिंडा (रूपनगर)। पंजाब कांग्रेस में संगठनात्मक फेरबदल के बाद जारी राजनीतिक हलचल के बीच पूर्व मुख्यमंत्री एवं सांसद चरणजीत सिंह चन्नी के मोरिंडा स्थित आवास पर शुक्रवार को हुई महत्वपूर्ण बैठक के बाद बड़ा फैसला लिया गया। कांग्रेस के मौजूदा विधायकों, पूर्व विधायकों और वरिष्ठ नेताओं की बैठक समाप्त होने के बाद हाईकमान से बातचीत के लिए एक समिति गठित करने की घोषणा की गई। समिति का उद्देश्य पार्टी के नेताओं और कार्यकताओं की भावनाओं तथा सुझावों को कांग्रेस हाईकमान तक पहुंचाना बताया गया है। बैठक में पंजाब कांग्रेस के कई विधायक, पूर्व विधायक और वरिष्ठ नेता शामिल हुए। संगठनात्मक फेरबदल के बाद पार्टी के भीतर चल रही चचाओं और आगामी विधानसभा चुनाव की रणनीति को लेकर विस्तृत विचार-विमर्श किया गया।बैठक समाप्त होने के बाद नेताओं ने एकजुट होकर मीडिया से बातचीत की और बताया कि कांग्रेस को मजबूत बनाने तथा पार्टी की बात शीर्ष नेतृत्व तक पहुंचाने के लिए समिति का गठन किया गया है।जल्द सदस्यों का नाम घोषित किया जाएगा
नेताओं ने स्पष्ट किया कि फिलहाल समिति के गठन पर सहमति बनी है, जबकि इसके सदस्यों के नाम बाद में घोषित किए जाएंगे। समिति कांग्रेस हाईकमान से मुलाकात कर संगठनात्मक मुद्दों, कार्यकताओं की अपेक्षाओं और भविष्य की रणनीति पर चर्चा करेगी। पंजाब यूथ कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष बरिंदर सिंह ढिल्लों ने कहा कि बैठक का उद्देश्य किसी प्रकार का टकराव पैदा करना नहीं, बल्कि पंजाब में कांग्रेस को मजबूत करना और आगामी विधानसभा चुनाव में आम आदमी पार्टी को चुनौती देने के लिए संगठन को एकजुट करना है। उन्होंने कहा कि सभी नेता एक मंच पर इसलिए एकत्र हुए हैं ताकि कार्यकताओं और नेताओं की भावनाओं को कांग्रेस हाईकमान तक प्रभावी ढंग से पहुंचाया जा सके।
हाईकमान से सकारात्मक संवाद की जरूरत
बरिंदर सिंह ढिल्लों ने कहा कि कांग्रेस के सभी नेता चाहते हैं कि पार्टी राज्य में मजबूत होकर चुनाव लड़े और इसके लिए संगठन तथा नेतृत्व से जुड़े सभी विषयों पर हाईकमान के साथ सकारात्मक संवाद होना आवश्यक है। उन्होंने कहा कि समिति इसी उद्देश्य से बनाई गई है और जल्द ही शीर्ष नेतृत्व से मुलाकात कर अपनी बात रखेगी। राजनीतिक विश्लेषकों का मानना है कि समिति के गठन से यह संकेत मिला है कि संगठनात्मक फेरबदल के बाद पार्टी के भीतर उठ रहे सवालों को अब संस्थागत तरीके से हाईकमान तक पहुंचाने की तैयारी की गई है। हालांकि नेताओं ने बैठक को पार्टी विरोधी गतिविधि मानने से इनकार करते हुए कहा कि उनका उद्देश्य केवल कांग्रेस को मजबूत करना और चुनावी तैयारियों को बेहतर बनाना है।

मानसून ने दी राहत, फिर भी 18 फीसदी कम बारिश

अमृतसर। पंजाब में मानसून की सक्रियता बढ़ने से लोगों को भीषण गर्मी और उमस से राहत मिलने लगी है। हालांकि, राहत की इस बारिश के बावजूद प्रदेश में 1 जून से अब तक सामान्य से 18 प्रतिशत कम वर्षा दर्ज की गई है। भारत मौसम विज्ञान विभाग के अनुसार प्रदेश में अब तक 50.9 मिलीमीटर बारिश हुई है, जबकि इस अवधि में सामान्य वर्षा 62.1 मिलीमीटर होनी चाहिए थी। यानी अब तक बारिश में 18 प्रतिशत की कमी बनी हुई है। मौसम विभाग की तरफ से जारी आंकड़ों के अनुसार 2 जुलाई तक मानसून फाजिल्का-मुक्तसर के कुछ हिस्सों को छोड़, अन्य पूरे पंजाब को कवर कर चुका है। अनुमान है कि आज मानसून पूरे पंजाब को अपनी आगोश में ले लेगा। जिसके चलते शुक्रवार से प्रदेश के अधिकांश हिस्सों में मानसून और अधिक सक्रिय रहेगा। अगले चार से पांच दिनों तक कई जिलों में गरज-चमक, तेज हवाओं और कुछ स्थानों पर भारी बारिश की संभावना है। इससे तापमान में और गिरावट आने के साथ किसानों तथा आम लोगों को राहत मिलने की उम्मीद है। 3 जुलाईः मौसम विभाग के अनुसार गुरदासपुर, पठानकोट, होशियारपुर, जालंधर, कपूरथला, नवांशहर, लुधियाना, फतेहगढ़ साहिब, संगरूर, पटियाला, रूपनगर, एसएएस नगर और आसपास के इलाकों में गरज-चमक के साथ बारिश तथा 40 से 50 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से तेज हवाएं चल सकती हैं। कुछ स्थानों पर भारी बारिश की भी संभावना जताई गई है। 4 जुलाईः शनिवार को भी पठानकोट, गुरदासपुर, होशियारपुर, जालंधर, कपूरथला, नवांशहर, लुधियाना, फतेहगढ़ साहिब, संगरूर, पटियाला और आसपास के क्षेत्रों में गरज-चमक के साथ बारिश का अनुमान है। कुछ स्थानों पर तेज वर्षा हो सकती है। 5 जुलाईः रविवार को भी उत्तर और पूर्वी पंजाब के जिलों में बादल छाए रहने, गरज-चमक और बारिश की संभावना बनी रहेगी। कई स्थानों पर तेज हवाएं चलने की भी संभावना है।
6 जुलाईः सोमवार को भी गुरदासपुर, पठानकोट, होशियारपुर, जालंधर, नवांशहर, लुधियाना, फतेहगढ़ साहिब, एसएएस नगर और पटियाला सहित कई जिलों में गरज-चमक के साथ बारिश का अनुमान है। कुछ स्थानों पर तेज वर्षा हो सकती है।
मौसम विभाग के अनुसार अमृतसर, तरनतारन, फिरोजपुर, फाजिल्का, मुक्तसर, फरीदकोट, मोगा, बठिंडा, मानसा और बरनाला जैसे पश्चिमी जिलों में भी बारिश की संभावना रहेगी, लेकिन इन जिलों के लिए फिलहाल किसी विशेष चेतावनी की

पंजाब में लैंड पूलिंग पॉलिसी में बदलाव, किसानों और जमीन मालिकों को राहत

चंडीगढ़। पंजाब में मान सरकार ने लैंड पूलिंग पॉलिसी में बदलाव कर दिए हैं। जमीन मालिकों की चिंताओं को दूर करने और जमीन अधिग्रहण के दौरान किसानों को अधिक फायदा देने के उद्देश्य से बड़ा फैसला लिया गया है।
मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान की अध्यक्षता में पंजाब कैबिनेट ने जमीन मालिकों के लाभों से संबंधित मौजूदा नीति में संशोधनों को मंजूरी दे दी है तथा राहत के लिए कई अन्य कदमों की भी शुरूआत की है। संशोधित नियमों के अनुसार, लैंड पूलिंग में आवासीय व व्यावसायिक श्रेणी चुनने वाले जमीन मालिकों को प्रति एकड़ 1,000 वर्ग गज के आवासीय प्लॉट मिलते रहेंगे। कमर्शियल जगह को 200 वर्ग गज से बढ़ा 210 वर्ग गज प्रति एकड़ कर दिया गया है। जो सिर्फ आवासीय श्रेणी चुनेंगे, उन्हें अब 1,600 की जगह 1,630 वर्ग गज प्रति एकड़ मिलेगा। व्यावसायिक जगह 800 वर्ग गज से 840 वर्ग गज कर दी है।आउस्टी पॉलिसी में संशोधन के तहत वह जमीन मालिक जिनकी एक एकड़ जमीन अधिग्रहित की जाती है, वे 200 वर्ग गज प्लाट के हकदार होंगे। 1-2.5 एकड़ तक के मालिकों को 300 वर्ग गज प्लाट मिलेगा 12.5 एकड़ से अधिक पर 500 वर्ग गज प्लॉट मिलेगा।छोटे किसानों के लिए विशेष लेटर आफ इंटेंट की व्यवस्था। 'सुविधा सर्टिफिकेट' अवधि दो साल से बढ़ा चार साल कर दी है। विकसित प्लाट लेने वाले असली मालिकों को स्टांप ड्यूटी या अन्य खर्च नहीं देने पड़ेंगे। वे कहीं भी स्टांप ड्यूटी छूट का लाभले सकते हैं। ट्यूबवेल कनेक्शन भी मिलेगा। किसान प्राथमिक स्थानों पर प्लाट आबंटन के योग्य होंगे।

लुधियाना में मॉर्निंग वॉक पर निकली महिला को तेज रफ्तार कार ने कुचला, 10 मीटर तक घसीटा; मौके पर दर्दनाक मौत

लुधियाना। लुधियाना के मॉडल टाउन क्षेत्र में शुक्रवार सुबह मॉर्निंग वॉक पर निकली एक महिला की तेज रफ्तार कार की चपेट में आने से दर्दनाक मौत हो गई। हादसे में उनकी सहेली भी घायल हो गई, जिसका अस्पताल में उपचार चल रहा है। दुर्घटना इतनी भीषण थी कि कार महिला को करीब 10 मीटर तक घसीटती हुई ले गई। पूरी घटना आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों में कैद हो गई है। हादसे के बाद चालक कार छोड़कर मौके से फरार हो गया। मृतका की पहचान हरप्रीत कौर के रूप में हुई है, जो मॉडल टाउन के चार खंभा चौक क्षेत्र की रहने वाली थीं। वह एक प्रॉपर्टी कारोबारी की पत्नी थीं। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है और फरार चालक की तलाश शुरू कर दी है।जानकारी के अनुसार शुक्रवार सुबह करीब छह बजे हरप्रीत कौर अपनी एक सहेली के साथ रोज की तरह मॉर्निंग वॉक पर निकली थीं। दोनों सड़क किनारे टहलते हुए बातचीत कर रही थीं। इसी दौरान पीछे से तेज रफ्तार में आ रही एक कार ने उन्हें जोरदार टक्कर मार दी। घसीटते हुए महिला को साथ ले गई कार
प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार टक्कर लगते ही दोनों महिलाएं सड़क पर जा गिरीं। हरप्रीत कौर की सहेली दूर जाकर गिरी और घायल हो गई, जबकि हरप्रीत कौर कार के नीचे फंस गईं। आरोप है कि चालक ने वाहन रोकने के बजाय आगे बढ़ा दिया, जिससे कार का पहिया उनके सिर के ऊपर से गुजर गया और वह करीब 10 मीटर तक घसीटती चली गईं। हादसे में उनके सिर और छाती में गंभीर चोटें आईं। घटना के तुरंत बाद आसपास मौजूद लोगों ने दोनों महिलाओं को अस्पताल पहुंचाया। चिकित्सकों ने जांच के बाद हरप्रीत कौर को मृत घोषित कर दिया, जबकि दूसरी महिला का इलाज जारी है।सीसीटीवी के आधार पर कार्रवाई शुरू
पुलिस के अनुसार घटनास्थल के आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज कब्जे में ले ली गई है। फुटेज में कार की तेज रफ्तार और दुर्घटना का पूरा घटनाक्रम दिखाई दे रहा है। पुलिस वाहन के पंजीकरण नंबर के आधार पर चालक की पहचान करने और उसे गिरफ्तार करने के प्रयास कर रही है। परिजनों ने बताया कि हरप्रीत कौर की एक बेटी है, जिसकी कुछ समय पहले ही शादी हुई थी। अचानक हुए इस हादसे से परिवार गहरे सदमे में है। पुलिस अधिकारियों का कहना है कि मामले की सभी पहलुओं से जांच की जा रही है। सीसीटीवी फुटेज, प्रत्यक्षदर्शियों के बयान और अन्य तकनीकी साक्ष्यों के आधार पर फरार चालक के खिलाफ सख्त कानूनी कार्रवाई की जाएगी। साथ ही यह भी जांच की जा रही है कि हादसे के समय चालक लापरवाही या तेज रफ्तार से वाहन चला रहा था या नहीं।

14 साल की शादी का खौफनाक अंत, बठिंडा में पति समेत छह पर हत्या का मामला; आरोपित फरार

बठिंडा। बठिंडा जिले के थाना संगत क्षेत्र में विवाहिता गुरमीत कौर की गोली मारकर हत्या किए जाने के मामले में पुलिस ने बड़ी कार्रवाई करते हुए उसके पति समेत छह लोगों के खिलाफ हत्या का मामला दर्ज किया है। पुलिस ने सभी नामजद आरोपितों की गिरफ्तारी के लिए छापेमारी तेज कर दी है। घटना के बाद से सभी आरोपित फरार बताए जा रहे हैं और उनकी तलाश में संभावित ठिकानों पर लगातार दबिश दी जा रही है। पुलिस के अनुसार वारदात की जांच कई स्तरों पर की जा रही है। घटनास्थल के आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाली जा रही है। इसके अलावा तकनीकी साक्ष्य, प्रत्यक्षदर्शियों के बयान और अन्य उपलब्ध प्रमाण भी जुटाए जा रहे हैं, ताकि मामले की हर कड़ी को स्पष्ट किया जा सके।प्राथमिक जांच में मामला लंबे समय से चल रहे घरेलू विवाद से जुड़ा सामने आया है। पुलिस के अनुसार गुरमीत कौर का लगभग 14 वर्ष पहले गांव जस्सी बागवाली निवासी मनजीत सिंह के साथ विवाह हुआ था। शादी के बाद से ही दोनों के बीच विवाद रहने लगा था।मांग के बयानों पर हुई कार्रवाई
शिकायतकर्ता एवं मृतका की मां रानी कौर ने पुलिस को दिए बयान में आरोप लगाया कि मनजीत सिंह नशा करने का आदी था और अक्सर उसकी बेटी के साथ मारपीट तथा

झगड़ा करता था। इसी कारण गुरमीत कौर पिछले कुछ समय से पति से अलग रह रही थी। रानी कौर ने अपने बयान में बताया कि एक जुलाई को गुरमीत कौर ने उन्हें फोन कर कहा था कि उसका पति और उसके साथी उसे जान से मारने की धमकियां दे रहे हैं। बेटी की बात सुनकर वह उसके पास पहुंच गई थीं।
शिकायत के अनुसार अगले दिन दोनों मां-बेटी स्कूटी पर जा रही थीं। आरोप है कि गांव जस्सी बागवाली के पास कार में पहुंचे मनजीत सिंह और उसके साथियों ने उनका रास्ता रोक लिया। इसके बाद मनजीत सिंह ने कथित रूप से पिस्तौल से गुरमीत कौर पर कई गोलियां चला दीं। गंभीर रूप से घायल गुरमीत कौर ने मौके पर ही दम तोड़ दिया, जबकि सभी आरोपित वारदात के बाद मौके से फरार हो गए।6 लोगों के खिलाफ मामला हुआ दर्ज
शिकायत में यह भी आरोप लगाया गया है कि अवतार सिंह और दलजीत सिंह ने वारदात में इस्तेमाल हथियार उपलब्ध कराए, जबकि अन्य आरोपित भी मौके पर मौजूद थे। पुलिस इन सभी आरोपों की गहन जांच कर रही है।
थाना संगत पुलिस ने रानी कौर के बयान के आधार पर पति मनजीत सिंह, सुखदेव सिंह, सुखपाल सिंह, सुखबीर कौर, अवतार सिंह और दलजीत सिंह के खिलाफ हत्या सहित विभिन्न धाराओं में मामला दर्ज किया है। पुलिस अधिकारियों का कहना है कि सभी आरोपितों की गिरफ्तारी के लिए लगातार छापेमारी की जा रही है। साथ ही पोस्टमार्टम रिपोर्ट, फोरेंसिक साक्ष्य और प्रत्यक्षदर्शियों के बयानों को जांच का हिस्सा बनाया गया है। अधिकारियों का दावा है कि आरोपितों को जल्द गिरफ्तार कर मामले का खुलासा किया जाएगा।

जालंधर में नशे में ट्रैफिक एएसआई ने कार को मारी टक्कर, भाजपा नेत्री ने पीछा कर पकड़ा; कमिश्नर ने किया निलंबित

जालंधर। जालंधर में ट्रैफिक पुलिस के एक सहायक उप निरीक्षक पर शराब के नशे में कार चलाकर सड़क पर हंगामा करने और कई वाहनों को टक्कर मारने के आरोप के बाद पुलिस कमिश्नरेट ने बड़ी कार्रवाई की है। पुलिस कमिश्नर के निर्देश पर आरोपित ट्रैफिक एएसआई जतिंदर को तत्काल प्रभाव से निलंबित कर लाइन हाजिर कर दिया गया है। साथ ही पूरे मामले की विभागीय जांच शुरू कर दी गई है।
जानकारी के अनुसार घटना वर्कशाप चौक के आसपास की बताई जा रही है। आरोप है कि ट्रैफिक विंग में तैनात एएसआई जतिंदर वर्दी में ही कथित रूप से शराब के नशे में कार चला रहा था। इस दौरान उसने सड़क पर चल रहे कई वाहनों को टक्कर मारने की कोशिश की। आरोप यह भी है कि उसकी कार भारतीय जनता पार्टी की नेत्री एवं मानव अधिकार परिषद की राष्ट्रीय अध्यक्ष आरती राजपूत की कार से भी टकरा गई।टक्कर के बाद महिला ने किया पीछा
घटना के बाद आरती राजपूत ने आरोपित एएसआई का पीछा किया। बताया जा रहा है कि उन्होंने उसे मकसूदा थाना क्षेत्र के पास जाकर रुकवाया। मौके पर मौजूद लोगों के अनुसार उस समय एएसआई की हालत सामान्य नहीं थी और उसे ठीक से खड़े होने में भी परेशानी हो रही थी। इस दौरान वहां मौजूद लोगों ने पूरी घटना का वीडियो अपने मोबाइल फोन में रिकॉर्ड कर लिया।
कुछ ही देर में यह वीडियो सामाजिक माध्यम पर तेजी से वायरल हो गया। वीडियो सामने आने के बाद पुलिस प्रशासन ने मामले का तत्काल संज्ञान लिया। पुलिस कमिश्नर सतिंदर सिंह ने आरोपित एएसआई जतिंदर को तत्काल प्रभाव से निलंबित करने और लाइन हाजिर करने के आदेश जारी कर दिए। इसके साथ ही पूरे मामले की निष्पक्ष जांच के लिए विभागीय जांच भी शुरू कर दी गई है।पुलिस कमिश्नर ने जांच के दिए आदेश
उधर, पुलिस कमिश्नरेट की ओर से स्पष्ट किया गया है कि जांच पूरी होने के बाद उपलब्ध साक्ष्यों के आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी। यदि जांच में आरोप सही पाए जाते हैं तो संबंधित पुलिसकर्मी के खिलाफ सेवा नियमों के अनुसार कड़ी कार्रवाई की जाएगी।
इस मामले में सहायक पुलिस आयुक्त (यातायात) गुरबाज सिंह की ओर से जारी बयान में कहा गया कि विभाग में अनुशासन, जवाबदेही और पेशेवर आचरण सर्वोच्च प्राथमिकता है। किसी भी पुलिसकर्मी द्वारा कानून या सेवा नियमों का उल्लंघन किए जाने पर किसी प्रकार की ढील नहीं बरती जाएगी। उन्होंने कहा कि विभाग जनता के विश्वास को बनाए रखने के लिए पूरी पारदर्शिता के साथ कार्रवाई कर रहा है।
फिलहाल विभागीय जांच जारी है और पुलिस वायरल वीडियो सहित अन्य साक्ष्यों की भी जांच कर रही है। जांच रिपोर्ट आने के बाद मामले में आगे की कानूनी और विभागीय कार्रवाई की जाएगी।

6 सब का सपना
हिंदी दैनिक
बुलंदशहर/दिल्ली
अमरोहा
शनिवार 04 जुलाई 2026
www.sabkasapna.com

सीओ एवं एसडीएम सिकंदराबाद ने कांवड़ यात्रा की तैयारियों का लिया जायजा

बुलन्दशहर (सब का सपना):- आगामी कांवड़ यात्रा को सकुशल, सुरक्षित एवं सुव्यवस्थित ढंग से सम्पन्न कराने के उद्देश्य से क्षेत्राधिकारी सिकन्द्राबाद दीपक कुमार एवं उपजिलाधिकारी सिकन्द्राबाद ने संबंधित विभागीय अधिकारियों के साथ कांवड़ मार्ग का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान साफ-सफाई, पेयजल, विद्युत एवं प्रकाश व्यवस्था, बैरिकेडिंग, यातायात प्रबंधन तथा सुरक्षा व्यवस्थाओं का जायजा लिया गया।अधिकारियों ने संबंधित विभागों को निर्देश दिए कि कांवड़ यात्रा से पूर्व सभी व्यवस्थाएं समय पर पूर्ण कर ली जाएं तथा श्रद्धालुओं को किसी प्रकार की असुविधा न हो। साथ ही संवेदनशील स्थलों पर विशेष सतर्कता बरतने, मार्गों को अतिक्रमण मुक्त रखने और सुचारू यातायात व्यवस्था सुनिश्चित करने के निर्देश दिये।

एसएसपी ने ली शुक्रवार परेड की सलामी, पुलिस लाइन का किया निरीक्षण

बुलन्दशहर (सब का सपना):- वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक दिनेश कुमार सिंह ने शुक्रवार को साप्ताहिक परेड की सलामी लेकर पुलिसकर्मियों का टर्नआउट, शस्त्र संचालन तथा आपदा एवं घटनास्थल प्रबंधन संबंधी अभ्यास का निरीक्षण किया। इसके बाद पुलिस लाइन में निमार्णाधीन आरसीसी सड़क व बैरकों की गुणवत्ता का जायजा लिया तथा स्वच्छता, सरकारी संपत्ति के रखरखाव और वाहनों के नियमित मेंटेनेंस के निर्देश दिए। एसएसपी ने कबड्डी एवं जूडो की विजेता जोनल टीम के खिलाड़ियों को गोल्ड मेडल और प्रमाण-पत्र देकर सम्मानित किया तथा उनके उज्ज्वल भविष्य की शुभकामनाएं दीं। इस दौरान प्रखर पाण्डेय और अजय श्रीवास्तव सहित पुलिस अधिकारी उपस्थित रहे।

दिल्ली के शिव विहार में पानी की समस्या से मिलेगी राहत, नई पेयजल लाइन बिछाने का काम शुरू

पूर्वी दिल्ली। मुस्तफाबाद विधानसभा के शिव विहार क्षेत्र में लंबे समय से चली आ रही पेयजल संकट की समस्या के समाधान की दिशा में महत्वपूर्ण कदम उठाते हुए स्थानीय विधायक व दिल्ली विधानसभा के डिप्टी स्पीकर मोहन सिंह बिष्ट ने नई पेयजल पाइपलाइन बिछाने के कार्य का उद्घाटन किया। क्षेत्र में लंबे समय से दूषित और गंदे पानी की आपूर्ति की शिकायतें मिल रही थीं। स्थानीय लोग लगातार विधायक कार्यालय और संबंधित विभाग के समक्ष समस्या उठा रहे थे। इस अवसर पर मोहन सिंह बिष्ट ने कहा कि शिव विहार के लोगों को स्वच्छ और पर्याप्त पेयजल उपलब्ध कराना उनकी प्राथमिकता है। नई पाइपलाइन बिछने से गंदे पानी की समस्या समाप्त होगी और हजारों परिवारों को स्वच्छ पेयजल मिल सकेगा। दिल्ली सरकार प्रत्येक वार्ड में आधारभूत सुविधाओं को सुदृढ़ करने के लिए तेजी से कार्य कर रही है और विकास कार्य आगे भी इसी गति से जारी रहेंगे। पाइपलाइन बिछने से लोगों की समस्याएं होंगी दूर क्षेत्रवासियों ने नई पाइपलाइन के कार्य शुरू होने पर कहा कि पानी समस्या से निजात मिलने की हमारे लिए राहत भरा है । लोगों को पानी के परेशानी नहीं झेलना पड़ेगा। साथ ही पैसों की बचत होगी। कार्यक्रम में जिला अध्यक्ष मास्टर विनोद, जोन चेयरमैन पुनीत शर्मा, मंडल अध्यक्ष तेजपाल, महामंत्री प्रतिभा सिंह, नरेश सैन, किशनपाल सिंह, विकास छलेरिया, राकेश, सुभाष शर्मा सहित बड़ी संख्या में स्थानीय लोग मौजूद रहे।

दिल्ली में पेट्रोल के पुराने व्हीकल बंद हो जाएंगे? सीएम रेखा गुप्ता ने किया क्लियर

नई दिल्ली। दिल्ली सरकार ने नई ईवी पॉलिसी राजधानी में नोटिफाई कर दिया है। इसके साथ ही लोगों के मन में भ्रम है कि कहीं पुराने पेट्रोल व्हीकल तो बंद नहीं हो जाएंगे? इस पर रेखा गुप्ता ने कहा कि कई लोग कहते हैं पेट्रोल के व्हीकल बंद हो जाएंगे? तो मेरा कहना है नहीं। अगर उस व्हीकल का टाइम लिमिट है तो आप उसे बिना किसी रोकटोक के चला सकते हैं। उन्होंने कहा कि लोग इसको लेकर अफवाहों पर ध्यान न दें। उन्होंने कहा कि हमारी सरकार ने दिल्ली में प्रदूषण कम करने और ट्रांसपोर्ट सेक्टर में क्रांतिकारी बदलाव लाने के लिए बड़ा कदम उठाया है। बता दें, दिल्ली सरकार ने 1 जुलाई से नई ईवी पॉलिसी को आधिकारिक तौर पर गैजेट में नोटिफाई कर दिया गया है और यह अब लागू हो गई है। सरकार स्क्रैपेज इंसेंटिव भी लोगों को देगी: सीएम रेखा गुप्ता रेखा गुप्ता ने कहा कि इलेक्ट्रिक टू-व्हीलर खरीदने वालों को ड्ड30,000, इलेक्ट्रिक थ्री-व्हीलर खरीदने वालों को ड्ड50,000 और एन 1 कैटेगरी के हल्के कमर्शियल वाहनों के लिए ड्ड1 लाख की सब्सिडी मिलेगी। ड्ड30 लाख से कम कीमत वाली सभी इलेक्ट्रिक कारों को रोड टैक्स और रजिस्ट्रेशन फीस से पूरी तरह छूट दी गई है। सरकार उन लोगों के लिए स्क्रैपेज इंसेंटिव भी दे रही है जो अपने पुराने वाहनों को नए ईवी से बदल रहे हैं।

लंबे इंतजार के बाद शहीद कर्नल आशुतोष शर्मा की स्मृति में गौरव द्वार का हुआ भूमि पूजन

औरंगाबाद/बुलंदशहर (सब का सपना):- जम्मू-कश्मीर के कुपवाड़ा में आतंकियों से लोहा लेते हुए दो मई 2020 को देश के लिए सर्वोच्च बलिदान देने वाले शहीद कर्नल आशुतोष शर्मा की स्मृति में प्रस्तावित शहीद द्वार का आखिरकार छह साल के लम्बे इंतजार के बाद शुक्रवार को उनके जन्मदिवस के अवसर पर भूमि पूजन के साथ शिलान्यास हो ही गया एक सप्ताह के भीतर गौरव द्वार के निर्माण की उम्मीद है शिलान्यास होने से क्षेत्रवासियों में खुशी का माहौल है जहांगीराबाद ब्लॉक क्षेत्र के ग्राम परवाना में जिला पंचायत बुलंदशहर द्वारा निर्मित होने वाले "शहीद कर्नल आशुतोष शर्मा स्मृति गौरव द्वार" का जिला पंचायत अध्यक्ष अतुल तेवतिया, शहीद कर्नल की मां सुधा शर्मा,पत्नी पल्लवी शर्मा,पुत्री कुहू शर्मा, बहन नूतन शर्मा, बड़े भाई पीयूष शर्मा,भाभी रचना शर्मा ने वैदिक मंत्रोच्चार के साथ हवन-पूजन कर गौरव द्वार की आधारशिला रखी।जिला पंचायत अध्यक्ष डॉक्टर अंतुल तेवतिया ने कर्नल की मां सुधा शर्मा और पत्नी पल्लवी शर्मा को शॉल ओढ़ाकर सम्मानित किया और राष्ट्र के प्रति उनके परिवार के अद्वितीय त्याग एवं समर्पण को नमन किया।डॉक्टर अंतुल तेवतिया ने कहा कि शहीद कभी मरते नहीं वे राष्ट्र की आत्मा में सदैव जीवित रहते हैं।" उनके बलिदान को कोई भी राष्ट्र कभी भुला नहीं सकता। यह गौरव द्वार आने वाली पीढ़ियों को देशभक्ति, राष्ट्रसेवा और बलिदान की प्रेरणा देता रहेगा।इस गौरवपूर्ण अवसर का महत्व इसलिए भी विशेष है क्योंकि तीन जुलाई को शहीद कर्नल आशुतोष शर्मा की जन्म जयंती का दिन है। उनके जन्मदिवस पर उनकी स्मृति में गौरव द्वार का शिलान्यास पूरे क्षेत्र के लिए गर्व, सम्मान और भावनाओं का अविस्मरणीय क्षण बन गया। सर्वोच्च बलिदान को नमन करते हुए उन्हें भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की।

कार्यक्रम में ग्राम प्रधान श्यौराज सिंह लोधी, मास्टर दिनेश चंद्र पाठक, सोनू पाठक, जितेंद्र कुमार,महेंद्र गौतम, मास्टर श्यामलाल माहुर, बालवीर सिंह नेताजी, राजेंद्र नेताजी, आकाश गौतम, विशाल गौतम, रविंद्र गौतम, हरिदत्त माहुर ,रजक सैफी, इसरार अंसारी, हुकम सिंह गौतम, जितेंद्र शर्मा, नवनीत शर्मा, राहुल मुनीम, नेपाल प्रजापति, उधम सिंह लोधी, बबलू प्रधान आदि मौजूद रहे।

जिला सहकारी बैंक शाखा में राष्ट्रीय सहकारिता सप्ताह 6 जुलाई 2026 को शिविर का आयोजन

औरंगाबाद/बुलंदशहर (सब का सपना):- राष्ट्रीय सहकारिता सप्ताह (22 जून से 6 जुलाई 2026) के दौरान वित्तीय साक्षरता, डिजिटल वित्तीय सेवाओं, बचत, ऋण, बीमा, पेंशन तथा अन्य वित्तीय समावेशन सम्बन्धी विषयों पर व्यापक जागरूकता कार्यक्रम शिविर जिला सहकारी बैंक शाखा छतारी में 6 जुलाई 2026 को प्रातः 10:30 बजे आयोजित किया जाना है। आप समस्त क्षेत्रीय नागरिकों को सूचित किया जाता है कि कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में 'जिला विकास प्रबन्धक' नाबार्ड बुलन्दशहर एवं विशिष्ट अतिथि 'अपर जिला सहकारी अधिकारी' तहसील शिकारपुर संचालित योजनाओं से क्षेत्रीय नागरिकों को अवगत कराएंगे। एक सामाजिक कार्यकर्ता महिला, सादिया अहमद, महिला सशक्तिकरण की योजनाओं पर प्रकाश डालेंगी। मुख्य आयोजक के रूप में मो० शहीम खान, शाखा प्रबन्धक जिला सहकारी बैंक शाखा छतारी एवं सोहनपाल सिंह, सचिव (बी. पैक्स छतारी, कमौना, चौढेरा) द्वारा कार्यक्रम संपन्न किया जायेगा। समस्त बैंक/समिति कर्मचारी ईश्वर दयाल, महेश प्रसाद, दिनेश चन्द शर्मा कार्यालय सहायक, रोहित शर्मा, अशोक शर्मा, राजकुमार उर्फ गुड्डू आदि कार्यक्रम में सहयोग हेतु शाखा पर उपस्थित रहेंगे।

प्लास्टिक मानव व पशुओं के लिए बन रही खतरा

बुगरासी/बुलंदशहर (सब का सपना):- प्लास्टिक प्रयोग पर पाबंदी लगाने के लिए सरकार ऐडी चोटी का जोर लगा रही है लेकिन इसका प्रयोग बंद होने का नाम ही नहीं ले रहा है। जिसके चलते प्रदूषण पर नियंत्रण नहीं हो पा रहा है। कस्बे से लेकर देहात में परचून की दुकानों पर व रैस्टोरैटों होटलों व चाय की दुकानों पर भी केतली में चाय नहीं देकर प्लाटिक में ही चाय परोसी जा रही है। यहां तक की सब्जी पनीर आदि भी पिन्नी में ही दिये जा रहे हैं। ये प्लास्टिक जन जीवन के लिए खतरा बनती जा रही है।फिर भी लोग अधिकतर इसका ही प्रयोग रात दिन कर रहे हैं। प्लास्टिक खतरे के प्रति जागरूकता के लिए सरकार प्रति वर्ष तीन जुलाई को अंतर राष्ट्रीय प्लास्टिक बैग मुक्ति दिवस मनाया जाता है। अनदेखी के चलते सिंगल यूज प्लास्टिक दवे पाव खाघ सामग्री व अन्य घरेलू काम में आने वाले उत्पादों के जरिए परियावरण को प्रदूषित कर रही है।साथ ही लोगों के स्वास्थ्य के लिए खतरा बढ रहा है।साथ ही चाय ममोज समोसे चटनी भी प्रतिबंधित प्लास्टिक में ही पैक होकर मिल रहे हैं। अगर शीघ्र ही लोग इसके खतरे के बारे मे नही समझे तो गंभीर परिणाम भुगतने पड़ेंगे। सरकार इसके स्थान पर कपडे व जूट के थैले के प्रयोग को कहती हैं।

ईओ नीतू सिंह ने जन जागरूकता अभियान के तहत कपड़े के थैले बांटे

शिकारपुर/बुलंदशहर (सब का सपना):- अंतर्राष्ट्रीय प्लास्टिक बैग फ्री डे के अवसर पर नगर पालिका परिषद द्वारा नगर में विशेष जनजागरूकता अभियान चलाया गया। जिसके अंतर्गत ईओ नीतू सिंह के नेतृत्व में फल और सब्जी की ठेली लगाने वाले लोगों और अन्य दुकानदारों को कपड़े के थैलों का वितरण किया गया तथा सभी से प्रतिबंधित सिंगल यूज प्लास्टिक एवं पॉलीथिन का उपयोग पूर्णतया बंद करने की अपील की गई। इस दौरान सभासद गौतम सूर्यवंशी, वीरेंद्र गर्ग, मुकेश गर्ग, रंजीत सैनी आदि ने दुकानदारों एवं आम नागरिकों से संवाद कर पर्यावरण संरक्षण के लिए कपड़े के थैलों को अपनाने तथा प्लास्टिक मुक्त शिकारपुर बनाने में अपना सहयोग देने का आह्वान किया। ईओ नीतू सिंह ने प्लास्टिक को प्रदूषण पर्यावरण, मानव स्वास्थ्य एवं पशु-पक्षियों के लिए गंभीर खतरा बताया और कहा कि अगर प्रत्येक व्यक्ति कपड़े के थैले का उपयोग करने का संकल्प ले, तो एक स्वच्छ, सुंदर एवं प्लास्टिक मुक्त शिकारपुर का निर्माण किया जा सकता है।

विधायक लक्ष्मीराज सिंह ने किया सीसी सड़क का लोकार्पण

सिकंदराबाद/बुलंदशहर (सब का सपना):- विधानसभा क्षेत्र के ग्राम चोला में विधायक लक्ष्मीराज सिंह ने हरिओम शर्मा के मकान से स्वर्गीय अशोक (पूर्व प्रधान) के आवास तक 31.47 लाख की लागत से निर्मित 550 मीटर लंबी सीसी सड़क का लोकार्पण कर क्षेत्रवासियों को समर्पित किया। विधायक ने कहा कि यह मार्ग लंबे समय से जर्जर था, जिससे ग्रामीणों को आवागमन में परेशानी होती थी। उन्होंने कहा कि योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में प्रदेश सरकार ग्रामीण क्षेत्रों में आधारभूत सुविधाओं का तेजी से विकास कर रही है। सड़क निर्माण से अब लोगों को सुरक्षित एवं सुगम आवागमन की सुविधा मिलेगी। कार्यक्रम में जनप्रतिनिधि, गणमान्य नागरिक एवं बड़ी संख्या में ग्रामीण उपस्थित रहे।

पशुशाला में चारा डालते समय सांप ने डसा, किसान की उपचार के दौरान मौत

नहटौर/बिजनौर (सब का सपना):- क्षेत्र के गांव मटोरा मान में सांप के डसने से 32 वर्षीय किसान की उपचार के दौरान मौत हो गई। घटना से परिवार में कोहराम मच गया और गांव में शोक की लहर दौड़ गई। जानकारी के अनुसार ग्राम मटोरा मान निवासी उस्मान अंसारी (32) पुत्र नफीस अंसारी बुधवार सुबह करीब 10 बजे अपनी पशुशाला में पशुओं को चारा डालने गए थे। इसी दौरान उन्हें सांप ने उंगली में डस लिया। बताया जाता है कि पहले उन्हें इसका एहसास नहीं हुआ, लेकिन कुछ ही देर बाद सांप ने दोबारा डसा, तब उन्हें घटना का पता चला। परिजन तत्काल उन्हें उपचार के लिए नजदीकी सरकारी अस्पताल ले गए। हालत गंभीर होने पर चिकित्सकों ने उन्हें मेरठ रेफर कर दिया, लेकिन वहां उपचार के दौरान उनकी मौत हो गई। ग्राम प्रधान अतीक अहमद अंसारी ने घटना की पुष्टि करते हुए बताया कि गुरुवार सुबह करीब 10 बजे उस्मान अंसारी का अंतिम संस्कार कर दिया गया। बताया जाता है कि उस्मान की पत्नी पहले ही उन्हें छोड़कर चली गई थी। उनके परिवार में अब केवल एक पुत्र है। किसान की असमय मृत्यु से परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है, वहीं गांव में भी शोक का माहौल है।

शहीद कर्नल आशुतोष शर्मा की स्मृति में गौरव द्वार का शिलान्यास

औरंगाबाद/बुलंदशहर (सब का सपना):- ग्राम परवाना में वीर चक्र विजेता अमर शहीद कर्नल आशुतोष शर्मा की जन्मतिथि पर उनकी स्मृति में बनाए जा रहे गौरव द्वार का शुक्रवार को जिला पंचायत अध्यक्ष डॉ. अंतुल तेवतिया ने वैदिक मंत्रोच्चार के बीच भूमिपूजन एवं शिलान्यास किया। इस अवसर पर उन्होंने शहीद की माता श्रीमती सुधा शर्मा एवं पत्नी श्रीमती पल्लवी शर्मा को सम्मानित करते हुए शहीद के बलिदान को नमन किया। कार्यक्रम में शहीद के परिजनों, जनप्रतिनिधियों एवं बड़ी संख्या में ग्रामीणों ने पुष्पांजलि अर्पित कर श्रद्धांजलि दी।

दिल्ली सरकार का बड़ा फैसला: 900 करोड़ रुपये की लागत से बनेंगे 27 नए पक्के स्कूल, 18 महीने में होगा तैयार

नई दिल्ली। राजधानी में सरकारी स्कूलों के बुनियादी ढांचे को मजबूत करने की दिशा में बड़ा कदम उठाया है। शिक्षा विभाग ने करीब 900 करोड़ रुपये की लागत से 27 नए पक्के स्कूल भवन बनाने की योजना तैयार की है। इन स्कूलों का निर्माण राजधानी के विभिन्न इलाकों में खाली सरकारी भूखंडों पर किया जाएगा। परियोजना को 18 माह में पूरा करने का लक्ष्य रखा गया है। शिक्षा निदेशालय (डीओई) ने इस परियोजना के लिए केंद्र सरकार के सार्वजनिक उपक्रमों (पीएसयू) से प्रोजेक्ट मैनेजमेंट कंसल्टेंट-कम-ईपीसी एजेंसी नियुक्त करने हेतु टेंडर जारी किया है। चयनित एजेंसी डिजाइन तैयार करने से लेकर निर्माण, सभी वैधानिक मंजूरियां प्राप्त करने और स्कूलों को पूरी तरह तैयार कर शिक्षा विभाग को सौंपने तक की जिम्मेदारी निभाएगी। 27 स्थानों को पांच भौगोलिक क्लस्टर में बांटा गया निर्माण कार्य में तेजी और बेहतर निगरानी के लिए 27 स्थानों को पांच भौगोलिक क्लस्टर में बांटा गया है। इनमें नरेला, बवाना, भलस्वा, सलेमपुर माजरा, दरियापुर कलां, रोहिणी, मुंडका, सावदा घेवर, शालीमार बाग, बक्करवाला, हस्तसाल, श्याम विहार, नांगली विहार, कुतुबापुर, कापसहेड़ा, जाफरपुर, जौनापुर, सतबाड़ी और असोला जैसे इलाके शामिल हैं। नए स्कूलों में ध्वनि रोधी (एकास्टिक) कक्षाएं, पुस्तकालय, विज्ञान प्रयोगशालाएं, बहुउद्देश्यीय हाल, प्रशासनिक ब्लाक, आधुनिक शौचालय, फर्नीचर और खेल व अन्य बाहरी सुविधाएं विकसित की जाएंगी। साथ ही सीवेज ट्रीटमेंट प्लांट, वर्षा जल संचयन, जल शोधन प्रणाली, ऊर्जा भंडारण, सौर ऊर्जा संयंत्र, नेटवर्किंग और ठोस कचरा प्रबंधन जैसी आधुनिक व्यवस्थाएं भी होंगी। भवनों का निर्माण ग्रीन बिल्डिंग मानकों के अनुरूप शिक्षा विभाग के अनुसार सभी भवनों का निर्माण ग्रीन बिल्डिंग मानकों के अनुरूप किया जाएगा और इन्हें जीआरआइएचए की तीन या चार स्टार रेटिंग प्राप्त करने योग्य बनाया जाएगा। भवनों के स्ट्रक्चरल डिजाइन की जांच आइआइटी या शिक्षा विभाग द्वारा अनुमोदित समकक्ष संस्थान से कराई जाएगी। स्कूलों का डिजाइन सीबीएसई संबद्धता उपनियम, शिक्षा का अधिकार (आरटीई) अधिनियम, दिल्ली स्कूल शिक्षा अधिनियम, राष्ट्रीय भवन संहिता और यूनिफाइड बिल्डिंग बायलाज के अनुरूप तैयार किया जाएगा।

ध्रुव राठी के हिंदू देवी-देवताओं वाले 'आपत्तिजनक' वीडियो पर दिल्ली एचसी सख्त, केंद्र सरकार से पूछा- कब हटेगा?

नई दिल्ली। यूट्यूबर ध्रुव राठी के हिंदू-देवताओं के मांस खाने वाले वीडियो पर शुक्रवार को दिल्ली हाई कोर्ट में सुनवाई हुई। सुनवाई के दौरान दिल्ली हाई कोर्ट ने केंद्र की शिकायत कमिटी को वीडियो हटाने पर फैसला करने के लिए 15 दिन का समय दिया है। जस्टिस स्वर्ण कांता शर्मा ने जीएसी को वकील अमिता सचदेवा की अपील पर फैसला करने का निर्देश दिया, जिन्होंने राठी के वीडियो को लेकर उनके खिलाफ क्रिमिनल केस भी किया है। देवताओं के मांस खाने का जिक्र किया राठी ने वीडियो में हिंदू धर्मग्रंथों में खान-पान की आदतों पर बात की है। उन्होंने तर्क दिया कि पुराने ग्रंथों और ऋषियों में भगवान राम और भगवान कृष्ण जैसे देवताओं के मांस खाने का जिक्र है। वीडियो बहुत अपमानजनक सचदेवा ने अपनी याचिका में जीएसी को उनकी अपील पर फैसला करने या कथित तौर पर आपत्तिजनक वीडियो को हटाने का निर्देश देने की मांग की। उन्होंने आरोप लगाया कि वीडियो बहुत अपमानजनक, भड़काऊ और सांप्रदायिक रूप से संवेदनशील है। शिकायतकर्ता अमिता सचदेवा ने आरोप लगाया था कि वीडियो में सनातन धर्म का अपमान, हिंदू धर्मग्रंथों को गलत तरीके से पेश करना, हिंदू-विरोधी भावनाएं फैलाना और धार्मिक अशांति भड़काना शामिल है। ये सभी गंभीर अपराध हैं जिन पर तुरंत ध्यान देने की जरूरत है।

शरीर के 7 चक्र क्या हैं और सेहत पर उनका क्या असर पड़ता है?

ऐसा माना जाता है कि अगर ये चक्र सुसुप्त यानी सो रहे हैं तो आपका जीवन भी नीरस है। इसलिए परम आनंद के साथ मोक्ष प्राप्ति के लिए इनको जागृत करना बहुत जरूरी है। जागृत होने के बाद ये चक्र शरीर के साथ मन और आत्मा को किस तरह प्रभावित करते हैं, इसके बारे में इस लेख में हम विस्तार से बात करते हैं।

क्या हैं चक्र

चक्र एक संस्कृत शब्द है, जिसका अर्थ पहिया होता है। ये शरीर के अंदर स्थित वे बिंदु हैं, जिनसे शरीर को ऊर्जा मिलती है, ये सात प्रकार के होते हैं। ये विभिन्न अंगों तथा मन एवं बुद्धि के कार्य को सूक्ष्म-ऊर्जा प्रदान करते हैं। ये व्यक्ति की सूक्ष्मदेह से संबंधित होते हैं। इनको कुंडलिनी चक्र भी कहा जाता है।

मूलाधार चक्र

यह गुदा और लिंग के बीच चार पंखुड़ियों वाला आधार चक्र है। प्राणायाम करके, अपना ध्यान मूलाधार चक्र पर केंद्रित करके मंत्र का उच्चारण करने से यह जागृत होता है। इसका मूल मंत्र 'लं' है। धीरे-धीरे जब यह चक्र जागृत होता है तो व्यक्ति में लालच खत्म हो जाता है और व्यक्ति को आत्मीय ज्ञान प्राप्त होने लगता है। यह लालच को समाप्त करता है।

स्वाधिष्ठान चक्र

मूलाधार चक्र के ऊपर और नाभि के नीचे स्थित होता है, स्वाधिष्ठान चक्र, इसका संबंध जल तत्व से होता है। इस चक्र के जागृत हो जाने पर शारीरिक समस्या और विकार, क्रूरता, आलस्य, अविश्वास आदि दुर्गुणों का नाश होता है। शरीर में कोई भी विकार जल तत्व के ठीक न होने से होता है। इसका मूल मंत्र 'वं' है।

मणिपूर चक्र

यह नाभि से ऊपर होता है। यौगिक क्रियाओं से कुंडलिनी जागरण करने वाले साधक जब ऊर्जा मणिपूर चक्र में जुटा लेते हैं, तो वो कर्मयोगी बन जाते हैं। यह प्रसुप्त पड़ा रहे तो लालच, ईर्ष्या, चुगली, लज्जा, भय से मन प्रभावित होता है। इसके जागृत होने से ये विकृतियां समाप्त हो जाती हैं।

अनाहत चक्र

यह चक्र व्यक्ति के सीने में रहता है। इसको जागृत करने हृदय पर ध्यान केंद्रित कर मूल मंत्र 'यं' का उच्चारण करना चाहिए। यह जागृत होते ही बहुत सिद्धियां प्राप्त होती है। यह सोता रहे तो कपट, तनाव, अहं यानी मोह और अहंकार से मनुष्य भरा रहता है।

विशुद्ध चक्र

यह चक्र गले में रहता है। इसे जागृत करने के लिए व्यक्ति को कंठ पर ध्यान केंद्रित कर मूल मंत्र 'हं' का उच्चारण करना चहिए। इसके जागृत होने से व्यक्ति अपनी वाणी को सिद्ध कर सकता है। इस चक्र के जागृत होने से संगीत विद्या सिद्ध होती है, मस्तिष्क अधिक क्रियाशील हो जाता है और सोचने समझने की शक्ति बेहतर हो जाती है।

सहस्रार चक्र

सहस्रार चक्र व्यक्ति के मष्तिष्क के मध्य भाग में होता है। बहुत कम लोग होते हैं जो इसको जागृत कर पाते हैं, चूंकि इसे जाग्रत करना बहुत मुश्किल काम है। इसको जाग्रत कर व्यक्ति परमानंद प्राप्त करता है और सुख-दुःख का उस पर असर नहीं होता है।

आज्ञा चक्र

आज्ञा चक्र भ्रू मध्य अर्थात दोनों आंखों के बीच में केंद्रित होता है। इस चक्र को जागृत करने के लिए व्यक्ति को मंत्र '' का जाप करना चाहिए। इसके जाग्रत होने से इंसान को आत्म ज्ञान प्राप्त होता है।

रेसिपी

ब्लैक करंट शीर

सामग्री

- बटर/मक्खन: 2 टेबलस्पून
- 1/4 कप सेवईं: 2 टेबलस्पून
- चीनी: 1/2 कप
- दूध: 3 कप
- किशमिश: 2 टेबलस्पून
- खजूर कटे हुए: 2 टेबलस्पून
- चिरौंजी: 1 टीस्पून
- इलायची पाउडर: 1/2 टीस्पून
- गुलाब जल: 2 टेबलस्पून
- ब्लैककरंट छोटे टुकड़ों कटें (फालसेब) : 1/4 कप
- इलायची पाउडर: एक चुटकी

विधि

सबसे पहले नॉनस्टिक तवे में बटर डालकर धीमी आंच पर गर्म करें। इसके बाद सेवई डालें और सुनहरा होने तक भून लें। सेवई के सुनहरी होने के बाद दूध डालकर एक से दो उबाल आने तक पकाएं। इसके बाद चीनी डाल दें, साथ ही साथ ड्राई फ्रूट्स और किशमिश डालकर अच्छे से मिला लें और 3 से 4 मिनट तक पकाएं। तय समय बाद खजूर, चिरौंजी, इलायची पाउडर और गुलाब जल डालकर 1 से 2 मिनट तक ढककर पकाएं। अगर शीर खुरमा ज्यादा गाढ़ा हो जाए तो थोड़ा गर्म पानी मिला लें। तय समय बाद आंच बंद कर लें। तैयार शीर खुरमा को कटोरी में डाल लें। इसमें चुटकीभर इलायची पाउडर और ब्लैककरेंट/फालसेब डालकर अच्छे से मिलाएं और सर्व करें।

दही पराठा

सामग्री

- आटा: 2 कप
- दही: 1 कप
- पुदीना: एक मुट्ठी
- हल्दी: 1/4 टीस्पून
- धनियापत्ती: 1/2 मुट्ठी
- घी: 1/2 कटोरी
- 1 प्याज, बारीक कटा
- अजवाइन: 1/4 टीस्पून
- 3 हरी मिर्च बारीक काटी
- 1/2 छोटी कटोरी दाल
- नमक: स्वाद के अनुसार
- पराठा सेंकने के लिए तेल
- जरूरत के अनुसार पानी

विधि

सबसे पहले पुदीना-धनियापत्ती का धोकर बारीक काट लें। एक बर्तन में आटा लेकर प्याज, अजवाइन, हरी मिर्च, हल्दी, नमक और 3-4 चम्मच घी डालकर मिक्स करें। इसमें पुदीना-धनियापत्ती, दही और दाल डालकर आटा तैयार करें। तैयार आटे पर तेल लगाकर 10 मिनट रख दें। फिर से आटे को गूंद लें। एक प्लेट पर पलथन/सूखा आटा रख लें। आटे की बराबर लोइयां काट लें। एक लोई लेकर रोटी जैसे बेल लें। इस पर घी लगाएं और सूखा आटा लगाकर आधा मोड़ दें। इस हिस्से पर भी घी और सूखा आटा छिड़ककर मोड़ दें। इसे पराठे को बेलकर चौड़ा कर लें। मीडियम आंच पर तवा गर्म करें। इस पर पराठा डालकर दोनों तरफ सेंक लें। तैयार दही पराठा चटनी-अचार के साथ खिलाएं।

टाईम पास

आज का राशिफल

मेष (चू चे चो ला ली लू ले लो आ): कहीं रुका हुआ पैसा वसूलने में मदद मिल जाएगी। व्यर्थ प्रपंच में समय नहीं गंवाकर अपने काम पर ध्यान दीजिए। अच्छे कार्य के लिए रास्ते बना लेंगे। अपने हित के काम सुबह-सबेरे निपटा लें। पूर्व नियोजित कार्यक्रम सरलता से संपन्न हो जाएंगे। व्यापार व व्यवसाय में स्थिति उत्तम रहेगी। शुभांक-3-6-8

वृष (इ उ ए ओ वा वी वू वे वो): व्यापार व व्यवसाय में ध्यान देने से सफलता मिलेगी। बुरी संगति से बचें। अपनों का सहयोग प्राप्त होगा। पत्नी व संतान पक्ष से थोड़ी चिंता रहेगी। शिक्षा में आशानुकूल कार्य होने में संदेह है। व्यवसाय में स्थिति उत्तम रहेगी। नौकरी में पदोन्नति की संभावना। मित्रों से सावधानी रखें तो ज्यादा उत्तम है। शुभांक-4-5-6

मिथुन (का की कू घ ड छ के को हा): शारीरिक सुख के लिए व्यसनों का त्याग करें। संतान पक्ष की समस्या समाप्त होगी। पठन-पाठन में स्थिति कमजोर रहेगी। खान-पान में सावधानी रखें। कामकाज में आ रहा अवरोध दूर होकर प्रगति का रास्ता मिल जाएगा। मान-सम्मान में वृद्धि होगी। अच्छे कार्य के लिए रास्ते बना लेंगे। शुभांक-2-4-5

कर्क (ही हू हे हो डा डी डू डे डो): रुपए पैसों की सुविधा नहीं मिल पाएगी। कामकाज सीमित तौर पर ही बन पाएंगे। स्वास्थ्य का पाया भी कमजोर बना रहेगा। यात्रा प्रवास का सार्थक परिणाम मिलेगा। मेल-मिलाप से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। अपने काम में सुविधा मिल जाने से प्रगति होगी। मेहमानों का आगमन होगा। शुभांक-3-6-9

सिंह (मा मी मू मे मो टा टी टू टे): समाज में मान-सम्मान बढ़ेगा। नवीन जिम्मेदारी बढ़ने के आसार रहेंगे। यात्रा शुभ रहेगी। अपने काम को प्राथमिकता से करें। आशा और उत्साह के कारण सक्रियता बढ़ेगी। आगे बढ़ने के अवसर लाभकारी सिद्ध हो रहे है। कुछ आर्थिक संकोच पैदा हो सकते है। भाई-बहनों का प्रेम बढ़ेगा। शुभांक-2-4-6

कन्या (टो पा पी पू ष ण ठ पे पो): महत्वपूर्ण कार्य को समय पर बना लें तो अच्छा ही होगा। आशा और उत्साह के कारण सक्रियता बढ़ेगी। आगे बढ़ने के अवसर लाभकारी सिद्ध हो रहे है। कुछ आर्थिक संकोच पैदा हो सकते हैं। कोई प्रिय वस्तु अथवा नवीन वस्त्राभूषण प्राप्त होंगे। सभा-गोष्ठियों में मान-सम्मान बढ़ेगा। शुभांक-7-8-9

तुला (रा री रु रे रो ता ती तू ते): धार्मिक आस्थाएं फलीभूत होंगी। निर्मूल शंकाओं के कारण मनस्ताप भी पैदा हो सकते है। लाभदायक कार्यों की चेष्टाएं प्रबल होंगी। बुद्धितत्व की सक्रियता से अल्प लाभ का हर्ष होगा। कुछ महत्वपूर्ण कार्य बनाने के लिए भाग-दौड़ रहेगी। सुखद समय की अनुभूतियां प्रबल होगी। शुभांक-6-8-9

वृश्चिक (तो ना नी नू ने नो य यी यू): घर के सदस्य मदद करेंगे और साथ ही आर्थिक बदहाली से भी मुक्ति मिलने लगेगी। बढ़ते घाटे से कुछ राहत मिलने लगेगी। दवा-दारू में ज्यादा खर्च होगा। हाथ में आने वाला धन भी किसी अवरोध का शिकार हो जाएगा। व्यापार में स्थिति उत्तम रहेगी। धार्मिक स्थलों की यात्रा का योग है। शुभांक-5-6-9

धनु (ये यो भा भी भू धा फा ढा भे): चापलूस मित्रों से सावधानी रखें तो ज्यादा उत्तम है। शत्रुभय, चिंता, संतान को कष्ट, अपव्यय के कारण बनेंगे। संतोष रखने से सफलता मिलेगी। नौकरी में स्थिति सामान्य ही रहेगी। शैक्षणिक क्षेत्र में उदासीनता रहेगी। सब्र का फल मीठा होता है अत:धैर्य रखें व अच्छे समय इन्तजार करें। शुभांक-5-7-8

मकर (भे जा जी खी खू खे खो गा गी): थोड़े प्रयास से कार्य सिद्ध होंगे। घर-परिवार में मांगलिक कार्य सम्पन्न होने से वातावरण आनन्द देने वाला बना रहेगा। बाहरी और अंदरूनी सहयोग मिलता चला जाएगा। सुबह-सुबह की महत्त्वपूर्ण सिद्धि के बाद दिन-भर उत्साह बना रहेगा। किये गए कार्यों का प्रतिफल मिलेगा। शुभांक-4-6-7

कुंभ (गू गे गो सा सी सू से सो दा): कुछ प्रतिकूल गोचर का क्षोभ दिन-भर रहेगा। दिन-भर का माहौल आडंबरपूर्ण और व्ययकारी होगा। वरिष्ठ लोगों से कहासुनी वातावरण में तनाव पैदा करेंगे। संयमित भाषा का इस्तेमाल करें। आवेग में आकर किये गए कार्यों का म्लान, अवसाद रहेगा। जरा-सी लापरवाही आपको परेशानी में डाल सकती हैं। शुभांक-3-5-7

मीन (दी दू थ झ ञ दे दो चा ची): प्रतिष्ठा बढ़ाने के लिए कुछ सामाजिक कार्य संपन्न होंगे। कई प्रकार के हर्ष उल्लास के बीच अप्रत्याशित लाभ होंगे। आमोद-प्रमोद का दिन होगा और व्यावसायिक प्रगति भी होगी। स्वास्थ्य और जीवन स्तर में सुधार की अपेक्षा रहेगी। ज्ञान-विज्ञान की वृद्धि होगी और सज्जनों का साथ भी रहेगा। शुभांक-2-4-6

काकुरो पहेली - 3937

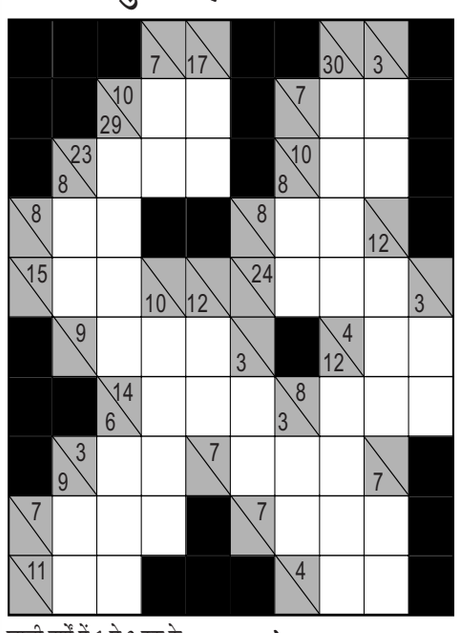

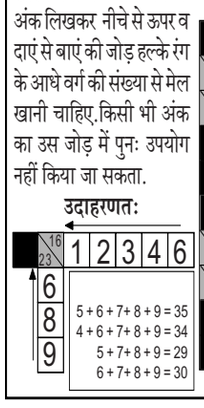

खाली वर्गों में 1 से 9 तक के अंक लिखकर नीचे से ऊपर व दाएं से बाएं की जोड़ हल्के रंग के आधे वर्ग की संख्या से मेल खानी चाहिए. किसी भी अंक का उस जोड़ में पुनः उपयोग नहीं किया जा सकता.

उदाहरणत:

5+6+7+8+9=35
4+6+7+8+9=34
5+7+8+9=29
6+7+8+9=30

काकुरो - 3936 का हल

हंसी के फूव्वारें

मियां-बीवी में धन-दौलत की मिल्कियत को लेकर जबरदस्त कहा-सुनी हो गई. बीवी ने गुस्से से कहा, 'तुम्हारा इस घर में है क्या, जो कुछ है, सब मेरे पिता ने दहेज में दिया है.'

संयोगवश उसी रात घर में चोर घुस गए. बीवी की आंख खुल गई. वह मियां को जगाने लगी, 'जल्दी उठो, घर मे चोर घुस आए हैं.'

मियां ने करवट बदलते हुए कहा, 'मै क्यों उठूं, मेरा इस घर में है ही क्या?'

□ □ □

जज (अभियुक्त से) - तुम्हारी पहली पत्नी की मौत कार दुर्घटना से हुई थी, जबकि दूसरी पत्नी जहर खाकर मर गई. ऐसा क्यों हुआ?

अभियुक्त (जज से) - दूसरी पत्नी कार चलाना नहीं जानती थी.

□ □ □

एक ग्राहक होटल के बैरे से - अरे इस गिलास में पत्ता गिरा है.

बैरा (ग्राहक से) - इसमें कोई ताज्जुब की बात नहीं है, इस शहर में हमारे होटल की कई शाखाएं हैं.

□ □ □

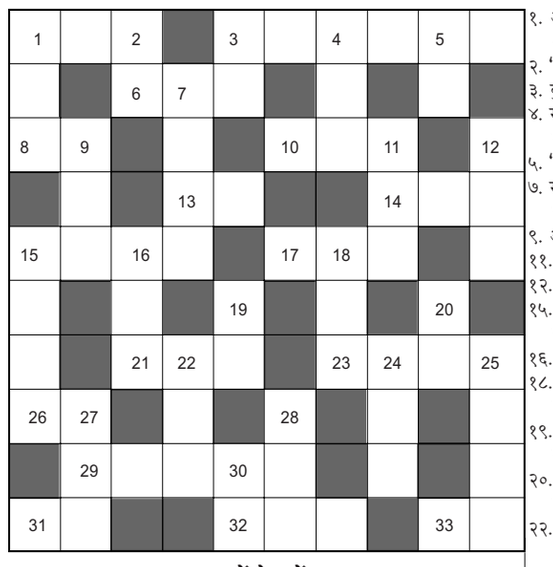

रमेश - अरे, आपका लड़का फेल हो गया है और आप मिठाई खिला रहे हो?

नेता जी - पास, फेल क्या मायने रखता है, बहुमत तो इसके साथ है. पचास में से पैतीस बच्चे इसके साथ फेल हुए हैं.

फिल्म वर्ग पहेली- 3937

बायें से दायें:-

१. अजय देवगन, उर्मिला, महिमा की 'चुराओ ना दिल' गीत वाली फिल्म-३
३. 'प्रेमी आशिक आवारा' गीत वाली अजय देवगन, मधु की फिल्म-२,२,२
६. जिमी शेरगिल, ऋशिता की 'आँखें भी होती हैं' गीत वाली फिल्म-३
८. 'सरकी चुनरिया रे' गीत वाली अभिषेक, भूमिका की फिल्म-२
१०. शत्रुघ्न सिन्हा, श्रीदेवी की 'कोई मर्द ना ऐसा' गीत वाली फिल्म-३
१३. 'क्यूं मेरा दिल' गीत वाली करण नाथ, मनीषा, नतान्या की फिल्म-२
१४. सनी देओल, फरहा की 'रूत पिया मिलन की आई' गीत वाली फिल्म-३
१५. 'तेरी निगाहों पें मर' गीत वाली महमूद, विजयलक्ष्मी की फिल्म-४
१७. अक्षय, सुनील, करिश्मा, सोनाली की 'तेरा ये देख' गीत वाली फिल्म-३
२१. 'जिस दिल में बसा था' गीत वाली प्रदीपकुमार, कल्पान की फिल्म-३
२३. शशिकपूर, शर्मिला की 'वो तेरे प्यार का गम' गीत वाली फिल्म-२,२
२६. फिल्म 'परिचय' में जीतेंद्र के साथ नायिका कौन थी-२
२९. 'मेरे प्यार की आवाज' गीत वाली विनोद खन्ना, नीतू सिंह की फिल्म-५
३१. 'महबूब की मेहंदी' में राजेशखन्ना के साथ नायिका कौन थी-२
३२. जीतेंद्र, श्रीदेवी, जयाप्रदा की 'झोंपड़ी में चारपाई' गीत वाली फिल्म-३
३३. 'ई है बंबई नगरिया' गीत वाली अमिताभ, जीनत की फिल्म-२

ऊपर से नीचे:-

१. अमिताभ, संजयदत्त, अक्षय खन्ना, अमृताराव की आगामी नई फिल्म-३
२. 'करीब' में बॉबी की नायिका -२
३. कुमार गौरव, माधुरी की फिल्म-२
४. सलमान, संजयकपूर, शिल्पा शेट्टी की 'अरे बाब' गीत वाली फिल्म-३
५. 'इश्क समंदर' गीत वाली फिल्म-२
७. संजयकपूर, प्रिया गिल, सुष्मिता की 'होश ना खबर' गीत वाली फिल्म-२,२
९. अमिताभ, संजीव, ऋषि, हेमा की फिल्म-३
११. 'प्यार करना नही' गीत वाली फिल्म-३
१२. किशोरकुमार, मधुबाला की फिल्म-३
१५. राजेद्रकुमार, वहीदा की 'जंगल में मोर नाचा' गीत वाली फिल्म-४
१६. 'आवारा' की नायिका कौन थी-३
१८. 'तुम्हें जिंदगी के' गीत वाली धर्मेन्द्र, मीनाकुमारी की फिल्म-३
१९. विक्रम, लक्ष्मी की 'माई हार्ट इज बीटिंग' गीत वाली फिल्म-२
२०. 'दिलवालों के दिल का' गीत वाली फिल्म-२
२२. कमल हासन, शाहरूख, रानी की फिल्म-१,२
२४. 'पैसे बिना प्यार' गीत वाली फिल्म-३
२५. मिथुन, काजल किरण की 'तेरे नाम का दिवाना' गीत वाली फिल्म-४
२७. ऋषिकपूर, माधुरी की फिल्म-३
२८. रेमो फर्नाडीस के गीत 'देखो देखो ये है जलवा' गीत वाली फिल्म-३
३०. अमिताभ, गोविंदा, किमी की फिल्म-२

फिल्म वर्ग पहेली- 3936

सूडोकु -3937

2	9			5				4
4			2		7		8	
	1	6		8				3
8		5		9				7
3	6			2			1	9
1				3		5		2
5				7		6	3	
	3		1		8			5
9				6			2	1

- प्रत्येक पंक्ति में १ से ९ तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं ३×३ के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते .
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु -3936 का हल

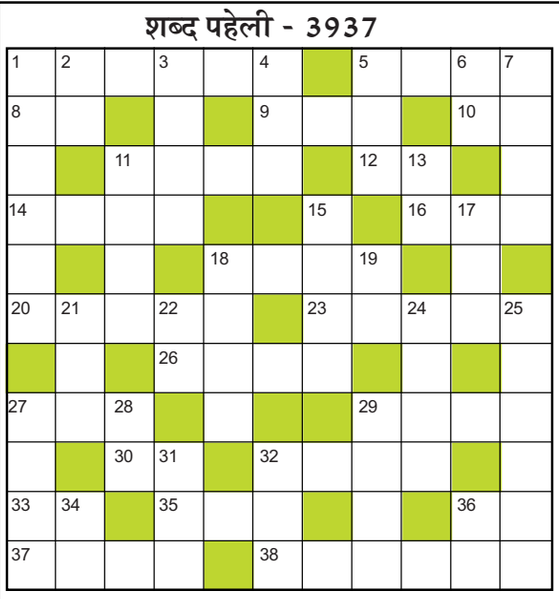

7	8	1	6	9	4	2	5	3
2	6	4	5	3	6	1	7	9
5	3	9	1	2	7	4	6	8
9	5	8	7	4	1	3	2	6
1	2	3	9	5	6	7	8	4
4	7	6	3	8	2	9	1	5
3	9	7	2	6	5	8	4	1
6	4	2	8	1	9	5	3	7
8	1	5	4	7	3	6	9	2

शब्द पहेली - 3937

बाएँ से दाएँ

1.जो आदरणीय न हो-6
5.अनुक्षेपक,अंश -4
8.साथ-2
9.छोटी तलवार-3
10.विदेशी शराब का एक प्रकार -2
11.दुश्मनी-4
12.इस जगह-2
14.अनवरत-4
16.लाचार,बेबस-3
18.धुलाई करना-4
20.न्यूनता,निम्नता-5
23.समुद्री यात्री-5
26.पूंजी,संपत्ति-4
27.असंयमी,स्वच्छंद-3
29.वन में रहनेवाला-4
30.उम्मीद,आशा-2
32.सौंठ,एक कंद-4
33.जोर,बल-2
35.बसंतकाल-3
36.जोश,उग्रता-2
37.पाताल-4
38.सभ्य,होनहार-3,3

ऊपर से नीचे

1.जो संवैधानिक न हो-6
2.सांप,सर्प-2
3.दानेदार-4
4.जिगर,कलेजा-3
5.प्रेम,प्यार-3
6.पंख,पराया-2
7.मरियल, निर्बल-4
11.शत्रुता,वैमनस्यता (उर्दू-4)
13.शिकार फंसाने के लिए चिल्लाना-2
15.सुस्त,उनींदा-4
17.पदक-3
18.विश्वासघात-4
19.बहुमूल्य पत्थर-2
21.रानी,शहजादी-3
22.फलों का जूस-2
24.कुतरने वाला-4
25.मानक समुद्र तल (अंग्रेजी-2,1,3)
27.अपमान,उपेक्षित-4
28.पिता की बहन-2
29.सुखद वस्तु, ईष्ट कृपा, नेमत-4
31.बलवान-3
32.प्रार्थना-3
34.तिल,मस्सा-2
36.52 पत्तों का खेल, प्लेइंग कार्ड-2

शब्द पहेली -3936 का हल

काम के प्रति सलमान के समर्पण के फैन हुए पुलकित

2012 में 'बिट्टू बॉस' से बॉलीवुड में डेब्यू करने वाले पुलकित सम्राट ने 'फुकरे' से इंडस्ट्री में लोकप्रियता हासिल की। इसके बाद पुलकित कई फिल्मों का हिस्सा रहे हैं। हाल ही में पुलकित ने सलमान खान की एक खास सलाह के बारे में बात की, जिसने उनकी जिंदगी बदल दी। साथ ही पुलकित ने यह भी बताया कि बिना किसी मेंटर के इंडस्ट्री में आगे बढ़ना उनके लिए कितना मुश्किल रहा।

पुलकित ने बताया कि अपनी पहली फिल्म के समय हर नए कलाकार की तरह फिल्म के रिलीज होने से पहले वह भी घबराए हुए थे, लेकिन सलमान की बातों ने स्टारडम के बारे में उनका नजरिया बदल दिया। उन्होंने कहा कि मैं बहुत घबराया हुआ था और सोच रहा था कि दर्शक फिल्म और मेरी परफॉर्मेंस को कैसा रिस्पॉन्स देंगे। सलमान भाई ने बस मेरी तरफ देखा और कहा, 'पुलकित, मैं सलमान खान हूं। यहां तक कि मुझे भी अपने अगले शुक्रवार की कोई गारंटी नहीं है। तो तुम खुद को क्या समझते हो? इसके बारे में टेंशन लेकर तुम क्या हासिल कर लोगे?' सलमान की इस सलाह से मुझे यह एहसास हुआ कि अगर उनके कद का कोई व्यक्ति बॉक्स ऑफिस पर सफलता की गारंटी नहीं दे सकता, तो मेरे लिए इस बात की चिंता या तनाव करने का कोई कारण नहीं है।

पुलकित ने आगे सलमान के काम के प्रति समर्पण की तारीफ करते हुए कहा कि वो 24 घंटे फिल्मों के बारे में ही सोचते रहते हैं। कभी-कभी जब उन्हें सिर्फ तीन घंटे की नींद मिल पाती है, तब भी वे अपने प्रोजेक्ट्स के बारे में ही सोचते रहते हैं। चाहे वह किसी किरदार के लिए सही व्यक्ति को चुनना हो या फिर किसी बड़े एक्शन सीन पर विचार करना हो जिसे दर्शक थिएटर में पसंद करें। उनके इस समर्पण को देखकर मुझे एहसास हुआ कि अगर मैं उनकी कामयाबी का 50% भी हासिल करना चाहता हूं, तो मुझे 500% ज्यादा मेहनत करनी होगी।

रश्मिका मंदाना फिर करेंगी अल्लू अर्जुन के साथ काम

शाहरुख कर सकते हैं कैमियो

'पुष्पा' में रश्मिका मंदाना और अल्लू अर्जुन की जबरदस्त केमिस्ट्री को दर्शकों ने खूब पसंद किया था, और अब खबर है कि ये जोड़ी फिल्म 'राका' में फिर साथ नजर आएगी।

अहम भूमिका निभाएंगी रश्मिका!

वैरायटी की रिपोर्ट्स के मुताबिक, रश्मिका मंदाना इस फिल्म में एक अहम भूमिका निभाएंगी। फिल्म की शूटिंग का पहला शेड्यूल जल्द ही मुंबई में शुरू होने वाला है और रश्मिका भी जल्द इस शेड्यूल को जॉइन करेंगी। डायरेक्टर एटली की इस फिल्म को लेकर पहले से ही काफी चर्चा है, और रश्मिका की एंट्री से फैंस का एक्साइटमेंट और बढ़ गया है। दर्शक इस प्रोजेक्ट से जुड़ी हर नई अपडेट का बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं।

क्या शाहरुख खान का होगा कैमियो?

खबरों की मानें तो इस फिल्म में रश्मिका के अलावा मृणाल ठाकुर और जाह्नवी कपूर भी अहम किरदारों में नजर आ सकती हैं। वहीं, यह भी चर्चा है कि शाहरुख खान फिल्म में कैमियो कर सकते हैं, हालांकि अभी तक मेकर्स की तरफ से इसकी कोई आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है। हाल ही में ऐसी भी खबर आई थी कि फिल्म का टीजर एक वर्चुअल इवेंट में लॉन्च किया जा सकता है, जिसमें एटली, अल्लू अर्जुन और दीपिका पादुकोण शामिल हो सकते हैं। अल्लू अर्जुन के 44वें जन्मदिन के मौके पर मेकर्स ने 'राका' का पहला पोस्टर रिलीज किया था। इस पोस्टर में अल्लू अर्जुन का चेहरा फर के पीछे आंशिक रूप से छिपा हुआ नजर आता है, जिसमें उनके लुक को काफी वाइल्ड और दमदार दिखाया गया है। उनकी आंखें काफी पावरफुल और रहस्यमयी लग रही हैं।

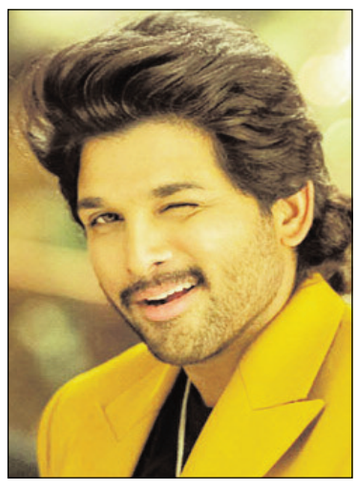

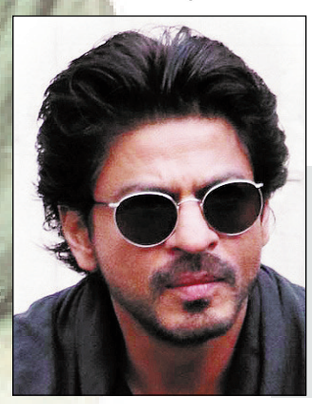

फिल्म से जुड़ी और जानकारी

बताया जा रहा है कि 'राका' को 700 करोड़ रुपये से ज्यादा के बड़े बजट पर बनाया जा रहा है। इस फिल्म को सन पिक्चर्स प्रोड्यूस कर रही है। मुंबई में जल्द ही इसका अगला शूटिंग शेड्यूल शुरू होगा और पूरे साल इसकी शूटिंग जारी रह सकती है।

फिल्मों में स्क्रीन टाइम नहीं, दमदार किरदार चाहिए

अभिनेत्री चेतना पांडे को हालिया रिलीज फिल्म 'हॉन्टेड 3डी: इकोज ऑफ द पास्ट' से दर्शकों से अच्छा रिस्पॉन्स मिल रहा है। इस सफलता के बीच चेतना ने करियर, फिल्मों के चुनाव और भविष्य की योजनाओं को लेकर बातचीत की।

उन्होंने कहा कि अब वह केवल ऐसे प्रोजेक्ट्स का हिस्सा बनना चाहती हैं, जो उन्हें एक कलाकार के तौर पर आगे बढ़ाएं और दर्शकों के दिलों पर गहरी छाप छोड़ें। चेतना पांडे ने कहा, ' 'करियर के इस पड़ाव पर मैं खुद को किसी एक तरह के किरदार या फिल्म शैली तक सीमित नहीं रखना चाहती। हॉरर फिल्म में काम करने के बाद मुझे इस शैली की ताकत का एहसास हुआ है, इसलिए मैं आगे भी हॉरर फिल्मों में काम करना चाहूंगी। मैं सिर्फ इसी शैली तक सीमित नहीं रहना चाहती। एक कलाकार के रूप में मेरा सबसे बड़ा सपना खुद को और अपने दर्शकों को लगातार नए रूप में चौंकाना है।''

अभिनेत्री ने कहा, 'मैं ऐसा किरदार निभाना चाहती हूं, जो मुझे भावनात्मक, मानसिक और शारीरिक रूप से चुनौती दे और मुझे आगे बढ़ाता रहे। चाहे कोई बड़ी कमर्शियल फिल्म हो, थ्रिलर हो या फिर बायोपिक, मेरे लिए सबसे ज्यादा मायने यह बात रखती है कि मेरा किरदार दर्शकों के मन में लंबे समय तक बना रहे।' चेतना ने कहा, ' 'मुझे फिल्म में ज्यादा स्क्रीन टाइम नहीं चाहिए। मैं ऐसे रोल्स को प्राथमिकता देती हूं, जिनकी कहानी में दम हो और जो कुछ कहने की ताकत रखते हों। मैं केवल ग्लैमर दिखाने वाली भूमिकाओं की बजाय ऐसी कहानियों का हिस्सा बनना चाहती हूं, जो लोगों को सोचने पर मजबूर करें। हर नया प्रोजेक्ट मुझे पहले किए गए काम से आगे ले जाए और कुछ नया सिखाए।'' चेतना ने कहा, ' 'मैं अभी भी इस पूरे अनुभव को समझने और महसूस करने की कोशिश कर रही हूं। जब कोई कलाकार लंबे समय तक किसी फिल्म पर मेहनत करता है, कई तरह की चुनौतियों का सामना करता है और यह उम्मीद करता है कि दर्शक उसके काम को पसंद करेंगे, तब सफलता मिलने के बाद उस पल को तुरंत समझ पाना आसान नहीं होता।'' 'हॉन्टेड 3डी' फिल्म की सफलता पर खुशी जताते हुए चेतना ने कहा, 'पिछले कुछ दिन जश्न से ज्यादा आभार के रहे हैं। मैंने सबसे पहले परिवार, दोस्तों और उन लोगों से बात की, जिन्होंने इस सफर में हर कदम पर मेरा साथ दिया। मेरे लिए सबसे बड़ी खुशी यही है कि मेरे करीबी लोग मेरी सफलता से खुश हैं।

हॉलीवुड में मेरा अभी बेस्ट काम आना बाकी है

एक्टर प्रियंका चोपड़ा उन चुनिंदा भारतीय एक्टर्स में से एक हैं जिन्होंने बॉलीवुड और हॉलीवुड दोनों जगह कामयाबी हासिल की है। अपने हिंदी फिल्मी करियर के पीक पर वह इंटरनेशनल मौकों की तलाश में अमेरिका चली गईं। हालांकि, कई ग्लोबल प्रोजेक्ट्स में काम करने के बावजूद प्रियंका को लगता है कि हॉलीवुड में उनका काम भारतीय सिनेमा में किए गए उनके काम के मुकाबले कम ही है।

प्रियंका ने हॉलीवुड में अपने करियर पर नजर डाली और अलग-अलग प्रोजेक्ट्स के साथ इसे और आगे बढ़ाने की इच्छा व्यक्त की। 'बेवॉच', 'द मैट्रिक्स रेजरेक्शन्स' और हाल ही में रिलीज हुई 'द ब्लफ' जैसी हॉलीवुड फिल्मों में शानदार अभिनय के बावजूद प्रियंका ने कहा कि उन्हें लगता है कि हॉलीवुड में उनका बेस्ट काम अभी आना बाकी है। एक्ट्रेस ने कहा कि अपने हिंदी भाषा के करियर में मैंने सभी बेहतरीन फिल्म निर्माताओं और अभिनेताओं के साथ काम किया है, मैंने अद्भुत कहानियां सुनाई हैं और अलग-अलग जॉनर में काम किया है। जबकि अमेरिका में हॉलीवुड में अपने अंग्रेजी भाषा के काम में मैंने ऐसा उतना नहीं किया है।

प्रियंका ने कहा कि अब उनका अगला चरण इस बात पर केंद्रित होगा कि वो हॉलीवुड में भी बॉलीवुड की तरह अलग-अलग तरह की भूमिकाएं निभाएं। अगला बदलाव यह पता लगाने के बारे में है कि मैं अपने हॉलीवुड के काम में अपने किरदारों में वैसी ही विविधता कैसे ला सकती हूं जैसी भारत में ला पाई हूं। इस दौरान प्रियंका ने शादी और मां बनने के बाद अपनी जिंदगी के बारे में भी खुलकर बात की और माना कि उनकी जिंदगी बहुत ज्यादा बदल गई है। उन्होंने कहा कि आपकी प्राथमिकताएं सच में बदल जाती हैं। अब मैं बस अपना सामान पैक करके किसी फिल्म के लिए नहीं निकल जाती। मैं साल में पांच फिल्में नहीं करती। मैं पहले की तरह यात्रा नहीं करती। मैं इस बात को लेकर बहुत ज्यादा सोच-समझकर फैसला करती हूं कि मैं अपना समय कैसे और किसके साथ बिताती हूं। मैं एक कामकाजी मां के तौर पर जिंदगी को संभाल रही हूं। अब मुझे अपनी मां के लिए और भी ज्यादा सम्मान महसूस होता है।

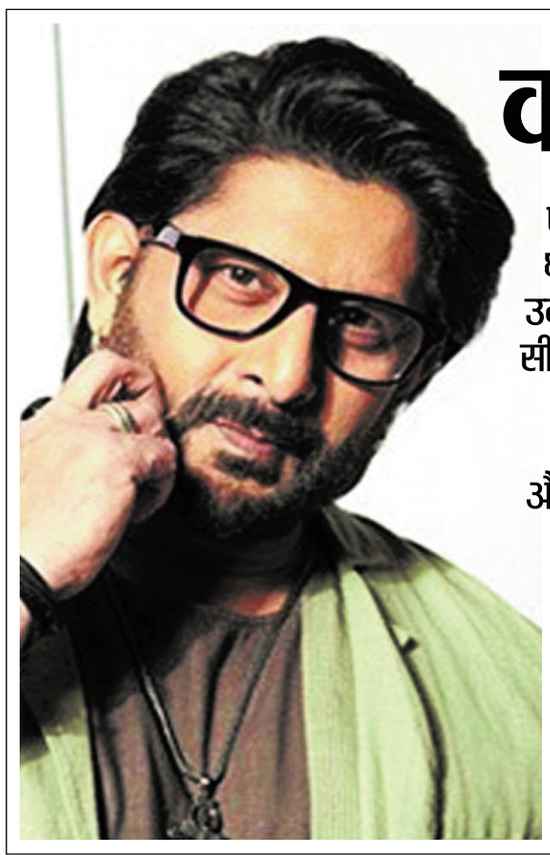

कॉमेडी के नाम पर दायरा क्रॉस नहीं कर सकते

एक्टर अरशद वारसी इस वक्त धमाल मचाने की तैयारी में हैं। उनकी तीन-चार फिल्में और एक सीरीज आ रही हैं। उन्होंने इंटरव्यू में कॉमेडी से लेकर राजकुमार हिरानी संग काम, स्टारकिड्स और आज के स्टैंडअप कॉमेडियंस पर बात की।

अपने तीस साल लंबे करियर में एक्टर अरशद वारसी ने हर तरह के किरदार निभाए हैं, मगर कॉमेडी के मामले में उनका कोई सानी नहीं है। निजी जिंदगी में भी कमाल का सेंस ऑफ ह्यूमर रखने वाले अरशद वारसी 'मुन्ना भाई एमबीबीएस', 'गोलमाल' और 'जॉली एलएलबी' जैसी यादगार कॉमेडी फिल्म फ्रेंचाइजी का हिस्सा रहे हैं। आने वाली दिनों में बड़े पर्दे पर वह 'गोलमाल 5', 'धमाल 4' और 'वेलकम टू द जंगल' जैसी फिल्मों में भी लोगों को हंसाने को तैयार हैं। वहीं, ओटीटी पर डार्क कॉमिडी सीरीज 'प्रीतम और पेड्रो' में इंस्पेक्टर पेड्रो की भूमिका में नजर आएंगे।

क्या इतनी सारी कॉमेडी फिल्मों के खुशनुमा माहौल ने अरशद को किसी तरह से बेहतर इंसान बनाया? इस पर वह कहते हैं, 'नहीं, नहीं, मैं हमेशा से ही खुशदिल इंसान हूं। मुझमें एक सेंस ऑफ ह्यूमर है और मेरे हिसाब से हर इंसान के लिए थोड़ा सेंस ऑफ ह्यूमर बहुत जरूरी है। आपको खुद पर हंसना आना चाहिए। आज लोग छोटी-छोटी बातों पर सीरियस हो जाते हैं, मैं वाकई चाहूंगा कि वो ऐसा ना करें। जिंदगी को ज्यादा सीरियसली न लें। वैसे ही, हम सबकी जिंदगी में बहुत सारी तकलीफें हैं। हालात अजीब से होते जा रहे हैं, इसलिए आप छोटी-मोटी चीजों को छोड़ना सीखें। हमारी कॉमेडी फिल्में देखें, खुश रहें।'

इन दिनों एक ओर कॉमेडियन हास्य पर तरह-तरह के पाबंदियों का रोना रोते हैं, तो कॉमेडी के आपत्तिजनक और अश्लील होने को लेकर विवाद भी सामने आते रहते हैं। इस पर अरशद वारसी का मत एकदम साफ है कि आप दायरा नहीं क्रॉस कर सकते। बकौल अरशद, 'आप साफ कॉमेडी लिख सकते हैं। थोड़ा सा मुश्किल होता है लेकिन यह संभव है। यह भी संभव है कि आप बिना किसी को ठेस पहुंचाए कॉमेडी करें। मैं अक्सर जोक मारता रहता हूं, बहुत कुछ कहता रहता हूं, पर मुझे पता है कि मैं वो लाइन कभी नहीं क्रॉस करूंगा जिससे किसी को तकलीफ हो। मुझे पता होता है कि मैं किससे कह रहा हूं और क्या कह रहा हूं, वह जानना जरूरी है। आप वो दायरा क्रॉस नहीं कर सकते।

राजकुमार हिरानी और उनके बेटे संग काम का एक्सपीरियंस

सीरीज 'प्रीतम और पेड्रो' की एक खास बात यह है कि फिल्ममेकर राजकुमार हिरानी की इस डेब्यू सीरीज से उनके बेटे वीर हिरानी भी एक्टिंग में कदम रख रहे हैं। ऐसे में, पिता और बेटे दोनों की पहली फिल्म में काम करने के अनुभव पर पर अरशद ने अपने चुटीले अंदाज में कहा, 'मैं सोच रहा हूं कि उनके घर में जाकर रहने लगूं। कभी पिता से साथ काम पर चला जाऊं, कभी बेटे के साथ काम पर चला जाऊं (हंसते हैं)। असल में, मेरे लिए बहुत अच्छा अनुभव था। मुझे कभी नहीं लगा था कि वीर और मैं कभी साथ में काम करेंगे। 'मुन्ना भाई एमबीबीएस' की शूटिंग के दौरान वह 4 साल का बच्चा था लेकिन बहुत अच्छा लगता है कि वीर की पहली फिल्म में मैं हूं। मैं चाहूंगा कि वो जिंदगी में बहुत अच्छा करे और मुझे यकीन है कि वो करेगा।' वहीं, फिल्मी बच्चों के फिल्म का ही रास्ता अख्तियार करने की बहस पर वह पलटकर सवाल करते हैं, 'वह राजू हिरानी का बेटा है तो उसमें उसकी क्या गलती है? ये हमारे बच्चे हैं उसमें उनकी क्या गलती है? मैं ऐसे सोचता हूं। बाकी, सबका अपना नजरिया है।'

स्वामी मुद्रक व प्रकाशक अनुज कुमार के द्वारा एजीएस पब्लिकेशंस एफ 23, सेक्टर 6, गौतम बुध नगर, उत्तर प्रदेश 201301 से मुद्रित व गांव बुखारीपुर, पोस्ट ढवारसी, तहसील हसनपुर, जनपद अमरोहा, उत्तर प्रदेश पिन कोड 244242 से प्रकाशित।
संपादक-अनुज कुमार, R.N.I. No.-UPHIN/2023/86483, मो0.945688 4327, E-mail-officialsabkasapna@gmail.com, www.sabkasapna.com नोट- समस्त विवादों का न्यायिक क्षेत्र अमरोहा जनपद न्यायालय होगा।